हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

28 मार्च, 1988

खण्ड 1, अंक 9

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 28 मार्च, 1988

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(9)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उत्तर	(9)60
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(9)62

विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(9)69
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव– कैथल क्षेत्र के बरौट के किसानो से अत्याधिक बिजली प्रभार वसूल करने संबंधी	(9)69
वक्तव्य– (i) सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी (ii) कृशि राज्य मंत्री द्वारा जिला भिवानी तथा उसके आसपास के क्षेत्रो मे ंसुन्डी से चने की फसल के क्षतिग्रंस्त होने संबंधी	(9)69 (9)71
वर्श 1988–89 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)74
बैठक का समय बढाना	(9)124
वर्श 1988–89 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)124
बैठक का समय बढाना	(9)130
वर्श 1988–89 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(9)131

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 28 मार्च, 1988

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Construction of new Bridge Over Zahar Nallah in Faridabad District

***393. Shri Yogesh Chand Sharma:** Will the Minister for P.W.D (Building and Roads) be pleased to state whether there is any proposal to construct any new Bridge over Zahar Nallah to connect Khadar Villages in Faridabad District; if so, the details thereof together with the time by which the said proposal is likely to materialize?

लोक निर्माण मंत्री (श्री औम प्रका ा भारद्वाज): जिला फरीदाबाद में जहर नाले के ऊपर पुल बनाने के लिए धनरा ि ा जुटाने का मामला विचाराधीन है। प्राजैक्ट की अनुमानित लागत 8. 25 करोड रुपए है। इस स्टेज पर प्रोजैक्ट के कार्यान्वित होने बारे कोई समय अवधि निर्धारित नही कह जा सकती क्योंकि यह धन रा ि ा के उपलब्ध होने पर निर्भर होगी।

श्री योगे ा चन्द्र भार्मा: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि पहले साल काम भाुरु किया जाएगा तब इस पुल पर कितने लाख लागत आएगी?

श्री औम प्रका ा भारद्वाज: स्पीकर साहब, जब तक इस पुल की मंजूरी नही दी जाती तब तक अनुमान के बारे में नही बताया जा सकता।

श्री योगे ा चन्द्र भार्मा: स्पीकर साहब, यह क्षेत्र बीस हजार की आबादी वाला है। बरसात के दिनों में इस क्षेत्र का बाकी हरियाणा से संबंध बिल्कुल टूट जाता है और इन दिनो में इन लोगों को जीवनोपयोगी कोई चीज मुहैया नही होती। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि अब तक सरकार की ओर से कोई ऐक ान क्यों नही लिया गया?

श्री औम प्रका ा भारद्वाज: स्पीकर साहब, यह बात ठीक है कि खादर के बारह गांव है जिनकी आबादी लगभग आठ हजार है। यह बात भी ठीक है कि इन लोगों को पुल न बनने से काफी दिक्कत रहती है। लेकिन फिर भी वहां पर मोहना के नजदीक एक कि ितयों का पुल बना दिया जाता है और यह पुल 15 नवम्बर से 15 जुन तक चालू रहता है। जब भारी बाढ आ जाती है तक कि ितयों से लोगो को सूविधा पहुंचाई जाती है।

श्री मांगे राम: स्पीकर साहब, रोहतक जिले के अन्दर पिछली सरकार ने कोई भी पुल नही बनाया। 1977–78 में चौधरी

देवी लाल की सरकार ने बहादुरगढ से बराही तक सडक बनाई थी लेकिन उस सडक पर पुल नही है। क्या मंत्री महोदय वहां पर पुल बनाने की कृपा करेंगे।

श्री औम प्रका ा भारद्वाजः स्पीकर साहब, चौधरी मांगे राम ने जिस पुल के बारे में जिक्र किया है वह इस साल चालू करवा देंगे।

श्री योगे ा चन्द्र भार्माः स्पीकर साहब, वैसे तो खादर के एरिया में पुल बनाने की बात थी लेकिन चौधरी मांगे राम इसे रोहतक ले गए।

श्री औम प्रका ा भारद्वाजः स्पीकर साहब, चौधरी मांगे राम ने जिस पुल की बात की है उसकी लागत तो लाखों मे है लेकिन जिस पुल का योगे ा चन्द्र भार्मा जिक्र कर रहे हैं उसकी लागत आठ करोड है। जब हमारे पास ऐडीक्वेट फण्डज़ हो जाएंगे तो वहां पर पुल बना देंगे।

श्री आत्मा राम गोदाराः स्पीकर साहब, बहुत से रोडज ऐसे है जहां पर मैटीरियल खरीद कर डाला हुआ है लेकिन उनको भ्ाुरु नही किया गया है। ऐसी ही एक रोड राजली से बेबलपुर है। क्या मंत्री महोदय इस बजट में ऐसी रोडज को प्रायरिटी देकर बनाएंगे?

श्री अध्यक्षः गोदारा जी, यह सवाल पुल के बारे में है, रोडज के बारे में नही है।

Appointments made in HUDA

***307. Sh. Hira Nand Arya, Shri P.K. Chaudhary:** Will the Chief Minister be pleased to state the number of persons appointed by HUDA during the period from 1986-87 to 1987-88 (upto 29-2-1988) on daily, adhoc and regular basis togetherwith their complete address and mode of their appointment?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): श्रेणीवार ब्यौरा इस प्रकार है:–

श्रेणी	1986–87	1987–88 (29–2–88 तक)
दैनिक वेतन पर		इन आंकडो को संकलन से प्राप्त होने वाला लाभ, उनके इकटठें करने में लगने वाले समय एवं श्रम के अनुरुप नही है।
तदर्थ	61	244
नियमित	69	51

कर्मचारियों के पूरे पते तथा उनकी नियुक्ति की विधि को द र्ाने वाला विवरण अनुबन्ध ए, बी, सी एवं डी के रुप में अलग से सदन के पटल पर रखा जाता है।

क्रमांक	नाम व पता	नियुक्ति की विधि
	कनिष्ठ अभियन्ता	
	सर्वश्री / श्रीमती	
1	राम पाल यादव पुत्र राम कुमार गांव व डा0 मोहिनदुदीन, जिला महेन्द्रगढ	रोजगार विभाग के माध्यम से
2	केवल कृष्ण पुत्र कुरडा राम, नजदीक विक्रमादित्य अस्पताल, राम नगर कालोती, मण्डी डबवाली।	–सम–
3	जगदीश कुमार पुत्र धर्मचन्द 38 / 8, राम नगर, करनाल	–सम–
4	बलबीर सिंह पुत्र किरपा राम, गांव घराडसी, डा0 बारना, तह0 कैथल (कुरुक्षेत्र)	–सम–
5	विनोद कुमार पुत्र मदन लाल, गांव व डा0 कुम्भा, तह0 हांसी, जिला हिसार।	–सम–
6	रमेश कुमार शर्मा पुत्र औम प्रकाश शर्मा, गावं डेरा, डा0 हमीदपूर तह0 नारायणगढ	–सम–

	(अम्बाला)	
7	याम सुन्दर पुत्र बनवारी लाल, गली पटवारीन नजदीक डी0डी0ए0 कार्यालय, डी0 एस0 पी0 रोड, फतेहाबाद।	–सम–
8	सुभाष चन्द्र पुत्र मनोहर लाल, गांव लन्धारी, तह0 व जिला हिसार	–सम–
9	रामवीर सिंह पुत्र दरिया सिंह, गांव व डा0 मिर्चपुर, तह0 हांसी, जिला हिसार।	–सम–
10	पन्नु राम पुत्र वधवा राम, गावं बुर्ज, डा0 चिमन, तह0 रतिया, जिला हिसार।	–सम–
11	ललीत कुमार पुत्र लक्ष्मी नारायण, प्लाट न 3, स्कूल कम केनाल एरिया, नीलोखेडी, करनाल।	–सम–
12	सतीश शर्मा पुत्र मनोहर लाल सेवक सभा हस्पताल, सिरसा रोड, हिसार	–सम–
	कनिष्ठ अभियन्ता (बागवानी)	
13	जोगी राम पुत्र मिरची राम गाव व डा0 पुटठी तह0 हांसी, जिला हिसार	–सम–

14	महेन्द्र सिंह पुत्र भगवान राम गांव व डा0 माण्डी कलां, तह0 लोहारु, भिवानी	–सम–
15	हर लाल पुत्र सुख राम गांव बिज्जन, डा0 रामघाट, जिला बुलन्दशहर, यू पी	–सम–
16	विरेन्द्र सिंह पुत्र चौखा लाल मकान नं.515, काली वादी मार्ग, नई दिल्ली	–सम–
	सहायक प्रारुपकार	
17	हरबंस लाल पुत्र जवाहर लाल आर्य समाज मौहल्ला प्रेम मोहल्ला, गुडगांव	–सम–
	लेखा सहायक	
18	आनन्द प्रकाश पुत्र जय नारायण 20/4258 काठ मण्डी, सोनीपत	–सम–
19	सुरेश कुमार पुत्र कली राम गांव व डा0 साधा, करनाल	–सम–
20	वेद प्रकाश पुत्र छज्जु राम गांव व डा0 कबलाना, जिला रोहतक	–सम–
21	राकेश कुमार पुत्र आर के कश्यप मकान नं0 2173/19 सी, चण्डीगढ	–सम–

22	विरेनद्र कुमार पुत्र एस सी हांडा मकान नं0 440/7–ए, चण्डीगढ	–सम–
23	गुलशन कुमार पुत्र किशन चन्द कपूर प्लाट नं0 42,कच्छवा रोड, करनाल	–सम–
24	अपनन्द स्वरुप पुत्र बोज राम जैन मकान नं0 302, गली मथरा दास,सिरसा	–सम–
25	संगीता पुत्री साधु राम मकान न.0 645, दयाल बाग गेट, करनाल	–सम–
26	आनन्द प्रकाश पुत्र जिया लाल नजदीक पंजाब मैडिकल स्टोर, सोनीपत	–सम–
27	सुभाष कुमार पुत्र डी एस वर्मा नैषनल मैडिकल हाल, थानेसर	–सम–
	आशुलिपिक (स्टैनोटाईपिस्ट)	
28	संतोष पुत्री ज्ञान चंद ाहजदपुर, तह0 नारायणगढ	–सम–
29	कमलेश कुमारी पुत्री सौदागर मल गांव डिपल, डा0 डण्डहेरी, हिसार	–सम– (अब सेवा में नही है)

30	माया देवी पुत्री टी एस तोमर 471/13, कमलवीर हाउस, टमलटस रोड, रोहतक	–सम–
31	रोशन लाल पुत्र सेवा सिंह गांव सिसमोड, कुरुक्षेत्र	–सम–
32	बलबीर सिंह पुत्र राम चन्द गांव व डा0 कर्मगढ, साहुवाला–1, सिरसा	–सम–
33	जय कृष्ण पुत्र गैण्डा राम गांव महमदपुर, जी पी, गुंडियाना।	–सम–
	लिपिक	
34	बाल सिंह वर्मा पुत्र मोहल्लू सिंह मकान नें. 84, कुलदीप नगर, यमुनानगर जिला अम्बाला	–सम–
35	मुख्तयार सिंह पुत्र राम सिंह गांव रुडकी, डा0 मणक टावर, तह0 नारायणगढ, अम्बाला	–सम–
36	विजय कमार पुत्र गुरदास मल मकान नं 242, बी सी बाजार, अम्बाला कैंट	–सम–
37	राजकुमारी पुत्री नन्द लाल लुथरा भवन, पुरानी सब्जी मण्डी, कैथल जिला कुरुक्षेत्र	–सम–
38	हर्षवर्धन पुत्र राम सरन दास हाउस के पीछे,	–सम–

	पी एस लाडवा, जिला कुरुक्षेत्र	
39	कृष्ण चन्द पुत्र रुलिया राम गांव भाणा, डा0 रतनगढ, जिला कुरुक्षेत्र	–सम–
40	मधु बाला पुत्र बशन दास टेलर मास्टर, मकान नं 138, मोहल्ला लोहिया बाड, होहीना, जिला गुडगांव	–सम–
41	रमेश कुमार पुत्र हेत राम गांव व डा0 उजीना, तह0 नूहं, गुडगांव	–सम–
42	सुलेख खान पुत्र हवील खान गांव व डा0 बीसरु, जिला गुडगांव	–सम–
43	हाशियार सिंह पुत्र उमराव सिंह मकान नं0 52/293, आचार्य पुरी जिला गुडगांव	–सम–
44	तेज राम पुत्र राम चन्द्र गांव खजूरवाला, सोहना, गुडगांव	–सम–
45	बिशम्बर पुत्र चमन लाल 342/1, वाड नं0 7, अर्जुन नगर, गुडगांव	–सम–
46	बृज मोहन पुत्र मनशा राम लेबर आफिस, लेबर निरीक्षक गुडगांव	–सम–

47	अशेक कुमार पुत्र लखमेर सिंह ोखो हवेली, जटवाडा ेगेट, बावल, महेन्द्रगढ	–सम–
48	हर लाल पुत्र समा लाल गांव राठीवास डा0 करनावता, तह व जिला महेन्द्रगढ	–सम–
49	धम्रपाल पुत्र मोती राम गांव टोटकिया, डा भोडिया कैनालपुर तह0 रिवाडी, जिला महेन्द्रगढ	–सम–
50	मदन लाल पुत्र बहादुर चन्द वार्ड न 6, बैरक 24, एच 28–29 गांधी नगर, रोहतक	–सम–
51	विरान रानी पुत्री बहादुर चन्द मकान नं0 463214, डी एल एफ कालोनी रोहतक	–सम–
52	लक्ष्मी नारायण पुत्र बनशी धर गांव व डा0 टुमाना, तह0 कोसली, रोहतक	–सम–
53	सुन्दर सिंह पुत्र चान्द राम गांव व डा0 चमारियां, रोहतक	–सम–
54	भगवन्त सरुप पुत्र हुक्म चन्द मकान नं.0 642/10, किला रोड पुरानी सब्जी मण्डी, रोहतक	–सम–

55	प्रताप सिंह पुत्र नन्द राम गांव व डा खराटी खेडा, तह0 फतेहाबाद, हिसार	–सम–
56	सूरेश धमीजा पुत्र किशन लाल एम एच एस ई बी जगजीवनपुरा विफद रोड, फतेहाबदा, हिसार	–सम–
57	भाशी वाला पुत्री अशेक कुमार दुकान न0 118, राज गुरु मार्केट, किरयाना मर्चेन्ट, हिसार	–सम–
58	जिले सिंह पुत्र रणजीत सिंह गांव व डा0 लाडवा तह0 व जिला हिसार	–सम–
59	राधे श्याम पुत्र वीर भान म0 न0 613, मगीया मनधेन स्कूल, लोहारु, भिवानी	–सम–
60	रविन्द्र कुमार पुत्र हरनाम दास सिविल हस्पताल तोशाम, तह0 जिला भिवानी	–सम–
61	पृथ्वी सिंह पुत्र बदरी सिंह बिश्नोई कालोनी, सेवान मण्डी, भिवानी	–सम–
62	जय सिंह पुत्र राम चन्द गांव गोविन्दपुरा, डा0 बरौटी, जीन्द	–सम–

63	प्रेम चंद पुत्र नन्द लाल गांव व डा0 थुराना जिला हिसार	—सम—
	चालक	
64	धर्मपाल पुत्र इन्द्र राज गांव व डा0 किरनवाड, तह0 बवानी खेडा, जिला भिवानी	—सम—
65	बलवन्त पुत्र गुरमिक सिंह गांव मनका, डा0 रामगढ, तह0 कालका, अम्बाला	—सम— (अब सेवा में नही है)
	सेवादार	
66	जुबेदा मकान न. जे 13 न0, 4 एन आई टी, फरीदाबाद	अपने स्वर्गीय पति के स्तीन पर
67	राम नाथ पुत्र कुन्दन लाल गांव व डा0 घरौंडा, करनाल	रोजगार विभाग के माध्यम से
68	सुरेश पाल पुत्र मालू राम गांव व डा0 रामपुर, अम्बाला	—सम—
	फैरो खैलासी	

69	रामफल गांव व डा0 पत्रठेडा, कलां, फरीदाबाद	–सम–

अनुबन्ध 'बी'

हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण द्वारा वर्श 1987–88 तौर पर नियुक्त किए गए कर्मचारियों की सूचि–

कमांक	**नाम व पता**	**नियुक्ति की विधि**
	उप मण्डल अभियन्ता	
	सर्वश्री / श्रीमती	
1	विरेन्द्र कुमार पुत्र बसंत सिंह म. न. 145, सोनीपत रोड, रोहतक	रोजगार विभाग के माध्यम से
2	प्रीतमोहन पुत्र म. न. 69, सैक्टर 9, पंचकूला	–सम–
3	भुपिन्द्र पुत्र म. न. 69–113 / 6, अशोका रोड, भिवानी	–सम–
4	अशवनी पुत्र म. न. 3–ए, कैलाश नगर, अम्बाला शहर	–सम–

	सहायक प्रारुपकार (सिविल)	
5	रण प्रकाश पुत्र प्रेम चन्द गांव व डा0 मलिकपुर, बांगर, तह0 छिछरोली, अम्बाला	–सम–
6	प्रोमिला बांसल पुत्री श्री श्याम सुन्दर म0 न0 123–ए, सैक्टर 20, चण्डीगढ	–सम–
7	शिव कुमार सिंगला पुत्र धनी राम धनी राम, म0 न0 716/6, फरीदाबाद	–सम–
	लेखा सहायक	
8	दया सागर पुत्र राम प्यारा, ए–501, पिछे चर्च सदर बाजार, करनाल	–सम–
9	नरिन्द्र चौपडा पुत्र औम प्रकाश, म0 न0 353/32ए,चण्डीगढ	–सम–
10	श्याम सुन्दर पुत्र साधुराम, गाव व डा0 मुलालता, तह फिरोजपुर जिरका	–सम–
11	सतीश कुमार पुत्र सागर चन्द, म0 न0 10/841, मोहल्ला सोदन वाला, नजदीक जैन मन्दिर, सोनीपत	–सम–
12	योगेन्द्र मोहन पुत्र सोम नाथ, म0 न0 212/11, पंचकूला	–सम–
13	विरेन्द्र कुमार पुत्र नारायण सिंह,	–सम–

14	कमलजीत सिंह पुत्र सुरजीत सिंह, ए–9, जी पी ओ कम्पाउंड, अम्बाला शहर	–सम–
15	रजनीश चन्द्र पुत्र बी सी तिरखा, म0 न0787/22–ए, चण्डीगढ	–सम–
16	सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री निवास, गांव वडा पिल्लुखेडा मण्डी, जिला जीन्द	–सम–
17	सतबीर सिंह पुत्र योदाराम, गांव व डा0 सांगवाडी, जिला भिवानी	–सम–
18	घनश्याम दास पुत्र श्री पाल, हरियाणा स्टेट हैण्डलूम एंड हैंडीक्राफट कारपोरेशन, चण्डीगढ	–सम–
	स्टैनोग्राफर	
19	सरोज वाला म0 न0 1765, मोहल्ला राम पुरा, हिसार	–सम–
20	सुरेश कुमारी पुत्री फुल सिंह, नजदीक एस डी एम निवास, हांसी, हिसार	–सम–
21	विशवेन्द्र कुमार पुत्र कली राम, 3223/21–डी,चण्डीगढ	–सम–
22	हरी किशन म0 न0 65/11–2,ढाणी बडवाली, हिसार	–सम–
23	प्रेम लता म न0 5/15, पक्का बाग, खरखौदा,	–सम–

	सोनीपत	
24	दर्शना रानी पुत्री सेवा दास, किला मोहला इन्दरी, करनाल	–सम–
	अनुरेखक	
25	राय सिंह पुत्र जवाहर राम, मकान न. 152/6, जाट मोहल्ला माता गेट, कैथल	–सम–
26	लाल सिंह पुत्र शीश राम, गांव वजिदपुर, डा0 हीरमदाना, कुरुक्षेत्र	–सम–
27	रमेश कुमार पुत्र राज किशन, मकान न0 6/1339–ए, मोडर्न कालोनी, यमुनानगर	–सम–
28	विनु कुमार पुत्र अभी लाल, नजदीक ऐक्शन निवास, पी डबल्यू डी कालोनी, नारनौल	–सम–
29	मेहर दीन पुत्र फतेह मोहम्मद, गांव व डा0 बलवाडी, तह0 रिवाडी, महेन्द्रगढ	–सम–
30	कैलाश चन्द्र पुत्र पन्ना लाल, गांव व डा0 ठसका, तह0 पेहवा, जिला कुरुक्षेत्र	–सम–
31	जगन्नाथ पुत्र नेक राम, गांव व डा0 चन्दाना, तह0 कैथल	–सम–
32	वेद पाल पुत्र होरी सिंह, गांव इन्दुगढी, डा0 गोहाना, जिला सोनीपत	–सम–

33	जय प्रकाश पुत्र अनन्त राम, गांव व डा0 गढी बीरबल, तह इन्द्री, जिला करनाल	–सम–
34	अशोक कुमार पुत्र घर्मपाल, मकान न0 एम एम 2, वी डबल्यू सी सुरजपुर, तह0 कालका	–सम–
35	विनोद कुमार पुत्र माधो राम गांव व डा0 नियना, सब तह0 इन्द्री, करनाल	–सम–
	चालक	
36	राज सिंह पुत्र विजय सिंह, झंकाल गली, मकान न0 45, पुराना फरीदाबाद	–सम–
37	प्रदीप कुमार पुत्र तिलक राज, दुकान न.8, माडल टाउन, अम्बाला शहर	–सम–
38	राम किशन पुत्र राम कुमार, गांव व डा0 दनोद, तह0 भिवानी	–सम–
39	लाभ सिंह पुत्र जगीर सिंह,	–सम–
	सेवादार	
40	सुरिन्द्र पाल पुत्र राजा राम, गांव व डा0 रेवर, जिला करनाल	–सम–
41	रजिन्द्र कुमार पुत्र शान्ति प्रकाश, मकान न. 785/9, पंचकूला	–सम–

42	मनशा राम पुत्र लछमन दास, मकान न.2281, फेस–2, राम दरबार, चण्डीगढ	–सम–
	सर्वे खलासी	
43	चमन लाल पुत्र मकान न 2537/15, पंचकूला	–सम–
44	मान सिंह पुत्र पन्नु मल, गांव व डा0 धरीन्दा, अम्बाला	–सम–
	स्वीपर–कम–चौकीदार	
45	कर्मपाल पुत्र नथा राम, गांव व डा0 रेवर, जिला करनाल	–सम–
46	पूर्ण चन्द पुत्र धनी राम, गांव व डा0 मंगलपूर, जिला करनाल	–सम–
47	कृष्ण पुत्र धनपा राम, गांव व डा0 मंगलपूर, जिला करनाल	–सम–
48	राम दास पुत्र तुलसी राम, गांव व डा0 झण्झहरी, करनाल	–सम–
49	रिशी पाल पुत्र तुलसी राम, गांव व डा0 झण्झहरी, करनाल	–सम–
50	सतपाल पुत्र सुरजा राम, गांव व डा0 बगपत, जिला करनाल	–सम–

51	राम कुमार मकान न 85/14, पंचकूला	सीधी भर्ती द्वारा

अनुबन्ध 'सी'

हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण द्वारा वर्श 1986–87 मे तदर्थ आधार पर नियुक्त किए गए कर्मचारियों की सूची–

क्रमांक	**नाम व पता**	**नियुक्ति की विधि**	**विवरण**
1	**2**	**3**	**4**
	सहायक जिला न्यायवादी		
	सर्वश्री/श्रीमती		
1	बी0 के0 सिंगला	सीधी भर्ती द्वारा	
2	ए0 के0 बख्शी मकान ने 1228, सैक्टर 15–बी, चण्डीगढ	–सम–	सेवा में नही है
	कनिष्ठ अभियन्ता सिविल		
3	जवाहर लाल पुत्र राम चन्द्र, मकान नं 16, वार्ड नं 3, ब्लाक नं 16, गांधी नगर,	–सम–	सेवा में नही है

	रोहतक		
	लिपिक		
4	राजेन्द्र कुमार पुत्र लोक राम, माता गेट, रोहतक	—सम—	—सम—
5	धर्मबीर सिंह पुत्र चान्द राम, मकान नं 19/285, प्रेम नगर, रोहतक	—सम—	—सम—
6	संजय पुत्र जय लाल जैन, म नं 59/10, हारवा गली, पाहरु चौक, रोहतक	—सम—	—सम—
7	हरमेश कमार पुत्र बुध राम, मार्फत चानन टी स्आल,बस स्टेण्ड रोड, धुरी, पंजाब	—सम—	—सम—
8	सरोज बाला पुत्री गोविन्द राम, मं नं 9456/6, कलाल माजरी, अम्बाला	—सम—	—सम—
9	अंजु बाला पुत्री बिहारी लाल, ई—83, पौलटरी एरिया, नीलाखेडी, करनाल	—सम—	—सम—
10	रमेश कुमार पुत्र रण सिंह, गावं मातण, जिला रोहतक	—सम—	—सम—
11	राकेश कुमार पुत्र हकुम चंद, 336/5, पाडा मौहल्ला, बडा बाजार, रोहतक	—सम—	—सम—
12	हरीश चन्द पुत्र श्री चन्द, मं नं 548, वार्ड	—सम—	—सम—

	नं 18, रविदास नगर, रोहतक		
13	भगवन्त दयाल पुत्र हजारी लाल, जैन पुरा, रोहतक	—सम—	—सम—
14	दारा सिंह पुत्र हरनेक सिंह, विश्वकर्मा नगर, काठ मण्डी, रौहतक	—सम—	—सम—
15	हरीश कुमार पुत्र चरन्जी लाल, 74123, कुल मोहल्ला, रोहतक	—सम—	—सम—
16	भारत भूषण पुत्र श्री डी एन मेहता, बी—2, मं नं 1211, बडा बाजार, रोहतक	—सम—	—सम—
17	गौरी शंकर पुत्र लक्षमण दास, मं नं 1818, वार्ड नं 3, पारा मोहल्ला, रोहतक	—सम—	—सम—
18	अशेक कुमार पुत्र रधुबीर सिंह, न्यू राज राम फैक्ट्री,हिसार रोड, रोहतक	—सम—	—सम—
19	राकेश कुमार पुत्र हर भगवान दास, मं नं 253/2,वार्ड न 6, कल्याण मोहल्ला, रोहतक	—सम—	—सम—
20	सुनील कुमार पुत्र कृष्ण कुमार, वार्ड नं 6, मं नं 190, गांधी नगर, रोहतक	—सम—	—सम—
21	कर्मवीर पुत्र सेम सिंह, मं नं 553, वार्ड नं 30, रोहतक	—सम—	—सम—

22	अशोक कुमार कटयाल पुत्र श्री सेवा मल, बी 2 158, पारा मोहल्ला, नजदीक पाहवा फैक्टरी, रोहतक	—सम—	—सम—
23	विनोद कुमार पुत्र मं नं 22, गांधी नगर, रोहतक	—सम—	—सम—
24	प्रवीरण सहगल पुत्र कृष्ण कुमार, 160—ए, सुभाष नगर, रोहतक	—सम—	—सम—
25	महेन्द्र सिंह पुत्र बजिन्द्र कुमार, वसुदा शावन सरकुलर, नजदीक कांग्रैस भवन, रोहतक	—सम—	—सम—
26	संजीव कुमार पुत्र राम कुमार, पूण्डीर 255/7, पारास मोहल्ला, रोहतक	—सम—	—सम—
27	राजिन्द्र सिंह पुत्र सुभाष चन्द, बी—2, 472 सालेडा मोहल्ला, रोहतक	—सम—	—सम—
28	रविन्द्र कुमार पुत्र रुप चन्द, मं नं 452/33, जनता कालोनी, रोहतक	—सम—	—सम—
29	वशिष कुमार जैन पुत्र शांती प्रकाश जैन मं नं 15, जैन मंदिर गली, बाहरा बाजार, रोहतक	—सम—	—सम—
30	मुनीष कुमार पुत्र भजन लाल, मं नं 669—बी, प्रतान मौहल्ला, रोहतक	—सम—	—सम—

31	संजीव कुमार पुत्र अमर चन्द, मकान नं 3329/1, सैक्टर 40–डी, चण्डीगढ	–सम–	–सम–
32	शिव कुमार पुत्र पृथ्वी चन्द शास्त्री, तितलीवाली मकान नं 193, वार्ड नं 32, जनता कालोनी रोहतक	–सम–	–सम–
33	मुकेश शर्मा पुत्र लाजपत राय, मोहल्ला बाबरा, रोहतक	–सम–	–सम–
34	सुरेन्द्र पाल पुत्र निहाल चन्द, मं नं29, इंन्दिरा कालोनी, रोहतक	–सम–	–सम–
35	विनोद कुमार पुत्र चेतन सिंह, मकान ने0 639/3, गढी मोहल्ला, रोहतक	–सम–	–सम–
36	रेाशन लाल पुत्र रधुबीर सिंह, 530/14, गोहाना रोड, हबण्डल, राहेतक	–सम–	–सम–
37	सतबीर सिंह पुत्र जय कृष्ण, मकान नं 860, वार्ड नं2,धानी मोहल्ला, रोहतक	–सम–	–सम–
38	कुल भूषण पुत्र एन डी शर्मा, मं नं 2410, सैक्टर 19–सी, चण्डीगढ	–सम–	–सम–
39	बलराज पुत्र दया चन्द, गांव व डा0 बरौडा, तह0 गोहाना, जिला सोनीपत	–सम–	–सम–
40	राम अवतार पुत्र जीत राम, गांव व डा0	–सम–	–सम–

	विरान, तह0 व जिला भिवानी		
41	सुभाष चन्द्र पुत्र सुरज भान, गांव व डा0 जुलाना, जीन्द	—सम—	—सम—
42	सुरेश कुमार पुत्र रधुबीर दत्त, गांव व डा0 बिजाना, भिवानी	—सम—	—सम—
43	कृष्ण कुमार सैनी पुत्र दल सिंह, मकान नं0 555, वार्ड न 19, सैणी पुरा, रोहतक	—सम—	—सम—
44	दया सिंह पुत्र औम प्रकाश, मकान नं0 814, वार्ड नं 1, नजदीक आई0 बी0 कालेज, रोहतक	—सम—	—सम—
45	महावीर प्रसाद पुत्र सत नारायण, मकान नं0 1271/9, बहलुआ मोहल्ला,कादियान गली, रोहतक	—सम—	—सम—
46	चन्द्र प्रभा पुत्री स्व0 श्री एन एल चुघ, 6 राम पुरी, कालका जी, नई दिल्ली	—सम—	—सम—
47	राजीव कुमार पुत्र जगदीश चन्द, मकान नं0 97, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, भिवानी	—सम—	—सम—
	सेवादार		
48	जगपाल सिंह पुत्र गजे सिंह, चुनीपरा रोहतक	—सम—	संवा मे नही है

49	शमशेर सिंह पुत्र श्री राम, नजदीक इन्दिरा कालोनी, रोहतक	—सम—	—सम—
50	नरेश कुमार पुत्र देवी राम, डेरी मोहल्ला, रोहतक	—सम—	—सम—
51	अशोक कुमार पुत्र तारीफ सिंह, डेरी मोहल्ला, रोहतक	—सम—	—सम—
52	दया नन्द पुत्र महताब सिंह, डेरी मोहल्ला, रोहतक	—सम—	—सम—
53	महेन्द्र सिंह पुत्र घमण्डी लाल, डेरी मोहल्ला, रोहतक	—सम—	—सम—
54	महेन्द्र सिंह पुत्र पृथी सिंह, मार्फत आर0 एस0 कादयान, कैथान मौहल्ला, रोहतक	—सम—	—सम—
55	नरेश कुमार पुत्र दर्शन दयाल, बाबरा मौहल्ला, रोहतक	—सम—	—सम—
56	रमेश कुमार पुत्र लच्छु राम, मकान नं0 267/7, बाबरा मौहल्ला, रोहतक	—सम—	—सम—
57	नर बहादुर पुत्र घुमन बहादुर, मकान नं0 121, सैक्टर 9, पचंकुला	—सम—	—सम—
58	श्री भगवान पुत्र जागे राम,	—सम—	सेवा मे नही है

59	श्री राज कुमार पुत्र सत्य नारायण,	–सम–	–सम–
60	श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी शशी भूषण,	–सम–	–सम–
61	कुलदेव राज पुत्र हरी चन्द,	–सम–	सेवा में है

अनुबन्ध 'डी'

हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण द्वारा वर्श 1987–88 मे तदर्थ आधार पर नियुक्त किए गए कर्मचारियों की सूची–

कमांक	**नाम व पता**	**नियुक्ति की विधि**	**विवरण**
1	**2**	**3**	**4**
	सहायक जिला न्यायवादी		
	सर्वश्री / श्रीमती		
1	अभी चन्द सिंहाग पुत्र श्रीमान, गांव व डा0 सिवानी बालम, तह0 व जिला हिसार	सीधी भर्ती द्वारा	सेवा में नही है
2	कन्हैया लाल पुत्र हेत राम, गाव व डा0	–सम–	–सम–

	दांड, जिला हिसार		
3	जसवन्त सिंह पुत्र श्री शंकर, गाव व डा0 किरथन, जिला हिसार	–सम–	सेवा में है
4	कृष्ण कुमार पुत्र राम जी लाल, गाव व डा0 जेवरा, जिला हिसार	–सम–	–सम–
5	अनिल कुमार पुत्र मकान नं0 2, सैक्टर 14, पंचकूला	–सम–	–सम–
6	जगत पाल पुत्र धींगड रोड, फतेहाबाद जिला हिसार	–सम–	–सम–
	सहायक प्रारुप		
7	प्रतिभा रानी पुत्री श्री एम पी गुप्ता, मकान नं0 1551/20 बी, चण्डीगढ	–सम–	सेवा में है
8	सुनीता तनेजा पुत्री श्री सुन्दर दास, मकान नं0 4987, पंचकूला	–सम–	–सम–
9	गीता शर्मा पुत्री नरदेव शास्त्री, 707 मेरठ रोड, करनाल	–सम–	सेवा में नही है
10	जय करण पुत्र किशन चन्द, जिला	–सम–	–सम–

	रोहतक		
	कनिष्ठ अभियन्ता		
11	यश पाल पुत्र बी0 डी0 बत्रा, मकान नं0 2616 ए, सैक्टर 20 सी, चण्डीगढ	–सम–	–सम–
12	शीतल ठुकराल पुत्र गुरबख्श लाल, मकान नं0 1703/2, सैक्टर 45 बी, चण्डीगढ	–सम–	–सम–
13	प्रवीण बजाज पुत्र धर्म चन्द, 36 हाउसिंग बोर्ड कालोनी, भिवानी	–सम–	–सम–
14	हरी सिंह पुत्र हेत राम, गाव व डा0 डाबी कलां, जिला हिसार	–सम–	सेवा में है
15	जगत सिंह पुत्र हमीर सिंह, गाव व डा0 नेहला, जिला हिसार	–सम–	–सम–
16	रन सिंह पुत्र हेम राम, गाव व डा0 कुलेरी, जिला हिसार	–सम–	–सम–
17	राज पाल पुत्र हरि सिंह, गाव व डा0 दहोला, जिला जीन्द	–सम–	–सम–
18	जगदीश चन्द्र पुत्र मनी राम, गाव व	–सम–	–सम–

	डा0 शाहपुर, जिला हिसार		
19	राम सरुप पुत्र मुख राम, गाव व डा0 अगोंहा, जिला हिसार	–सम–	–सम–
20	जय सिंह पुत्र रावत राम, गाव व डा0 जौदकन जिला सिरसा	–सम–	–सम–
21	सुंदर सिंह पुत्र श्री राम स्वरुप, गाव व डा0 अन्नाकलां, तह0 व जिला सिरसा	–सम–	–सम–
22	जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री रघुबीर सिंह, गाव व डा0 बीबीपुर जाटान, जिला करनाल	–सम–	–सम–
23	पंकज भूषण पुत्र ज्ञान प्रकाश, 42 आदर्श नगर, भिवानी	–सम–	–सम–
24	होशियार सिंह पुत्र जय राम चन्द मकान नं0 1090/10, विनोद नगर, हिसार	–सम–	–सम–
25	राम फल पुत्र चतुर सिंह गाव व डा0 लोन, नरवाना, जिला जीन्द	–सम–	–सम–
26	भूप सिह पुत्र दलेर राम, हरियाणा	–सम–	–सम–

	प्रदेश लोक दल आफिस, रोहतक		
27	महावरी प्रशाद पुत्र श्री मनोहर लाल, गाव व डा0 भटटू कलां, जिला हिसार	–सम–	–सम–
28	मनोहर लाल पुत्र श्री इन्द्र राज, नजदीक रेलवे स्टेशन, मण्डी आदमपुर, जिला हिसार	–सम–	–सम–
29	मेवा सिंह पुत्र श्री रणजीत सिंह, गाव व डा0 बाल समन्द, जिला हिसार	–सम–	–सम–
30	विजेन्द्र कुमार पुत्र श्री रिसाल सिंह, गाव व डा0 खरड अलीपुर, जिला हिसार	–सम–	–सम–
31	दवेन्द्र कुमार पुत्र हरी राम, कार्ट रोड, नरवाना, जिला जीन्द	–सम–	–सम–
32	शमशेर सिंह पुत्र टेक चन्द, गांव व डा0 नरवाना, जिला जीन्द	–सम–	–सम–
33	हवा सिंह पुत्र मोहन लाल, गांव व डा0 बेखडा कलां, तह0 फतेहाबाद	–सम–	–सम–
34	सुरेश पाल पुत्र छज्जु राम, न्यू कालोनी, नजदीक शिव मंदिर, शाहबाद	–सम–	–सम–

	कुरुक्षेत्र		
35	जगजीत सिंह पुत्र बनवारी लाल, गांव व डा0 किरडान तह0 फतेहाबाद	–सम–	–सम–
36	विनय कुमार पुत्र निहाल सिंह, गांव व डा0 नारनौंद तह0 हांसी	–सम–	–सम–
37	देवी लाल पुत्र माल सिंह, गांव व डा0 छहरवाल जिला सिरसा	–सम–	–सम–
38	हरदीप सिंह पुत्र पी0 एस0 मलिक, कोठी नं0 629, सैक्टर 6, पंचकूला	–सम–	–सम–
39	गुटी राम पुत्र बहादुर सिंह, गांव व डा0 खेडी सरेन जिला सिरसा	–सम–	–सम–
40	सुभाष चन्द्र पुत्र मुन्शी राम, कोठी नं0 629, सैक्टर 6, पंचकूला	–सम–	–सम–
41	जसमत सिंह पुत्र सुरजा राम, गांव व डा0 बावड कलां, भटटू जिला हिसार	–सम–	–सम–
42	गिरधारी लाल पुत्र राम प्रताप, गांव धीयोल, पालीय डा0 बसवाला खुर्द सिरसा	–सम–	–सम–

43	राम किशन पुत्र शिव नारायण, गांव व डा0 कुमथल, जिला सिरसा	–सम–	–सम–
44	भरत सिंह पुत्र श्री हनुमान, गांव व डा0 बावड कलां, भटटू, जिला हिसार	–सम–	–सम–
45	भूपिन्द्र सिंह पुत्र श्री बलबीर सिंह, गांव व डा0 बहबलपुर, जीन्द	–सम–	–सम–
46	श्याम प्रकाश पुत्र श्री मनफल सिंह, गांव व डा0 भटटू कलां, जिला हिसार	–सम–	–सम–
47	मांगे राम पुत्र शिव लाल, गांव व डा0 खावडा कलां	–सम–	–सम–
48	अनुरुध बिश्नोई पुत्र इन्द्र जीत, गांव व डा0 जंडवाला बिश्नोइयान, जिला सिरसा	–सम–	–सम–
49	पृथ्वी सिंह पुत्र देवी लाल, गांव व डा0 जंडवाला चौटाला, जिला सिरसा	–सम–	–सम–
	आशुलिपिक		
50	रोहताश पुत्र श्री बनवारी लाल गांव व डा0 खेरम पुर जिला हिसार	–सम–	–सम–

51	जगदीश चन्द्र पुत्र श्री आत्मा राम गांव व डा0 खेरम पुर जिला हिसार	–सम–	–सम–
52	सज्जन कुमार पुत्र श्री मनफूल सिंह, गांव व डा0 किरमारा, जिला हिसार	–सम–	सेवा में नही है
53	सुगन कुमार पुत्र बस्ती राम, गांव व डा0 नंगथला, जिला हिसार	–सम–	–सम–
	लिपिक		
54	ललित कुमार पुत्र खरैती लाल, मकान नं0 106, वार्ड नं0 21, सामने भरतगढ, रोहतक	सीधी भर्ती द्वारा	सेवा में नही है
55	रमेश कमार पुत्र दूनी चन्द, मार्फत हैप्पी स्कूल, सिविल रोड, रोहतक	–सम–	–सम–
56	इन्दू वाला पुत्र मुलख राज, मकान नं0 1215,बी–2, रोहतक	–सम–	–सम–
57	प्रेम प्रकाश पुत्र श्री सागर मल, मकान नं0 376–ए, पारस मौहल्ला, रोहतक	–सम–	–सम–
58	मनोहर लाल पुत्र श्री धर्म चन्द मार्फत कृपा राम, देव राज, साडी क्लोथ	–सम–	–सम–

	मार्किट, रोहतक		
59	रमेश चन्द पुत्र श्री मंगत राम मकान नं0 698/10, बाबरा मौहल्ला, रोहतक	–सम–	–सम–
60	राम सिंह पुत्र सुरज भान गावं धानी केन्डू, डा0 खेकपुरा, जिला हिसार	–सम–	–सम–
61	राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री लाल सिंह मकान नं0 619/2 सन्त आनन्दपुर,, रोहतक	–सम–	–सम–
62	राम निवास पुत्र श्री दया नन्द गांव व डा0 हथवाला, तह0 जुलाना जिला जीन्द	–सम–	–सम–
63	रामदीया पुत्र श्री सुदन राम मकान नं0 671/3,गढी मौहल्ला, रोहतक	–सम–	–सम–
64	सुरेश राय पुत्र श्री गणपत राय सामने पी0 डबल्यू डी, स्टोर झज्जर रोड, रोहतक	–सम–	–सम–
65	रमेश कुमार पुत्र श्री पी0 एन0 गुप्ता मकान नं0 1095 ए, सैक्टर 23 बी, चण्डीगढ	–सम–	–सम–

66	आनन्द प्रकाश पुत्र श्री बृज मोहन मकान नं0 586, रुप कॉलोनी, सदर बाजार, करनाल	–सम–	–सम–
67	राम नाथ पुत्र बिन्दू राम मकान नं0 355/6, शाहबाद मारकंडा, करनाल	–सम–	–सम–
68	प्रदीप कुमार पुत्र श्री प्रकाश गांव व डा0 बालर्य, जिला रोहतक	–सम–	–सम–
69	कुष्ण देव पुत्र मांगे राम, विजय नगर, झज्जर, जिला रोहतक	सीधी भर्ती द्वारा	सेवा में नही है
70	सूनील कमार पुत्र श्री तिलक राज, मकान नं0 503, वार्ड नं 3, डेरी मोहल्ला, रोहतक	–सम–	–सम–
71	सुमन लता पुत्री प्रेम नाथ, मकान नं0 3201, सैक्टर 15 डी, चण्डीगढ	–सम–	–सम–
72	खुशी राम पुत्र उदमी राम, गांव चूली खुर्द, डा0 चूली बागडीयान, जिला हिसार	–सम–	सेवा में है
73	राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री मुन्शी राम, गावं	–सम–	–सम–

	व डा0 खाबडा कलां, जिला हिसार		
74	सतबीर सिंह पुत्र खेम चन्द, गावं आसा महाजन, डा0 भोडा होसनिक, जिला हिसार	–सम–	–सम–
75	भरत लाल पुत्र मनी राम, गांव व डा0 चीन्द्र, हिसार	–सम–	–सम–
76	विजय सिंह पुत्र शेरसिंह गांव व डा0 खाबडा कलां, हिसार	–सम–	–सम–
77	सुभाष चन्द्र पुत्र हरद्वारी लाल, गांव व डा0 बैन बनदोरी, हिसार	–सम–	–सम–
78	बलवान सिंह पुत्र जबर सिंह गांव व डा0 बैनिवाल, हिसार	–सम–	–सम–
79	रविन्द्र सिंह पुत्र देवी दयाल, गांव व डा0 चूली बागडीयान, जिला हिसार	–सम–	–सम–
80	ओम प्रकाश पुत्र जय, गांव व डा0 किरौडी, हिसार	–सम–	–सम–
81	देवी लाल पुत्र सुल्तान सिंह, गांव व डा0 सेनीवती, हिसार	–सम–	–सम–

82	श्मशेर सिंह पुत्र ज्ञानी राम, गांव जेबरा, डा0 सरसौद, जिला हिसार	सीधी भर्ती द्वरा	सेवा में नही है
83	महिन्द्र सिंह पुत्र गोपाला, गांव व डा0 थुएन, जिला हिसार	–सम–	सेवा में है
84	बिन्दु राम पुत्र अमर सिंह, गांव मीरपूर, डा0 जफरोहा, जिला हिसार	–सम–	–सम–
85	सतबीर सिंह पुत्र राम सरुप, गांव व डा0 चूलीकलां, जिला हिसार	–सम–	–सम–
86	जगदीश लाल पुत्र सुरजा राम, गांव भौंडिया बिश्नोईयान, डा0 डांड, जिला हिसार	–सम–	–सम–
87	घर्म पाल पुत्र दीलू राम, गांव व डा0 कुमहारिया, जिला हिसार	–सम–	–सम–
88	हनुमान सिंह पुत्र जजारी चन्द, गांव व डा0 शामसुख, जिला हिसार	–सम–	–सम–
89	सतबीर सिंह पुत्र श्योचन्द, गावं आसा महाजन, डा0 भोडा होसनिक, जिला हिसार	–सम–	–सम–

90	महाबीर सिंह पुत्र जगदीश चन्द्र गांव व डा0 शामसुख, जिला हिसार	–सम–	–सम–
91	दयानन्द पुत्र लोचन चन्द, गांव व डा0 सिवााानी, जिला हिसार	–सम–	–सम–
92	भाग मल पुत्र राम कुमार, गांव किरन वाली, पो0 मुखपुररानी, सिरसा	–सम–	–सम–
93	देवी लाल पुत्र कस्तूरी लाल, गांव व डा0 खेडा खेडी, जिला हिसार	–सम–	–सम–
94	सतपाल पुत्र इन्द्रजीत सिंह, गांव व डा0 सरसौंद, जिला हिसार	–सम–	–सम–
95	सुभाष चन्द्र पुत्र बदन सिंह, गांव व पो0 नहला, हिसार	–सम–	–सम–
96	राम कुमार पुत्र करतार सिंह, गांव व पो0 नहला, हिसार	–सम–	–सम–
97	राजबीर सिह पुत्र शिव लाल, गांव व पो0 नहला, हिसार	–सम–	–सम–
98	राजिन्द्र सिंह पुत्र बद्री प्रसाद, गांव शेखपुर दरोली, हिसार	–सम–	–सम–

99	राज पाल पुत्र बुज लाल, गांव व पो0 खेडा खेडी, हिसार	–सम–	–सम–
100	राम चन्द्र पुत्र बग्गा राम, गांव व पो0 कुलेरी, हिसार	–सम–	–सम–
101	मोहिन्द्र सिंह पुत्र बनवारी लाल, गांव व पो0 कुलेरी, हिसार	–सम–	–सम–
102	शमशेर सिंह पुत्र बलवान सिंह, गांव व पो0 धिराय, हिसार	–सम–	–सम–
103	सुशील कुमार पुत्र तारा चन्द, गांव व पो0 नंगथला, हिसार	–सम–	–सम–
104	बलदेव सिंह पुत्र दलीप सिंह, गांव व पो0 नंगथला, हिसार	–सम–	–सम–
105	चरणजीत सिंह पुत्र प्रताप सिंह, गांव व पो0 मेवोवाला, हिसार	–सम–	–सम–
106	बलवान सिंह पुत्र फूल सिंह, गांव व पो0 भटटू कलां, हिसार	–सम–	सेवा मे नही है
107	जीत राम पुत्र लाल चन्द्र, गांव व पो0	–सम–	सेवा

	कुम्हारियन, हिसार		में है
108	पप्पु राम पुत्र राम साहिब, गांव व पो0 ढाणी खासा, हिसार	सीधी भर्ती द्वारा	सेवा में है
109	किशन कुमार पुत्र मंगत राम, गांव व पो0 किरधान, हिसार	–सम–	–सम–
110	कृष्ण कुमार पुत्र मनी राम, गांव व पो0 ढाणी खास, हिसार	–सम–	–सम–
111	सत्य पाल पुत्र इन्द्र सिंह, गांव व पो0 भौदा होसनक, हिसार	–सम–	सेवा में नही है
112	वेद प्रकाश पुत्र अमर चन्द, गांव व पो0 किरमारा, हिसार	–सम–	सेवा में है
113	फतेह सिंह पुत्र चेलू राम, गांव व पो0 चुली खुर्द, हिसार	–सम–	–सम–
114	कश्मीरी सिंह पुत्र भीम सिंह, मकान नं0 91, सैक्टर 2, चण्डीगढ	–सम–	–सम–
115	शशी बाला पत्नी रामजी लाल, गांव हल्दरी, अम्बाला	–सम–	–सम–

116	सजन सिंह पुत्र जोरा राम, गांव व पो0 नहला, हिसार	–सम–	–सम–
117	देवी लाल पुत्र लघु राम, गांव व पो0 चुली बागडियां, हिसार	–सम–	–सम–
118	शमशेर सिंह पुत्र बलबीर, गांव व पो0 सोवानी बोलान, हिसार	–सम–	–सम–
119	हरपाल सिंह पुत्र जीत सिंह, गांव व पो0 सोवानी बोलान, हिसार	–सम–	–सम–
120	सीता राम पुत्र शंकर लाल, गांव व पो0 शेखपुर दरौली, हिसार	–सम–	–सम–
121	सीरी चन्द पुत्र डांगन मल, गांव व पो0 सिंदौल, हिसार	–सम–	–सम–
122	शंकर पुत्र मेन पाल, गांव व पो0 दरोली, हिसार	–सम–	सेवा में है
123	शेर सिंह पुत्र हरदयाल, गांव व पो0 भटटू कलां, हिसार	–सम–	–सम–
124	महिन्द्र सिंह पुत्र खैया राम, गांव व पो0 भटटू कलां, हिसार	–सम–	सेवा में

			नही है
125	औम प्रकाश पुत्र अमी लाल, गांव व पो0 बनावाली, हिसार	–सम–	सेवा में है
126	औम प्रकाश पुत्र बनवारी लाल, गांव व पो0 ढाणी कलां, हिसार	–सम–	–सम–
127	जगदीश कुमार पुत्र खुबी राम, गांव व पो0 बनावाली, हिसार	–सम–	–सम–
128	सतबीर सिंह पुत्र चतर सिंह, गांव व पो0 सरसौंद, हिसार	–सम–	–सम–
129	राजेन्द्र सिंह पुत्र गुलाब सिंह, गांव व पो0 कनौह, हिसार	–सम–	–सम–
130	कृष्ण चन्द्र पुत्र जय सिंह, गांव व पो0 चूली बागडियान, हिसार	–सम–	–सम–
131	औम प्रकाश पुत्र बलबीर सिंह, गांव व पो0 भटटू कलां, हिसार	–सम–	–सम–
132	कृष्ण चन्द्र पुत्र सीरी राम, गांव व पो0 जगन, हिसार	–सम–	–सम–
133	बलवन्त सिंह पुत्र नेक राम, गांव व पो0	–सम–	–सम–

	भटटू कलां, हिसार		
134	भूप सिंह पुत्र सीरी चन्द्र, गांव व पो0 ढाबी कलां, हिसार	–सम–	–सम–
135	सुबे सिंह पुत्र दलीप सिंह, गांव व पो0 दुर्जन पुर, हिसार	–सम–	–सम–
136	जोगी राम पुत्र हरि राम, गांव व पो0 कनौह, हिसार	सीधी भर्ती द्वारा	सेवा में है
137	जगबीर पुत्र राम नारायण, गांव व पो0 चमारियान, रोहतक	–सम–	–सम–
138	सुभाष चन्द्र पुत्र बालू राम, गांव व पो0 खारा, हिसार	–सम–	–सम–
139	धर्मपाल पुत्र दिवान सिंह, गांव जेवरा व पो0 सरसौंद, हिसार	–सम–	–सम–
140	भागीरथ पुत्र सूरज भान, गांव व पो0 ढांढ, हिसार	–सम–	–सम–
141	साधू राम पुत्र केहर सिंह, गांव व पो0 करनावाली, हिसार	–सम–	–सम–
142	बजीर सिंहु पुत्र सुमेर चन्द, गांव व	–सम–	–सम–

	पो0 किरमारा, हिसार		
143	कृष्ण कुमार पुत्र श्योराम, गांव व पो0 भटटू कलां, हिसार	–सम–	–सम–
144	बालू राम पुत्र मनी राम, गांव व पो0 भटटू कलां, हिसार	–सम–	–सम–
145	हनुमान पुत्र रणजीत सिंह, गांव व पो0 मोठसरायं, हिसार	–सम–	–सम–
146	रघुबीर सिंह पुत्र इन्द्र सिंह, गांव व पो0 कनौह, हिसार	–सम–	–सम–
147	कर्मबीर सिंह पुत्र मनी राम, गांव व पो0 धूयां, हिसार	–सम–	–सम–
148	जय सिंह पुत्र छबील सिंह, गांव व पो0 अग्रोहा, हिसार	–सम–	–सम–
149	हरगयान सिंह पुत्र अमी लाल, गांव व पो0 खाबडा कलां, हिसार	–सम–	–सम–
150	रिसे सिंह पुत्र राम सिंह, गांव व पो0 भटटू कलां, हिसार	–सम–	–सम–
151	बलवान सिंह पुत्र गोपाल सिंह, गांव व	–सम–	–सम–

	पो0 काली रावण, हिसार		
152	राम किशन पुत्र मांडू राम, गांव व पो0 सारंगपुर, हिसार	–सम–	–सम–
153	मदन लाल पुत्र राम रुप, गांव व पो0 सारंगपुर, हिसार	–सम–	–सम–
154	उमेद सिंह पुत्र कृष्ण लाल, गांव चिकनवास हिसार	–सम–	–सम–
155	बलवन्त सिंह पुत्र सूरजा राम, गांव दुर्जन पुर पो0 काजलां , हिसार	–सम–	–सम–
156	चन्दगी राम पुत्र हरजी राम, गांव जगन पो0 असरावां, हिसार	–सम–	–सम–
157	रणजीत सिंह पुत्र मनफूल सिंह, गांव जगन पो0 चुली बागडियानं, हिसार	–सम–	–सम–
158	कृष्ण कुमार पुत्र चन्दगी राम गांव जगन पो0 चुली कुमारियां, हिसार	–सम–	–सम–
159	जगदीश कमार पुत्र कांसी राम, गांव जगन पो0 चुली किरमारां, हिसार	–सम–	–सम–
160	भूप सिंह पुत्र हरलाल, गांव जगन पो0	–सम–	–सम–

	चुली गिगोरानी, हिसार		
161	राम चन्द्र पुत्र सोवत राम, गांव जगन पो0 चुली नहला, हिसार	–सम–	–सम–
162	कृष्ण कुमार पुत्र रामेश्वर गांव जगन पो0 चुली शामसुख, हिसार	–सम–	–सम–
163	संत लाल पुत्र नन्द लाल, गांव जगन पो0 चुली अग्रोहा, हिसार	–सम–	–सम–
164	साहिब सिंह पुत्र मालू राम, गांव जगन पो0 चुली डाबी कलां, हिसार	–सम–	–सम–
165	अर्जुन सिंह पुत्र जागर मल, गांव जगन पो0 चुली डाबी कलां, हिसार	–सम–	–सम–
166	धर्मपाल पुत्र फूल सिंह, गांव खेरमपुर, हिसार	–सम–	–सम–
167	सूबे सिंह पुत्र राजा राम, गांव अग्रोहा, हिसार	–सम–	–सम–
168	हनुमान पुत्र अमी लाल, गांव जगन पो0 चुली खासा महाजन, हिसार	–सम–	–सम–
169	कर्णबीर सिंह पुत्र निहाल सिंह, गांव	–सम–	–सम–

	ठसका, हिसार		
170	राजेश कमार पुत्र कंवर सिंह, गांव ठसका, हिसार	–सम–	–सम–
171	गुलाब सिंह पुत्र रामजी लाल, गांव सुली खेडा, डा0 भट्टू कलां, हिसार	–सम–	–सम–
172	जय बीर सिंह पुत्र खरग सिंह, गांव व डा0 कनोह, हिसार	–सम–	–सम–
173	धर्मपाल पुत्र सदन सिंह, गांव व डा0 कनोह, हिसार	–सम–	–सम–
174	महेन्द्र सिंह पुत्र चान्दी राम, गांव व डा0 कनोह, हिसार	–सम–	–सम–
175	रोहताश कुमार पुत्र दूली चन्द, गांव डांगी सिलावाला, डा0 सिवानी, भिवानी	–सम–	–सम–
176	राम पाल पुत्र रुली राम, गांव व डा0 कोाहली, हिसार	–सम–	–सम–
177	छल्लु राम पुत्र अमी लाल, गांव फरान्सी, डा0 असरावां, हिसार	–सम–	–सम–
178	राजे राम पुत्र श्री राम, गांव व डा0	–सम–	–सम–

	किरमारा, हिसार		
179	महेन्द्र सिंह पुत्र हरी राम, गांव व डा0 भट्टू कलां, हिसार	–सम–	–सम–
180	राम कुमार पुत्र छबील दास, गांव फरान्सी, डा0 असरावां, हिसार	–सम–	–सम–
181	कृष्ण कुमार पुत्र पंताप सिंह, गांव व डा0 कुलेरी, हिसार	–सम–	–सम–
182	विजय सिंह पुत्र तेलू राम, गांव व डा0 बरकी, हिसार	–सम–	–सम–
183	कुलवन्त सिंह पुत्र जय सिंह, गांव व डा0 किरमारा, हिसार	–सम–	–सम–
184	जगदीश पुत्र बीरबल सिह, गांव व डा0 बडोपल, हिसार	–सम–	–सम–
185	जगदीश पुत्र सामसु राम, गांव व डा0 कलहेडी, हिसार	–सम–	–सम–
186	दयावीर सिंह पुत्र बलदेव सिंह, गांव व डा0 बोलान, हिसार	–सम–	–सम–
187	राज कुमार पुत्र मांगे राम, गांव व डा0	–सम–	–सम–

	बोलान, हिसार		
188	लाधु राम पुत्र खुशी राम, गांव सुली खेडा, डा0 भट्टू कलां, हिसार	–सम–	–सम–
189	सुनीता देवी पुत्र कलीन्द्र दास, गांव दरौली वाया आदमपुर	–सम–	–सम–
190	इन्द्र सिंह पुत्र याद राम, गांव व डा0 पटवा, हिसार	–सम–	–सम–
191	कृष्ण लाल पुत्र धनपत राय, गांव व डा0 मखोसरानी, सिरसा	–सम–	–सम–
192	जसवन्त सिंह पुत्र करन सिंह, गांव व डा0 बनावाली, हिसार	–सम–	सेवा मे नही है
193	परस पुत्र फकीर चन्द, गांव व डा0 सिवानी बोलान, हिसार	–सम–	–सम–
194	कुन्दन लाल पुत्र जगदीश चन्द्र, गांव ढाण्ड, हिसार	–सम–	–सम–
195	धर्मवीर सिंह पुत्र चान्दा राम, मकान नं0 285, वार्ड नं0 19, प्रेम नगर, रोहतक	–सम–	–सम–

	अनुरेखक		
196	नरेन्द्र कुमार पुत्र दल सिंह, गांव नेहला, हिसार	–सम–	–सम–
197	पुरन चन्द पुत्र लछमन दास, गांव सुचाव, हिसार	–सम–	–सम–
198	महेन्द्र सिंह पुत्र श्योराम, गांव व डा0 भट्टू कलां, हिसार	–सम–	–सम–
199	अरविन्द शर्मा पुत्र बृज मोहन मकान नं0 1062/20 बी, चण्डीगढ।	–सम–	–सम–
200	धर्मवीर सिंह पुत्र फतेह सिंह, गांव व डा0 किरमारा, हिसार	–सम–	–सम–
201	कृष्ण कुमार पुत्र मनी राम, गांव व डा0 शामसुख, हिसार	–सम–	–सम–
202	सन्ता सिंह पुत्र बनवारी लाल, गांव व डा0 चौधरीवास, हिसार	–सम–	–सम–
203	धर्मपाल सिंह पुत्र माम राज, गांव व डा0 जमाल, हिसार	–सम–	–सम–
204	सत्यपाल सिंह पुत्र चुननी लाल, गांव व	–सम–	–सम–

	डा0 भौडिया खेडा, हिसार		
205	राजेश कुमार पुत्र हरसरुप राम, राम राय गेट, वाल्मिकी बस्ती, वार्ड नं0 24/290, जीन्द।	–सम–	–सम–
206	वेद प्रकाश पुत्र सोलू राम, गांव व डा0 काली रावण, हिसार	–सम–	–सम–
207	सुरजभान पुत्र जोधा राम, गांव जेवरा पो0 सरसौद, हिसार	–सम–	–सम–
208	सुन्दर पाल पुत्र जोधा सिंह, गांव जेवरा पो0 सरसौद, हिसार	–सम–	–सम–
209	महावीर सिंह सोहाग पुत्र प्रताप सिंह, मकान नं0 5/204, गोविन्द नगर, सिरसा	–सम–	–सम–
210	दिलावर सिंह पुत्र नरेन्द्र सिंह, गांव व डा0 डाबडा, हांसी	–सम–	–सम–
211	राज सिंह पुत्र गंगा दयाल, गांव व डा0 खावडा कलां, हिसार	–सम–	–सम–
212	जगदीश चन्द्र पुत्र हरि सिंह, गांव व	–सम–	–सम–

	डा0 किरमारा, हिसार		
	सेवादार		
213	दीवान सिंह पुत्र मंगला राम, गांव व डा0 शामसुख, हिसार	–सम–	–सम–
214	कालू राम पुत्र गोपी राम, गांव व डा0 धुली संगरियान, हिसार	–सम–	–सम–
215	भगत सिंह पुत्र कालू राम, गांव व डा0 खावडा कलां, हिसार	–सम–	सेवा में नही है
216	महेन्द्र सिंह पुत्र चन्दा सिंह, गांव व डा0 अग्रोहा, हिसार	–सम–	सेवा में है
217	दिलबाग सिंह पुत्र सुरजा राम, गांव व डा0 कनोह, हिसार	–सम–	–सम–
218	गोविन्द राम पुत्र रिसाला राम, गांव व डा0 सरसौद, हिसार	–सम–	–सम–
219	सोहन लाल पुत्र पत राम, गांव व डा0 चिन्दर, हिसार	–सम–	–सम–
220	बलराम पुत्र सोहन लाल, गांव व डा0	–सम–	सेवा

	खावडा कलां, हिसार		में नही है
221	बलवीर सिंह पुत्र शादी राम, गांव व डा0 खावडा कलां, हिसार	–सम–	सेवा में है
222	दलीप सिंह पुत्र सुरजा राम, गांव व डा0 ढाणी ईसर हिजरवाल खुर्द, हिसार	–सम–	–सम–
223	रणधीन सिंह पुत्र सुरजीत सिंह, गांव व डा0 कनोह, हिसार	–सम–	–सम–
224	जयवीर सिंह पुत्र दया नन्द, गांव बागनवाला, भिवानी	–सम–	–सम–
225	लील राम पुत्र फूल सिंह, गांव व डा0 खैरमपुर, हिसार	–सम–	–सम–
226	लहरी सिंह पुत्र घिसी राम, गांव व डा0 चिन्दर, हिसार	–सम–	–सम–
227	कृष्ण कुमार पुत्र नेकी राम, गांव व डा0 जगन, हिसार	–सम–	–सम–
228	रामधारी सिंह पुत्र पोलू राम, गांव व डा0 डाबी कलां, हिसार	–सम–	–सम–

229	सुभाष चन्द्र पुत्र सरदार राम, गांव व डा0 मिख वाला, जीन्द	–सम–	–सम–
230	धर्म पाल पुत्र मोहन लाल, गांव व डा0 शेखपुर, हिसार	–सम–	–सम–
231	उत्तम पाल पुत्र जय गोपाल, गांव व डा0 कनोह, हिसार	–सम–	–सम–
232	निहाल सिंह पुत्र ज्ञानी राम, लोहार सिवानी बोलान, हिसार	–सम–	–सम–
233	सुभाष चन्द पुत्र बनवारी लाल, गांव व डा0 कुलेरी, हिसार	–सम–	–सम–
234	बलवान सिंह पुत्र मेहर चन्द, गांव व डा0 खसूरा महाजन, हिसार	–सम–	–सम–
235	बलवन्त सिंह पुत्र औम प्रकाश, गांव व डा0 कुम्हारिया आग्रोहा, हिसार	–सम–	–सम–
236	हरी सिंह पुत्र माला राम, गांव व डा0 मोठसरां, हिसार	–सम–	सेवा मे नही है
237	वागरावत पुत्र त्रिलोक चन्द, गांव व	–सम–	–सम–

	डा0 कुमकेरिया वाया आग्रोहा, हिसार		
238	सुरेन्द्र कुमार पुत्र भरत सिंह, मकान नं0 5, इंदिरा कालोनी, रोहतक	–सम–	–सम–
239	राम कुमार पुत्र भले राम, मकान नं0 139/8ए, सैक्टर 20 बी, चण्डीगढ	–सम–	–सम–
240	वीजेन्द्र कुमार पुत्र मलहा राम, गांव बोंड कला जिला भिवानी	–सम–	–सम–
241	हरमिन्द्र कुमार पुत्र तेजपाल, मकान नें0 1205, सैक्टर 18, चण्डीगढ	–सम–	–सम–
	पटवारी		
242	सन्तोष कुमार पुत्र पन्ना लाल, म0 न0 134, वार्ड न 1, चरखी दादरी, भिवानी	–सम–	सेवा में है
243	बलवन्त सिंह मकान नं0 40, लाभ सिंह कालोनी, करनाल	–सम–	–सम–
244	उदे सिंह गांव व डा0 नांगल, तह0 हथीन, जिला फरीदाबाद	–सम–	–सम–

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, इन्होने कुछ लोगो को डेली वेजिज पर डायरैक्ट अप्वायंटमैंट की है। इनको ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंज के थ्रू भरने में क्या दिक्कत थीं? क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इन पोस्ट्स को ऐम्पलायमैंट से लोग भरने के लिए सरकार विचार करेगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जब इन लोगो को लगाया गया था उस समय इनकी फौरी तौर पर जरुरत थी। लेकिन अब सरकार ने (हुडज्ञ अथार्टीज) ने पहले ही ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंज को इस बारे में लिखकर दे दिया है। ज्यां ज्यों उधर से नाम आते जाएंगे इन पोस्टो को फिल अप कर लिया जाएगा।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय बताने का कश्ट करेंगे कि हुडडा के अन्दर जो मजदूर तबका या दूसरे वर्कर्ज है उनके उपर कोई इंडस्टरीयल ला भी लागू होता है? हमें पता चला है कि उन्होने इंडस्ट्रीयल ला के तहत स्टे ली रखी हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह रैलेवेंट सवाल नही है। आनरेबल मैम्बर यह तो बताएं कि किस बात की स्टे ले रखी है।

श्री अध्यक्षः यह रैलेवैंट सवाल नही है। इसके लिए सैपरेट नोटिस देना चाहिए।

Installation of Statue of Dr. B. R. Ambedkar at Sohna

***345 Ch. Shiv Lal:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether any decision was taken by the previous Government to install the statue of Late. Sh. B. R. Ambedkar at Sohna on National Highway.

(b) if so, the reasons for its non-installation so far; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government toinstall the said statur there?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क) स्वर्गीय डा0 बी आर अम्बेडकर की प्रतिमा सोहना में राश्ट्रीय राजमार्ग पर स्थापित किए जाने बारे पिछली सरकार कोई निर्णय नही लिया गया।

(ख) डा0 अम्बेडकर की प्रतिमा पहले ही डा0 भीमराव अम्बेडकर मि ान सोसायटी लि0 (रजि0) सोहना क्षेत्र द्वारा सोहना में राश्ट्रीय राजमार्ग पर स्थपित की जा चुकी है।

(ग) डा0 अम्बेडकर की प्रतिमा पहले ही सोहना में राश्ट्रीय राजमार्ग पर स्थपित की जा चुकी है।

चौधरी ि ाव लाल: स्पीकर साहब, मै इसके लिए सरकार का धन्यवाद करता हूं।

तारांकित प्र न संख्या 255

यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि माननीय सदस्य श्री जगपाल सिंह चौधरी, इस समय सदन में उपस्थित नही थे।

Providing of Pre-Fabricated Houses in the state

***279. Shri Maha Singh:** Will the Minister of State for Housing be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide pre-fabricated houses in the State; and

(b) if so,the time by which the proposal is likely to materialize?

आवा राज्य मंत्री (श्री सुभाश कटियाल):

(क) जी हां।

(ख) इस पद्वति के भिन्न भिन्न पहलुओं पर विचार करने के प चात् ही निर्णय लिया जाएगा।

श्री महा सिंह: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि प्रिफैवरीकेटिड हाउसिंग का स्टेट में कब तक निर्माण हो जाएगा, इसके लिए कितना समय और लगेगा जबकि पहले ही इस कार्य में काफी देर लग चुकी है। यह

महत्वपूर्ण योजना है और हमारे मुख्य मंत्री महोदय जी ने पीछे इसके लिए आर्डर भी किए थे। क्या मंत्री जी बताएंगे कि इस योजना को कार्यान्वित करने के लिए सरकार और कितना समय लेगी?

श्री सुभाश चन्द कटियालः यह योजना वाकई बडी महत्वपूर्ण है। इसलिए इस पर विचार करने पर कुछ टाइम तो लगेगा ही। ऐसी योजनाओ के लिए जल्द बाजी वांछित नही है। इसके भिन्न भिन्न पहलुओं पर विचार करना अति आव यक है।

श्री मंगल सेनः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने बतायाकि इस योजना के भिन्न भिन्न पहलुओं पर विचार करना होगा क्योंकि यह बडी ही महत्वपूर्ण है। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या हाउस में महत्वहीन मामले भी आते हैं? वे यह भी बताएं कि वे कौन कौन से भिन्न भिन्न पहलु है जिन पर सरकार को विचार करना होगा?

श्री सुभाश चन्द कटियालः अध्यक्ष महोदय, भिन्न भिन्न पहलुओ से मेरा मतलब इन से होने वाले लाभ व हानियों से था। इसमें सब से बडी लाभ की बात यह है कि जो मकान चाहने वाले है उनकी तादाद ज्यादा है, मांग ज्यादा है और इससे निर्माण करने में तेजी आती है लेकिन इसके साथ साथ इसकी हानियां भी है जैसे जो निपुण मजदूरी है, उनके काम के अवसरोका अभाव हो जाता है। इसकी असैम्बली के लिए निपुण श्रमिको और वि ोश

औजारो की आव यकत होती है। इस तकनीक को अगर ग्रामीण क्षेत्रों में लिमिटेड स्केल एवं भिन्न भिन्न नमूनो में अपनाया जाए तो यह तकनीक महंगी साबित होगी। कुछ संस्थाएं पूर्व संरचित मकान की तकनीक पर कार्य कर रही है। इसलिए इन सब बातों को ध्यान में रख कर ही कार्यवाही की जानी है।

श्री महा सिंहः स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगे कि यह प्रिफैबरीकेटिड हाउसिज की क्या परिभाशा है? इसका क्या मतलब है?

श्री सुभाश चन्द कटियालः पूर्व संरचित मकान।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय मंत्री महोदय ने यह बताया कि राज्य में सरकार की ओर से प्रिफैबरीकेटिड हाउसिज बनाने की योजना विचाराधीन है। मैं उनसे यह जानना चाहता हूं कि अन्य राज्यों में इस तरह की जो योजनाएं अपनाई गई है क्या उस का अध्यन्न भी राज्य सरकार ने किया है, अगर किया तो उस अध्ययन की क्या रिपोर्ट है?

श्री सुभाश चन्द कटियालः हरियाणा आवास बोर्ड ने लिमिटेड स्केल पर, थोडे थोडे स्तर पर इसको अपनाया है जैसे छत के स्लैब, दरवाजो खिडकियां, चोखटों और दीवारो के निर्माण तक ही इस नीति को अडौप्ट किया गया है। इस तरह की आरंभिक पूर्व संरचित तकनीक फिलहाल गुडगांव और अम्बाला में बन रहे मकानो में अपनाई गई है। बाकी हरियाणा में अभी यह

नही अपनाई गई है। पूर्ण रुप से इसे सारे दे ा में अपनाना सम्भव भी नही है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि प्रिफैबरीकेटिड हाउसिज स्कीम के अन्तर्गत किस किस स्तर पर कितना खर्चा आएगा?

श्री सुभाश चन्द कटियालः स्पीकर साहब, इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

श्री रधु यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि प्रिफैबरीकेटिड हाउसिज से क्या लाभ होगा और खर्चे में कितनी कमी आएगी?

श्री सुभाश चन्द कटियालः स्पीकर साहब, इससे जो लाभ होगा वह मैने बता दिया है।

Number of Harijan and Backward Classes Employees in Haryana Police

***399. Shri Jai Narain Khundia:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the number of Constables, Head constables, assistant sub inspector and inspectors in the state, at present;

(b) the number of persons out of those referred to in part (a) above belonging to Harijans and Backward Classes, separately; and

(c) whether the number of persons, out of those as referred to in part (a) above is according to the reservation prescribed for the Harijans and Backward Classes; if not, the time by which the shortfall is likely to be completed?

गृह मंत्री (प्रो.0 सम्पत सिंह): वांछित सूचना निम्न प्रकार है:—

	सिपाही	**प्रधान सिपाही**	**सहायक उप निरीक्षक**	**निरीक्षक**
(अ)	13859	3039	1075	142
(ब) हरिजन	2427	418	97	13
पिछडे वर्ग	1539	273	106	8

(स) **हरिजनः** हरिजन जाति से संबंधित सदस्यों की 345 सिपाही, 190 प्रधान सिपाही, 118 सहायक उप निरीक्षक तथा 15 निरीक्षको की कमी है। सिपाहियों की कमी को भविश्य में की जाने वाली भर्तियों के समय पूरा कर लिया जाएगा।

उच्च न्यायालय के निर्णय अनुसार बी—1 सूचि (जो कि सिपाही के पद से प्रधान सिपाही की उन्नति का मूलाधार है) प्रस्तुत करनेमें कोई आरक्षण नही दिया जाता। अतः प्रधान सिपाही तथा उससे उपर के पदों में वर्तमान हिदायतो के अनुसार आरक्षण की कमी पूरी नही की जा सकती।

पिछडे वर्ग: सिपाही तथा सहायक, उप निरीक्षक के पदो ंके अन्तर्गत पिछडे वर्ग के सदस्यों की संख्या आरक्षण कोटे के अनुसार है और प्रधान सिपाही तथा निरीक्षको के पदों में 31 व 6 की कमी है, जिस कमी को उपरोक्त कथित कारण से पूरा नही किया जा सकता।

श्री रणजीत सिंह: स्पीकर साहब, मै मंत्री जी जानना चाहता हूं कि ि ाडयूल्ड कास्टस और बैकवर्ड क्लासिज के लिए रिजर्वे ान है क्या उसी तरह से इकनौमिकल वीकर सैक ान के लिए रिजर्वे ान है यदि नही तो क्या सरकार इस बारे में कोई विचार कर रही है?

प्रा0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, इकनौमिकल वीकर सैक ानज के लिए रिजर्वे ान नही है और न ही इस बारे में कोई विचार किया जा रहा है।

श्री जय नारायण खुंडिया: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया है कि रिजर्वे ान के हिसाब से हरिजन जाति से संबंधित 345 सिपाही, 190 प्रधान सिपाही, 118 सहायक उप निरीक्षक तथा 15 निरीक्षको की कमी है। मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं ि कइस बैकलॉग को कब तक पूरा कर दिया जाएगा?

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, जहां सिपाहियां की भर्ती का सवाल है वह डायरैक्ट होती है। जिस समय सिपाहियों की भर्ती की जाती है उस समय ि ाडयूल्ड कास्टस और बैकवर्ड

क्लासिज के कैंडीडैटस को कुछ कनसै ान भी दी जाती है। भर्ती करते समय इन क्लाजि के लिए ऐजुके ान के मामले में इतनी ज्यादा गौर नही की जाती। इन जातियों के कैंडिडेटस की ऐजूके ान चाहे कम भी क्यों न हो फिर भी भर्ती कर लिए जाते है। आम जाति के लिए सिपाही की भर्ती के लिए मैट्रिक क्वालिफिके ान रखी हुई है। लेकिन ि ाडयूल्ड कास्टस और बैकवर्ड क्लासिज के लिए कम ऐजूके ान भी कंसिडर कर ली जाती है। इसके अलावा छाती में भी इन जातियों के लिए एक इंच की छूट है और हाइट में भी एक इंच की छूट है। माननीय सदस्य ने जो बैकलॉग के बारे में पूछा है यह बहुत पहले से चला आ रहा है। लेकिन सारे सदन को इस बात की खु ाी होगी कि जब से हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जी ने मुख्य मंत्री का पद सम्भाला है उसके बाद जो भर्ती हुई है उनमें कोई बैकलॉग नही है। जैसे ि ाडयूल्ड कास्टस की 20 परसैंट रिजर्वे ान है लेकिन हमने 25.12 परसैंट तक ि ाडयूल्ड कास्ट केंडिडेट के लिए है। इसी तरह से बैकवर्ड क्लास के लिए है। उम्मीद की जाती है कि यह जो बैकलाग है इसको जल्दी ही पूरा कर लिया जाएगा।

श्री रत्न लाल कटारियाः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो ि ाडयूल्ड कास्टस के कोटे के पुलिस विभाग में पद खाली पडे है क्या उन पदो के लिए मंत्री जी को सुटेबल ि ाडयूल्ड कास्टस कैंडिडेटस् नही मिले, या कुछ

अन्य कारण है जिनकी वजह ` इन पदो को आज तक नही भरा गया?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह बैकलॉग जिस समय चौधरी तैयब हुसैन जी होम मिनिस्टर हुआ करते थे उस समय से है। मै सदन को यह आ वासन देता हं कि जब भी भर्ती की जाएगी आज की सरकार बकायदा इस बैकलोग को पूरा करती रहेगी।

श्री रतन लाल कटारियाः मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि यह जो बैकलोग है इसे कब तक पूरा कर दिया जाएगा?

प्रो सम्पत सिंहः अब ज्यों ज्यों नए पद बनतेरहेंगे त्यो त्यों हम इन बैकलाग को पूरा करते रहेंगे।

श्री परमा नन्दः अभी मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि पिछडे वर्ग के कोटे के हिसाब से हैड कांस्टेबल के 31 पदो की कमी है और इस कमी का कारण इन्होने बी–1 का टैट पास न करना बताया है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इस कमी को किसी तरह से पूरा करने के लिए सरकार की तरफ से कोई कदम उठाए गए है या नही?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, कांस्टेबल से हैड कांस्टेबल की परमो ान के लिए बी–1 का टेस्ट पास करना जरुरी है। और वह टैस्ट ओपन होता है। इसी वहहसे सरकार इन लोगो

की परमो ान नही कर पा रही है। मै इन्हे यह भी बताना चाहूंगा कि कोई कांस्टेबल हाईकोर्टमें चला गया था कि वह परमो ान नही है बल्कि टैस्ट है, इसलिए इसमें रिजर्वे ान नही होनी चाहिए। हाई कोर्ट ने आदे ा दिए कि इसमें रिजर्वे ान नही होगी। इसके बाद सरकार सुप्रीम कोर्ट में गई। सुप्रीम कोर्ट ने भी यही आदे ा एि कि यह टैस्ट है इसलिए इसमें टैस्ट पास करने के बाद ही परमो ान मिलेगी। इसी वजह से यह कमी अभी तक बनी हुई है।

श्री भाग मलः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि उच्च न्यायालय का इस बारे में फैसला क्या है और दूसरे क्या उच्च न्यायालय के आदे ा को हमारी पडोसी स्टैट पंजाब और हिमाचल प्रदे ा की सरकारे ंभी लागू कर रही है?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, कई बार तो कोर्ट संबंधित व्यक्ति तक ही आदे ा देती है और कई बार हरेक केस मे उसी तरह करने के आदे ा देती है। इस केस में कोर्ट ने हरेक केस के लिए यही डायरेक ान दी है कि यह प्रमो ान टैस्ट पास करने के बाद ही दी जाए इसलिए हम इसमें कुछ नही कर सकते। दूसरी स्टेटस का आदे ाों को मान रही है या नही, इसकी मुझे जानकारी नही है।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): अध्यक्ष महोदय, सुप्रीम कोर्ट का फैसला तो सारे दे ा पर ही लागू होता है।

श्री उदय भानः ए एस आई और एस आई की भर्ती का क्या काईटेरिया है?

प्रो0 सम्पत सिंहः ए एस आई की 75 प्रति ात भर्ती बाई प्रमो ान और 25 प्रति ात डायरेक्ट की जाती है और एस आई की 90 प्रति ात भर्ती बाई प्रमो ान और 10 प्रति ात भर्ती डायरेक्ट होती है।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि पदोन्नति के लिए जो परीक्षाएं होती है उनमें बैकवर्ड क्लासिज और ि ाडयूल्ड कास्ट के कैंडिडैटस क्या इसलिए पास नही हो पाते क्योंकि विभागीय परीक्षा लेने वाले स्वर्ण जाति के कुछ लोग उनके प्रति पूर्वाग्रहो से ग्रस्त होते है? क्या मंत्री जी इस बारे में कुछ बताने का कश्ट करेंगे?

प्रो0 सम्पत सिंहः इस सरकार में ऐसा कुछ नही होता। यह सभी जातियों की सरकार है।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी की जानकारी मे लाना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने यदि 100 लडकें होते थे और उन 100 लडको में हरिजनो का कोटा 20 प्रति ात होता था तो पहले 80 लडके स्वर्ण जाति से लेकर बाद में 81वां नम्बर कोटे

का रखते थे यानि कि पहले 80 लडके स्वर्ण जाति से और बाद के 20 लडके ि ाड्यूल्ड कास्ट से भर्ती किए जाते थे चाहे ि ाड्यूल्ड कास्ट का लडका एम0 ऐ0 क्यों न हो, चाहे ओपन लिस्ट में क्यों न आता हो, उसे सिर्फ रिजव्रे ान कोटे में ही रख कर लगाया जाता था। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या अभी भी इसी तरह से लिस्ट बनाई जाती है?

प्रो0 सम्पत सिंहः इस तरह से लिस्ट नही बनाई जाती।

श्री परमा नन्दः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि ि ाडयूल्ड कास्ट और बैकवर्ड क्लासिज की रिजर्वे ान पालिसी लागू करने के लिए क्या विभागो ने रोस्टर बनाए हुए है? अगर बनाए हुए है तो क्या उसी हिसाब से उनकी जगह और उनकी सीट उन्हे मिल जाती है या नही?

प्रो0 सम्पत सिंहः इसके लिए सैपरेट नोटिस की आव यकता है।

Grant of fodder under Drought Relief Programme

***338. Shri Tek Chand:** Will the Minister for revenue pleased to state-

(a) the district wise amount of grant given for fodder under the drought relief programme during the period from December] 1987 to date (29-2-1988); and

(b) whether any complaint has been received by the Government regarding improper distribution of the said grant; if so, the action taken thereon?

राजस्व मंत्री (श्री सुरजभान):

(क) दिनांक 29–2–88 तक अलौट की गई सबसिडी का जिला–वार विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

(ख) जिला भिवानी में चारे के अनुचित वितरण बारे कुछ ि ाकायतें प्राप्त हुई थी जो कि जांच उपरान्त सच्ची नही पाई गई। लेकिन, तो ाम में सबसिडी के कुछ जाली क्लेम पकडे गए और 20 एफ आई आर दर्ज की गई जो जांच के अधीन है।

विवरण

दिनांक 29–2–88 तक अलौट की गई सबसिडी का जिला–वार विवरण

क्रमांक	जिला	चारा सबसिडी व वाहन खर्चे के लिए अलाटमैंट (रु लाखों मे)	मुफ्त चारा बांटने के लिए अलाटमैंट
1	अम्बाला	5.0	..
2	भिवानी	190.00	6.00
3	फरीदाबाद	2.00	..

4	गुडगांव	20.00	2.00
5	जीन्द	12.50	2.00
6	हिसार	55.00	2.00
7	कुरुक्षेत्र	2.50	..
8	महेन्द्रगढ	90.00	2.00
9	रोहतक	5.00	..
10	सिरसा	3.00	5.00
11	सोनीपत	3.00	..
12	करनाल	..	..
	जोड	**388.00**	**19.00**

श्री टेक चन्दः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि कुछ िकायतें प्राप्त हुई है जो जांच उपरान्त सच्ची नही पाई गई। मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि किस केडर के अफसर ने जांच की थी और क्या विजिलैंस ने इंक्वायरी की थी या किसी आफिसर ने की थी?

श्री सुरजभानः तहसील दार ने जांच की थी और डी सी ने उसे कन्फर्म किया है।

श्री टेक चन्दः जिन अफसरो ने चारे पर सबसिडी और अन्य रियायतें दी है, उन्ही अफसरो और कर्मचारियों ने इन्वैस्टीगे ान की है। इसलिए सही जांच होने की संभावना नही है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहताहूं कि ये ि ाकायतें किन किन लोगों ने की थी और कब ि ाकायतें मिली थी, किस एजैन्सी को इनवेस्टीगे ान के लिए लिखा गया?

श्री सूरज भानः ि ाकायतें दो तरह की थी। तीन गावों से ि ाकायत आई थी कि तुडी कम तोली गई। इनवेस्टीगे ान के लिए जब वहां पर तहसीलदार गया तो वहां के लोगो ने बताया कि पार्टीबाजी की वजह से ि ाकायत की गई है, जब कोई ि ाकायत नही है। दूसरी ि ाकायत यह थी कि कुछ लोगो ने बोगस क्लेम किया है। इन्होने तुडी खरीदी नही और सबसिडी का क्लेम किया है ंउनके अगैन्सट एफ आई आर दर्ज है और इनैवेस्टीगे ान हो रही है।

चौधरी तैयब हुसैनः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने टेबल आफ दि हाउस पर जो स्टेटमैंट रखी है उसके बारे में मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि फरवरी के अन्ततक कितनी सबसिडी खर्च हो चुकी है?

श्री सूरज भानः चार करोड बीस लाख रुपया सैन्टर की तरफ से मिला था, वह खर्च हो चुका है और चालीस लाख फालतू खर्च कर चुके है।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया कि 388 लाख रुपया ट्रांसपोर्टे ान और चारे की सबसिडी के लिए दिया और 19 लाख रुपए का मुफ्त चारा सुखा पीडितो के लिए सहायता के लिए दिया गया। ये आंकडे बडे सराहनीय है लेकिन जिन सुखा पीडित लोगो को आर्थिक सहायता दी गई है, क्या यह सहायता और राहत उन तक पहुंची है? इस बारे में जांच कराने का क्या तरीका है? जिस चारे की सबसिडी खुद तहसीलदार और डी सी की मार्फत बंटती है और यदि वही इस बाबत जांच करते है तो यह तो वही बात हुई कि दूध की रखवाली पर बिल्ली को बैठाया जाए।

श्री सूरज भानः मुझे अफसोस है कि इन्होने यह बात आफिसर्ज के बारे में कही कि ' दूध की रखवाली पर बिल्ली को बैठाया जाए'। ऐसा कहना ठीक नही। हमारे ज्यादातर आफिसर्ज रिस्पोंसिबल है और साथ ही साथ रिस्पोंसिव भी है। कोई ि ाकायत आती है तो उसकी इनवेस्टीगें ान करते है। इसलिए उनके बारे में यह कहना ठीक नही।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह है कि जिन सुखा पीडित लोगो को आर्थिक सहायता दी गई है, क्या यह

सहायता और राहत उन तक पहुंची है? इस बारे में जांच कराने का क्या तरीका है?

श्री सूरज भानः हमारे पास कोई ि ाकायत नही आयी। अगर कोई ि ाकायत आयी है तो हम देख लेंगे।

श्री कैला ा चन्द भार्माः क्या इस सबसिडी में से जो गाएं राजस्थान से आयी थी और जो हमारी गउ ाालाएं है उन्हे भी कुछ सहायता दी गई है और अगर दी गई है तो कितनी दी गई है?

श्री सूरज भानः वहां पर सहायता दी है। जो आवारा गाएं है या राजस्थान से गाएं आयी है या इधर उधर के प ाु होते है उन्हे भी मुफ्त चारा दिया गया है?

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, इस बार सुखा राहत के अन्तर्गत चारे का जो वितरण किया गया है वह बहुत ही अच्छे ढंग से किया गया है। इक्का दुक्का ि ाकायतो ंका होना स्वाभाविक है। लेकिन मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि नई फसल आते तक यह सबसिडी इसी प्रकार दी जाती रहेगी और इसे बंद करने की तो कोई योजना नही है?

श्री सूरज भानः इसे बंद करने की तो कोई योजना नही है। इस कार्य हेतु केन्द्र से 4 करोड 20 लाख रुपए की रा ि ा आई थी। इसके बावजूद हमने अपने खजाने से 40 लाख रुपए की

रा ि ा इस कार्य के लिए व्यय की है। इस योजना को बन्द करने का अभी कोई विचार नही है।

श्री सचदेव त्यागीः करनाल डिस्ट्रिक्ट में चारे पर कोई सबसिडी नही दी गई। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि करनाल जिला को इस सबसिडी से अलग क्यों रखा गया?

श्री सूरज भानः करनाल जिला मे चारे पर सबसिडी इसलिए नही दी गई क्योंकि वहां पर चारे की जरुरत नही थी।

चौधरी सतबीर सिंह कादयानः करनाल जिला में भी कुरुक्षेत्र जिले की तरह सुखा पडा है। करनाल में कई गऊ ाालाएं भी है, क्या उन गऊओं के लिए चारे का कोई प्रबन्ध किया गया है?

श्री सूरज भानः करनाल के डी सी ने चारे की सप्लाई के लिए कोई मांग नही की।

श्री जय नारायण खुण्डियाः रोहतक जिला के अन्दर सूखा राहत के अन्दर कितना पैसा दिया गया? अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि रोहतक के झज्जर एरिया और कलानौर एरिया के लिए कितनी सुखा राहत दी गई?

श्री सूरज भानः रोहतक जिले के लिए पांच लाख रुपए की रा ि ा रिवोल्विंग फण्ड के लिए दी गई और पांच लाख रुपए की रा ि ा सबसिडी के लिए दी गई।

श्री लछमण सिंह कम्बोजः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि करनाल डिस्ट्रिक्ट को चारा सबसिडी से अलग क्यों रखा गया? क्या सबसिडी में करनाल का हिस्सा नही आता। करनाल में भी चारा नही है और किसानों ने 125 रुपया या 150 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से वहां चारा खरीदा है। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि सबसिडी देने का क्या काइटेरिया है?

श्री सूरज भानः सबसिडी के लिए डी सी करनाल से रिपोर्ट मांगी गई थी। डी सी करनाल ने चारे पर सबसिडी के लिए कोई मांग नही की इसलिए करनाल में चारे पर सबसिडी नही दी गई।

श्री हजार चन्दः सिरसा डिस्ट्रिक्ट में कई गऊ ाालाएं है और आजकल सर्दी में गऊएं मैदान में धूप में बैठी रहती है। अब गर्मी का मौसम आ रहा है और धूप में गऊओं के बैठने के लिए कोई स्थान नही है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि गर्मियों में गऊओ ंके बैठने के लिए कोई भौड इन्यादि बनवाने का कोई विचार है?

श्री सूरज भानः इस बारे में सोचा जाएगा।

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सोनीपत में भी करनाल की तरह कोई सूखा राहत

नही दी गई। वहां पर ओलावृश्टी के लिए तो बहुत कुछ दिया गया है लेकिन सुखा राहत के लिए भी कुछ दिया जाएगा?

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, सोनीपत जिले के दो लाख रुपया रिवौलविंग फण्ड दिया गया और तीन लाख रुपया सबसिडी दी गई तथा 1811 क्विंटल चारा दिया गया।

सेठ लछमन दास बजाजः स्पीकर साहब, करनाल जिला और करनाल के देहातें के अन्दर काफी सूखा पडा है जिस वजह से पिछली फसल में काफी कमी हुई है। वहां देहात के अन्दर चारे की बहुत कमी है, वहां भी राहत दी जानी चाहिए।

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, अगर करनाल से मांग आएगी तो उस पर विचार कर लेंगे।

Allotment/Distribution of Palm Oil in the Stae

***311. Shri Mani Ram:** Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state the district wiase quantity of palm oil allotted in the State during the year 1987&88 upto 29-2-88 together with the manner in which it was distributed?

खाद्य एवं पूर्ति मंत्री (श्रीमती सुशमा स्वराज): वर्श 1987–88 में (दिनांक) 29–2–88 तक राज्य को 8900 मीट्रीक टन पाम आयल सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत उपभोक्ताओ को वितरण के लिए अलाट किया गया था। वर्श 1987–88 में

(दिनांक 29–2–88 तक) प्राप्त अलाटमैट का जिलावार वितरण का ब्यौरा अनुबन्ध 'ए' में दिया गया है

वर्श 1987–88 दिनांक 29–2–88 तक की जिलावार पाम आयल की आबंटन तथा इसकी लिफटिंग की विवरणी।

क्रम	जिला का ना	वर्श 1987–88 में पाम आयल की अलाटमैट	वर्श 1987–88 में पाम आयल की उठाई गई मात्रा
1	अम्बाला	890	660
2	भिवानी	600	450
3	फरीदाबाद	610	620
4	गुडगांव	800	850
5	जीन्द	770	350
6	हिसार	1080	650
7	कुरुक्षेत्र	370	280
8	नारनौल	840	440
9	रोहतक	790	550

10	सिरसा	620	490
11	सोनीपत	510	280
12	करनाल	590	1125
13	कैथल	430	330
	जोडः	**8900**	**7075**

श्री मनी रामः स्पीकर साहब, मंत्री महोदया ने 1987–88 का ब्यौरा दिया है कि पाम आयल कितना आया और कितना कितना हर जिले ने उठाया। मै यह जानना चाहता हूं कि क्या इसकी डिस्ट्रिब्यू ान ठीक हुई है या ब्लैक में बिका है?

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, पिछली सरकार के समय इसकी फेयर डिस्ट्रिब्यू ान नही होती थी। लेकिन हमने इस बार इसकी फेयर डिस्ट्रिब्यू ान के लिए कदम उठाए है और इसकी बकायदा फेयर डिस्ट्रिब्यू ान हो रही है।

श्री भाग मलः स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि अम्बाला जिले की ऐलोके ान 890 मीट्रीक टन थी और उठाया गया 660 मीट्री टन। इसी तरह से भिवानी में भी 150 मीट्रीक टन कम उठाया गया। करनाल में 590 के अगेंस्ट 1125 मीट्रिक टन उठाया गया। इसका क्या कारण है जहां ऐलोके ान

ज्यादा थी वहां कम उठाया गया और जहां ऐलोके ान कम थी वहां ज्यादा उठाया गया है?

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, करनाल में जो 590 के अगेंस्ट 1125 मीट्रिक टन उठाया गया है इसमें कई बार ऐसा होता है कि पिछले महीने का कोटा उठाया नही जाता। उसके लिए हम एक महीने का ऐक्स्टैं ान दे देते है। दूसरा कारण यह है कि कई बार स्टेट का कोटा लैप्स हो रहा होता है इस लिए उस कोटे को दूसरे डिस्ट्रिक्ट उठा लेते है। ये कारण है।

श्री मनी रामः स्पीकर साहब, पिछले पांच सालो में करीब 50 करोड रुपए का पाल आयल आया। इसकी डिस्ट्रीब्यू ान की गडबड में कनफैड का एक जी एम सस्पैंड किया गया था। क्या फूड एंस सप्लाइज विभाग के अधिकारियों के खिलाफ भी कोई ऐक ान लिया गया या नही।

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, मै सदन को बताना चाहती हूं कि जब सरकार के नोटिस में आया कि पाम आयल की बहुत ज्यादा ब्लैक हो रही है तो मुख्य मंत्री महोदय ने रेड कंडक्ट करवाएं। यह पहला मौका है कि 12–10–87 को केवल एक दिन में 46 भ्रश्ट अधिकारियों को सस्पैंड किया गया।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि कुल 7075 मीट्रीक टन पाम आयल उठाया गया। क्या उसमें से कुछ वापिस भी आया। दूसरा

सवाल यह है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के पाम आयल उपभोक्ता तक पहुंचें, उसके लिए आपने कौन सा कदम उठाया है?

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, पाम आयल वापिस आने का तो सवाल ही पैदा नही होता। बल्कि जो नही उठाता उस के लिए अगले महीने के लिए ऐक्सटैंड कर दिया जाता है। जहां तक पग उठाने की बात है, सबसे पहला पग हमने यह उठाया कि पहले यह आयल कनस्तरो में आता था और उसे हलवाईयों को सप्लाई कर दिया जाता था। अब हमने कनस्तरो की बजाय दो किलो और पांच किलो की स्माल पैंकिंग से मंगवाना भ्ाुरु कर दिया है। इसके वितरण के लिए डी सी की अध्यक्षता में हर जिले में एक कमेटी बनी हुई है। उस कमेटी में रजिस्ट्रार कोओप्रेटीव सोसाइटी, डी0 एम0 कनफैड, हमारे विभाग का डी एफ सी है। हर जिले में 15 दिन के बाद मीटिंग करने का निर्दे ा है कि पाम आयल की डिस्ट्रीब्यू ान पूरी निगरानी से करवाई जाए। इस समय इसकी डिस्ट्रीब्यू ान बिल्कुल ठीक हो रही है।

चौधरी तैयब हुसैनः स्पीकर साहब, मै आपकी मार्फत जानना चाहता हूं कि करनाल में ज्यादा पाम आयल इसलिए तो नही बंटा है क्योंकि वहा पर बाई–इलैक ान था? क्या यह बात सही है कि वहां पर ज्यादा पाम आयल इसलिए दिया गया है?

श्रीमती सुशमा स्वराजः इस तरह की प्रथा इनके दिनों मे रही होगी। हमारी सरकार में ऐसी कोई प्रथा नही है।

श्री कैला ा चन्द भार्मा: अध्यक्ष जी, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पाम आयल के वितरण के लिए मात्रा किस आधार पर तय की गयी है? क्या यह प्रति रा ान कार्ड के हिसाब से है या प्रति यूनिट के हिसाब से है या रा ान कार्ड में मैम्बरो की संख्या के आधार पर है? वि ोश कर ग्रामीण क्षेत्र के बारे में बताएं?

श्रीमती सुशमा स्वराज: अध्यक्ष महोदय, ग्रामीण क्षेत्र और भाहरी क्षेत्र में कोई अन्तर इस मामले में नही है। प्रत्येक रा ान कार्ड पर 5 किलोग्राम की मात्रा तय की गई है। कोई यूनिट के साथ सम्बंघ नही है। हर रा ान कार्ड होल्डर के लिए 5 किलो की मात्रा नि चत की हुई है।

श्री परमा नन्द: स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि डिस्ट्रिब्यू ान सिस्टम जो कन्फैड और फूड एंड सप्लाईज विभाग के जिम्मे है, इनका काम बंटने के कारण कई खराबियां आ गयी है उनको हटाने के लिए क्या आपने कोई कदम उठाये है जैसे हायर लैवल पर कोई कमेटी बनायी हो, अगर बनायी है तो कब बनायी है?

श्रीमती सुशमा स्वराज: अध्यक्ष महोदय, यह विभाग जो अब मेरे पास है, पहले भाई परमानन्द जी के पास हुआ करता था। इस तरह की डिफीकल्टीज को दूर करने के लिए जो कनफैड और

फूड एंड सप्लाईज विभाग के कामो मे आ रही है, भाई परमा नन्द जी के समय से ही एक कमेटी बनी हुई है।

श्री लछमन सिंह कम्बोजः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहात हूं कि एक मीट्रिक टन मे कितने मन होते है?

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, यह क्विंटल के हिसाब सें होता है। एक क्विंटल में अढाई मन होते है। आगे गुना तकीम माननीय सदस्य खुद कर लें।

श्री हीरा नन्द आर्यः जैसे उपभोक्ता के अधिकारो की रक्षा के लिए समितियं बनी हुई हैै, उसी तरह से 1986 में सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने उपभोक्ताओ के अधिकारो की रक्षा करने के लिए जिला लैवल पर और स्टेट लैवल पर कौंसिल बनाने का प्रावधान किया था ताकि वितरण प्रणाली को ठीक किया जा सके। स्टेट लैवल पर जो कौंसिल बनी थी उसमें डिस्ट्रीक्ट एंड सै ान जज होना था। क्या वह कौंसिल बना ली गयी है, अगर नही ो कब तक बना ली जाएंगी।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, वह कौंसिल नही, कमी ान है। बकायदा भारत सरकार के कन्जयूमर्ज़ प्रोटैक ान एक्ट के तहत कमी ान बनाने का प्रावधान है। सभी राज्यो में एक राज्य लैवल पर और एक जिला स्तर पर कमी ान बनना है। जो इन्होने कहा है कि उसमें हाई कोर्ट का जज होना

था, तो उसमें प्रेफरेंस के तौर पर यह कहा गया है कि उसमें हाई कोर्ट का रिटायर्ड जज भी हो सकता है और सिटींग जज भी हो सकता है। उस कमी ान में एक आदमी ऐसा होना था। यह कमी ान स्टेट लैवल पर स्टेट कन्जयूमर्ज प्रोटैक ान कमी ान बनेगा। हमारे डिवीजन हैडक्वाटर्ज अम्बाला और हिसार में सबसे पहले बनेगा। उसकी बकायदा स्वीकृती हो चुकी है। कमी ान बनाये जाने के बारे में मुख्य मंत्री महोदय के जल्दी आदे ा जारी होने वाले है।

श्री परमानन्दः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह जो डिस्ट्रिब्यू ान सिस्टम है, इसमें कनफैड या होल सेल डीलर को कितना मुनाफा मिलता है और रिटेल डीलर को कितना मिलता है? क्या रिटेल डिलर का मुनाफा कम होने की वजह से छोटे लैवल पर करप ान नही बढ रही है? अगर ऐसा है तो उसको मिटाने के लिए सरकार क्या कदम उठाने जा रही है?

श्री सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, 37.80 रुपए में दो किलो के हिसाब से भारत सरकार से यह मिलता है और 1.20 रुपए एडमिनिस्ट्रटिव चार्जिज़ है और कुछ मुनाफा लेकर 39.00 रुपए में रिटेलर या डिपो होल्डर को दिया जाता है। रिटेलर या डिपो होल्डर चालीस रुपए में दोकिलो बेचता है यानी एक रुपया किलो पर। यह कोई ज्यादा मुनाफा नही है। स्पीकर साहब, रिटेलर और डिपो होल्डर का मुनाफा बढाने के लिए सरकार ने

नोटिस में बात आई है और इसको दुबारा निरीक्षण के लिए पांच तारीख को एक मीटिंग होने वाली है।

कामरेड हरपाल सिंहः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपाकरेगी कि जो लागे सस्पैंड हुए है वे किस रैंक के थे और क्या उनके उपर जो अफसर थे वे भी पकडे गए थे? स्पीकर साहब, मंत्री महोदया ने बताया है कि पिछली सरकार के समय में जो करप्ान था वह अब दूर कर दिया गया है। क्या मंत्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि उन अफसरो को बदल दिया गया है या उन अफसरो की अब नीयत ठीक हो गई है, या दस बारे में कौन सी कार्यवाही की गई है जिसके कारण अब अफसर ईमानदार हो गए हैं?

श्री अध्यक्षः हरपाल जी आपने एक ही बार में चार क्वै चन कर दिये है। एक ही क्वै चन आपको करना चाहिए।

श्री सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, श्री हरपाल सिंह जी की जिज्ञासा बिल्कुल जायज है। इसमें डिपो होल्डर्ज या नीचे के अधिकारी नही है। कन्फैड के औफिसर्ज है जो सस्पैंड किए है, अगर मैम्बर साहब लिस्ट देखना चाहें तो देख सकते है। सदन में 46 आदमियों का नाम पढने में काफी समय लगेगा। स्पीकर साहब, औफिसर्ज को बदलने की जरुरत नही केवल औफिसर्ज को बदलने से भ्रश्टाचार दूर नही होता। औफिसर्ज तो सरकार की नजर को समझते हैं। कहावत भी है कि यथा राजा तथा प्रजा। अगर सरकार

की नजर को समझ लिया है और मै वि वास के साथ कह सकती हूं कि भ्रश्टाचार बहुत कम हो गया है।

Haryana Tanneries Limited, Jind

***325. Shri Parma Nand:** Will the Minister for Industries be pleased to state-

(a) whether the Haryana Tanneries Limited, Jind has been closed;

(b) if so, the number of employees who have become jobless; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to absorb the employees, as referred to in part (b) above, in other departments.

उद्योग मंत्री (डा किरपा राम पुनिया):

(क) इस समय यह इकाई बन्द है।

(ख) कम्पनी के रोल पर 157 कर्मचारी थे। श्रमायुक्त हरियाणासे आव यक स्वीकृती प्राप्त करके 98 कर्मचारियों की जबरी छुटटी (ले–आफ) कर दिये गये है। कम्पनी ने 21 और कर्मचारियों की ज्वरी छुटटी हेतु स्वीकृती मांगी है।

(ग) इस इकाई के मामलो तथा कार्य–प्रणाली जो कि घाटे में जा रही है, का अध्ययन हाई पावर्ड कमेटी द्वारा किया जा रहा है। इसकी रिपोर्ट भीघ्र आने की सम्भावना है।

श्री परमा नन्द:क्या मंत्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि इस उद्योग को लगाते समय कितनी फिक्सड कैपीटल रखी गई थी और कितनी वर्किंग कैपीटल रखी गई थी और जो वर्किंग कैपीटल रखी गई थी क्या वह मिलती रही थी?

डा किरपा राम पुनिया: स्पीकर साहब, इस उद्योग का बिगनिंग ही अनफारचुनेट रहा। जो प्रोजैक्ट रिपोर्ट बनी थी वह 122.69 लाख की थी और इसमें गवर्नमैंट आफ इंडिया से दो हजार स्किन पर–डे पर तैयार करने की कैपेसिटी मन्जूर हुई थी लेकिन जो कंसलटैंट थे उन्होने ऐडवांस कैपेसिटी को बढा लिया। उसके बाद गवर्नमैंट आफ इंडिया को इसकी कैपिसिटी ऐनहांस करने के लिए लिखा लेकिन भारत सरकार ने कैपिसिटी नही बढाई। यह युनिट जब से लगा है घाटे में चल रहा है और अब भी घाटे में ही है।

श्री रतन लाल कटारिया: अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या यह तथ्य है कि जीन्द की टैनरी से चमडे का जो बेहतरीन माल बनकर मार्किट मै जाता था, वह हाथों हाथ बिक जाता था लेकिन फिर भी वह टैनरी घाटे में गई? इसके क्या कारण हैं?

डा किरपा राम पुनिया: स्पीकर साहब, मुख्य तौर पर इसके दो तीन कारण इस प्रकार है। सब से पहला कारण तो यह था कि उसकी लाइसैंसिंग कैपेसिटी कुछ थी, इंस्टाले ान के वक्त

कुछ और हो गई और उसके लिए फायनैंि ायल इंस्टीच्यूट ने वर्किंग कैपीटल का पैसा नही दिया। उसके बाद काफी देर तक भारत सरकार के साथ जदोजहद चलती रही। मै यह जानना चाहता हूं कि यह प्रोजैक्ट 1976 मे चालू किया गया था और 1982 मे जहां तक मुझे पता है इसकी ऐनहांसमैंट हुई। तब तक काफी घाटा हो चुका था। इसके अलावा रा–मैटीरियल भी कम ही मिलता था। लेकिन मेन डिफीकल्टी फायनैंससिज की ही रही, जिसकी वह से यह प्रोजैक्ट घाटे में रहा।

श्री परमा नन्दः स्पीकर साहब, 1976–77 में दो बार इस प्लांट को वर्किंग कैपीटल के लिए 20 लाख रुपया मिला था और उसमें से 15 लाख रुपया दूसरे अन्य कामों पर खर्च कर दिया गया। मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि क्या इस लोस का कारण यह तो नही था?

डा किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, सरकार के पस बहुत सारे ऐसे काम हेाते है जिनमें सरकारी मुलाजिमो को तनख्वाह भी देनी होती है। इसलिए सरकार किसी भी काम की प्रायर्टी को देखते हुए किसी भी फंड को किसी दूसरी जगह पर यूज कर सकती है। जैसा यहां किया गयां। इस तरह हालात चलते रहे।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदया से जानना चाहता हू कि जिस वक्त इस प्रोजैक्ट की प्रोपोजल बनाई

गई क्या उस वक्त मुनाफा देखते हुए बनाई गई थी और जब यह प्रोपोजल सरकार के सामने आई तो क्या उस वक्त भी मुनाफे को ध्यान में रखा गया था?

डा किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, इनकी बात सही है कि जिस वक्त यह प्रोजैक्ट बनाया गया था उस वक्त यह उम्मीद थी कि ये प्रोजैक्ट इकोनोमिकली वायेबल होगा और मुनाफे में चला जाएगा।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि सार्वजनिक क्षेत्र के ये जो उपकम घाटे में जा रहे है, इनकी कार्यप्रणाली का अध्ययन करने के लिए जो हाई पावर्ड कमेटी बनाई गई है, वह कब से बनाई गई है? इसके साथ साथ मै मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहता हूं कि जो 98 कर्मचारी जबरन छुटटी पर भेज दिए गये है, उनको छुटटी पर भेजने की कार्यवाही कब भ्रुरु हुई थी? इस इकाई में घाटा होते हुए भी वहां पर चेयरमैन की नियुक्ति की गई। उस चेयरमैन पर सरकार की तरफ से प्रतिमाह पे व पर्कस पर कितना खर्चा किया गया था?

डा किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, हाई पावर्ड कमेटी दिसम्बर, 1987 में बनी थी और आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय उसके अध्यक्ष है। इसके साथ ही एक सब कमेटी भी बनाई है ताकि ऐसे यूनिटस को काफी डिटेल में ऐग्जामिन करें। उसके

चेयरमैन बाबू मूल चन्द जी जैन है। इस बारे में काफी डिटेल में स्टडी किया गया है और उसकी रिपोर्ट जल्द ही आने वाली है। जहां तक कर्मचारियों को ले–आफ करने का सवाल है यह कार्यवाही 1 जून, 1987 से बन्द है और अब जनवरी 1988 को ले–आफ करने का प्रस्ताव रखा थ कि इन मुलाजमो को ले–आफ कर दिया जाये परन्तु 15 फरवरी से 30 मार्च तक ले–आफ करने की इजाजत मिली है। अब वे ले–आफ है।

श्री परमा नन्दः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने अपने जवाब मे यह स्वीकार किया है कि इस युनिट का फेल होने का कारण वर्किंग कैपीटल का न मिलना है। मैमंत्री महोदय से यह जानना चाहात हूं कि जब सरकार लोगों को रोजगार देने का वायदा करती है तो क्या ऐसे युनिटस को एक और मौका देकर अपने वर्किंग कैपीटल को बढाकर दोबारा चलाने का सरकार विचार रखती है या नही?

डा किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, मैने पहले भी अर्ज किया है कि हम काफी डिटेल में स्टडी कर चुके है। कमेटी ने अपनी अंतिम रिकमैन्डे ान देनी है और कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद ही इस पर निर्णय लिया जाएगा।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, जो ऐम्पलाई वहां लगे हुए है, वे आजकल हडताल पर है और वे मुझे मिले भी थे। क्या सरकार उस फैक्ट्री के बन्द होने के कारण जो

कर्मचारी बेरोजगार हो गए है उनको किन्ही दूसरी जगहो पर रोजगार देने का विचार रखती है क्योंकि कई तो 8–8 सालो से काम कर रहे है और वे ओवर एज भी हो चुके है?

डा किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, स्ट्राइक के बाद उनको कही नौकरी का सवाल ही पैदा नही होता क्योंकि 98 ऐम्पलाईज को लेबर कोर्ट से परमि ान लेकर ही ले–आफ किया हुआ है और 21 ऐम्पलाईज को ले आफ करने के लिए हमने लेबर कोर्ट को लिखा हुआ है। अभी तक उसकी परमि ान नही आई है। लेकिन सभी मुलाजिमो के बारे में क्या किया जाना है, क्या नही किया जाना है, इस बारे में अंतिम निर्णय कमेटी की रिपोर्ट आने पर ही होगा।

श्री हीरा चन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस इकाई में जिन कर्मचारियों को ले आफ दिया गया है क्या उनको वापिस नौकरी में लि लिया जाएगा, क्या मंत्री जी इस बात को अ योर करेंगे?

डा किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, माननीय सदस्यो द्वारा एक ही बात को बार बार दोहराना मै उचित नही समझता। मैने इस बारे में पहले ही अर्ज कर दी है कि इस युनिट के बारे में केवल हाई पावर्ड कमेटी अध्ययन कर रही है। उस कमेटी की रिकमैंडे ान आने के बाद इस विशय में सरकार कोई अंतिम निर्णय लेगी।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या 1 जून, 1987 के बाद इस इकाई में कोई नियुक्त किया गया है अगर किया गया है तो उस की पे व वर्कज पर कितना पैसा खर्च हुआ है?

डा किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, उस यूनिट में लगभगग 2 लाख रुपए महीने के चेयरमैन, एम डी और दूसरे स्टाफ पर खर्च होते है। यह बात भी ठीक है कि जब तक कोई यूनिट जिंदा है और उसके बारे में कोई अंतिम निर्णय नही लिया जाता है तब तक उस यूनिट में चेयरमैन, एम डी और मिनिस्ट्रीयल स्टाफ रखा जाता है।

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस यूनिट के बन्द होने से कितने हरिजनो को प्रत्यक्ष रुप से नुकसान हुआ हैै यानी कितने हरिजन ले–आफ किए गए है?

डा किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, कोई ज्यादा फर्क नही पडा है।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, इसी सै ान के दौरान श्री दुर्गा दत्त अत्री द्वारा पूछे गए एक सवाल के उतर में माननीय उद्योग मंत्री जी ने जवाब दिया था कि जब तक इस यूनिट के बारे में कोई अंतिम निर्णय नही कर लिया जाता तक तक इस यूनिट के किसी भी कर्मचारी की छुटटी नही की जाएगी

लेकिन आज मंत्री जी ने बताया है कि इस यूनिट के 98 कर्मचारियों की छुटटी कर दी गई है और 21 कर्मचारियों की छुटटी करने के बारे में अभी फैसला लिया जाना है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस यूनिट से ऐडमिनिस्ट्रेटिव लैवल के कितने लोगो को नौकरी से निकाला गया है?

डा किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि उन कर्मचारियों को ले आफ किया गया है न कि नौकरी से हटाया गया है ओर यदि यह यूनिट चालू करना है तो सारे वे कर्मचारी वापिस ले लिए जाएंगे।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः अध्यक्ष महोदय, यह यूनिट 1976 मे लगाई गई थी। मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि 1976 से लेकर 1987 तक इस यूनिट की कितनी बार जांच करवाई गई और इस यूनिट को चालू करने के लिए क्या कदम उठाए गए?

डा किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, इस यूनिट की तीन बार जांच करवाइ गई। एक बार 1982 में, दूसरी बार 1984 मे और तीसरी बार आज कल चल रही है।

श्री परमा नन्दः स्पीकर साहब, जिन 98 कर्मचारियों को ले आफ किया गया है वे सभी प्रोडक ान ब्रांच से संबंध रखते थे। मै आपको माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि चेयरमैन,

एम डी और जो दूसरे रखे हुए थे क्या उनके खर्चों को कम करके इस यूनिट को घाटे को कम करने की कोि ा ा की गई है?

डा0 किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, जिन कर्मचारियों को ले आफ किया गया है मेरे पास उनकी लिस्ट है लेकिन इस लिस्ट को पढना उचित नही होगा क्योंकि इसके पढने में काफी समय जाया हो जाएगा। मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि जिन जिन कर्मचारियों के बारे में यह समझा गया िकइस वक्त इनकी जरुरत नही है केवल उन्ही को ले आफ किया गया है और जिनकी जरुरत थी उनको ले आफ नही किया गया।

श्री दुर्गादत्त अत्रीः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जब तीन बार इस यूनिट की जांच करवाई गई तो उन जांच रिर्पोटस के आधार पर सरकार ने इस यूनिट के घाटे को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए?

डा किरपा राम पुनियाः अध्यक्ष महोदय, मै इन्हे बताना चाहूंगा िकइस उद्योग की 2 या 3 बार जांच कराई गई। पहली बार 1982 में इसकी जांच करवाई गई थी। उस वक्त यह मामला फाईनैंि ायल इंस्टीच्यूट के सामने ले जाया गया था ताकि और फाइनैंस देकर इस युनिट को रि–हैबिलिटेट किया जा सके। फाईनेंि ायल इंस्टीच्यूट पैसा देने से इंकार करते रहे। फिर 1984 में कैबिनेट की सब कमेटी ने यह रिपोर्ट दी कि इस यूनिट को क्लोज करना ही उचित रहेगा। परन्तु गवर्नमैंट द्वारा उस रिपोर्ट

पर कोई अंतिम निर्णय नही लिया जा सका। इसकी जांच अब भी चल रही है। हम ने हर संभव कोि ा ा की है िकइस यूनिट को पैसा दिलवाया जाये। सरकार ने स्वयं गारंटी देकर बैंक से पैसा दिलवाया भी। हमने तो अपनी तरफ से हर मौके पर इस युनिट को रिहैबिलिटेट करने की कोि ा ा की है ताकि इस यूनिट का काम ठीक प्रकार से चल सके परन्तु अभी तक इसका काम ठीक प्रकार से चल नही पाया है।

श्री लछमन सिंह कम्बोज: अभी मंत्री जी ने अपने जवाब में माना है कि 98 कर्मचारी इस यूनिट से निकाले गए है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि निकाल गए कर्मचारी किस स्तर के है और उनको निकालने के लिए क्या क्राइटेरिया अपनाया गया है?

डा0 किरपा राम पुनिया: अध्यक्ष महोदय, एक जैसी ही सप्लीमैंटरी बार बार पूछी जा रही है। मै सभी सदस्यो को निकाले गए कर्मचारियों के पद और नाम पढ कर सुना देता हूं।

श्री अध्यक्ष: आप रहने दें, क्योंकि इस में समय ज्यादा लगेगा।

Replacement of Faridabad Complex Administration

by Municipal Committee

***489.Shri Harnam Singh:** Will the deputy Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to replace Faridabad

Complex Administration by a Municipal Committee; if so, the details thereof?

उप मुख्य मंत्री(श्री बनारसी दास गुप्ता): जी नही।

श्री हरनाम सिंह: अध्यक्ष महोदय, लोकदल की सरकार बनने के बाद हरियाणा सरकार ने सारी म्यूनिसिपल कमेटीज के चुनाव करवाये है लेकिन फरीदाबाद जो सबसे बडा औद्योगिक क्षेत्र है वहां से भी लोक दल का ही एम एल ए चुन कर आया है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि अभी तक वहां पर इलैक ान क्यो नही करवाये गए है?

श्री बनारसी दास गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद कम्पलैक्स के बारे में पहले भी सवाल आ चुके है और उनके जरिए इस संबंध में पहले ही काफी सप्लीमैंटरी पूछी जा चुकी है तथा उनका स्पश्ट उतर सरकार की तरफ से दिया जा चुका है। हमने ऐक्ट के अन्दर सं ाोधन किया है कि 14 जनवरी, 1990 तक ऐक्ट के मुताबिक की गई व्यवस्था के अनुसार वहां पर काम चलेगा और उसके बाद सरकार की यह पक्की राय है कि वहां पर इलैक ान करवा दिए जाएंगे।

श्री योगे ा चन्द भार्मा: अध्यक्ष महोदय, अभी उपयुक्त मंत्री जी ने बताया है कि वहां पर मौजूद ऐक्ट के अनुसार जनवरी 1990 तक ही व्यवस्था चलेगी। मै मुख्य मंत्री जी से जानना चाहात हूं कि क्या ऐक्ट में दुबारा सं ाोधन करके वहां पर 1990 से पहले चुनाव नही करवाये जा सकते?

श्री बनारसी दास गुप्ताः इसमें और कोई सं ाोधन करने का सरकार का अभी कोई विचार नही है।

श्री हरनाम सिंहः अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद हरियाणा प्रान्त का सबसे बडा औद्योगिक क्षेत्र है। वहां पर सबसे ज्यादा झोपडियां है, पोल्यू ान भी वहां पर सबसे ज्यादा है और इसी प्रकार से दूसरे ऐसे बहुत से मसले है जो दूसरे भाहरो में वहा की अपेक्षा कम है। मै जानना चाहता हूं कि वहां पर सरकार जल्दी चुनाव क्यों नही करवाना चाहती?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, जिन बातों का जिक्र डा0 हरनाम सिंह जी ने अपने सवाल में किया है इन सभी समस्याओं के बारे में ही सरकार ने यह सं ाोधन किया है कि वहां पर कोई ऐसी संस्था बनाई जाए जो इन सभी समस्याओ को हल कर सके। यह मामला सरकार के विचाराधीन है।

15:00 बजे

श्री अध्यक्षः अब क्वै चन आवर समाप्त होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए

तारांकित प्र नो के लिखित उतर

Supply of Essential Commodities Direct to Ration Depots

***524. Shri Shiv Parshad:** Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to supply essential commodities like Palm oil, cloth etc. direct to the Ration Depots in the State instead of through CONFED. if so, the time by which it is likely to materialize?

खाद्य एवं पूर्ती मंत्री (श्रीमती सुशमा स्वराज): नही।

T.A./D.A. drawn by Minister and Ministers of State

***521. Shri Balbir Pal Shah:** Will the Chief Minister be pleased to state the amount of T.A./D.A drawn by each of the Minister and Ministers of State during the period from 21-6-87 to 15-3-88

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): अपेक्षित सूचना का विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

विवरण

मुख्य मंत्री/उप मुख्य मंत्री/मंत्री/राज्य मंत्री द्वारा लिया गया यात्रा भत्ता बिल दिनांक 21—6—1987 से 15—3—1988 तक।

क0 न0 नाम व पद	कुल रुपये
श्री देवी लाल, मुख्य मंत्री	19397.50
श्री बनारसी दास गुप्ता, उप मुख्य	22895.50

मंत्री	
मंत्री	
श्री वीरेन्द्र सिंह	6416.00
डा0 के आर पुनिया	8123.75
श्री सूरज भान	13080.00
श्री सम्पत सिंह	12960.00
श्री खुर ाीद अहमद	4970.00
श्री हुकम सिंह	4500.00
श्री राम बिलास भार्मा	5358.75
डा0 कमला वर्मा	5117.50
राव लक्ष्मी नारायण	4575.00
श्री औम प्रका ा भारद्वाज	3750.00
श्रीमती सुश्मा स्वराज	1367.00
श्री परमा नन्द	4521.00

राज्य मंत्री

श्री रघुबीर सिंह	8120.00
श्री धर्मवीर	7293.25
श्री सुभाश कटियाल	5810.00
श्री सम्पत सिंह	2250.00
श्री अजमत खान	5650.00
श्री मनफूल सिंह	6413.00
श्री महा सिंह	4670.00
श्री नर सिंह	3000.00
श्री सीता राम सिंगला	4819.00
श्री नरवीर सिंह	4222.00

E.S.I. Hospitals & Dispensaries

69. Shri Vasu Dev Sharma & Shri Hira Nand Arya: Will the Minister of State for Cooperation be pleased to state the total number of Hospitals/Dispensaries, Separately, sanctioned in the State under the E.S.I./Scheme togetherwith the number and name of such Hospitals/Dispensaries which are under construction as at present?

सहकारिता राज्य मंत्री (डा0 रघुबीर सिंह):

1. स्वीकृत ई एस आई अस्पतालो की संख्या : 5

2. स्वीकृत ई एस आई डिस्पैंसरियों की संख्या : 68

3. निर्माणाधीन अस्पतालो की संख्या तथा नाम : 2

3.1. 200 बिस्तर ई एस आई अस्पताल बल्लभगढ (फरीदाबाद)

3.2. 50 बिस्तर ई एस आई अस्पताल भिवानी

4. निर्माणाधीन डिस्पैंसरियों की संख्या तथा नाम : कोई नही

63. Shri Raghu Yadav: Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) whether any memorandum regarding creation of new districts in the State has been received by the Government since 1st January, 1988:

(b) if so, a copy thereof be placed on the Table of the House; and

(c) the action, if any, taken thereon?

राज्य मंत्री (श्री सूरजभान)

(क) जी हां। एक ज्ञापन नागरिक परिशद रेवाडी से दिनांक 14–3–88 को प्राप्त हुआ।

(ख) उसकी प्रति बतौर अनुबन्ध 'ए' सदन के पटल पर रखी जाती है।

(ग) ज्ञापन सरकार द्वारा गठित जिला पुनर्गठन कमेटी के सम्मुख विचार हेंतु उचित समय पर रख दिया जाएगा।

ANNEXTURE 'A'

नागरिक परिशद, रेवाडी

मुख्य कार्यालयः आर –256 माडल टाउन, रेवाडी

कमांक 315

दिनांक 29–2–88

To

The Chairman

Distt. Re-organising Committee, Haryana.

Chandigarh.

Subject: Formation of New Distt. of Rewari-

(a) Removal of Regional Imbalances.

(b) Redressal of Revenge.

Historic city of Rewari, biggest meter gauge Rly. Junction of Asia, Land of Heroes like Hemu Bhargava of 1st Battle of Panipat (1556), Rao Tula Ram a Martyr of 1st war of independence of 1857, a nursery of brave soldiers since the

time immoral, has been a eye sore to Foreigners for the patriotic zeal of its people.

In Marathe time it was a full flaged & prosperous distt. was known as Sarkar-e-Rewari.

in the first war of independence 1857, Rao Tula Ram with Nawab of Jhajjar & Raja of Ballabgarh tried to expel the British out of their mother-land. Both, the Nawab & Raja ware hanged publically while Rao Tula Ram, had to meet the same fate as Bahadur Shah Jaffar & dies as a martyr:-

Dam luck & the help or traitors helped the British to recapture the region & to re-bind us is slavery for other 90 years.

Taking revenge, the British Tore our Bosam, prized the Traitors Rajas with the gift o pargna of Bawal to the Nabha Ruler. To rule ruthlessly the rest of Rewari area, merged it with Gurgaon under their direct control.

As if not to lag behind, we were kept neglected & backward by our own people after independence. In fact, it has been one of the most neglected areas.

It's population of 80000 is more than that of both other Sub-Divisional towns of Narnaul & Mohindergarh.

Not to speak of Engineering or Medical Colleges, it has no Govt. Degree College or a Polytechnic while both the other sub-divisions have one each post graduate Govt. College. We have only one Degree College at Bawal & that is also a taken over one.

Further details of regional imbalances as compared to other areas not only of this area but of Haryana can be quoted in details at the spot.

Even at present it is the centre of Trade & Industries of South West Haryana.

(i) Its copper & brass utensils are sent to far off places like Bombay & Calcutta.

(ii) It has a modern gain market & handles the grain trade of some parts of Rajasthan even.

(iii) Well-knit bus service, nearly 100 buses leave for Delhi and much more to other places including other states.

(iv) Being the biggest meter gauge Rly. Junction, it is connected with all the cities of India.

(v) Revenue income of the area excels that of both the other Sub-Divisions of Distt. taken together even.

(vi) Nearly 75% Distt court cases in Distt courts of Narnaul are of this Sub-Division.

(vii) Due to the enterprise of our people, we have 3 degree & 2 training colleges, 2 Girls & 7 Boys High schools (All Recognised) besides 5 Govt. Senior Secondary Schools, 58 High Schools, 61 Middle Schools & nearly 300 Primary Schools in this Sub-Division.

(viii) Though backward area for industries, it has become a very busy centre of industrial Enterprises,

Dharuhera a tiny village has developed into a busy and flourishing centre of industries.

Bawal is sure to develop as it has recently been declared backward.

(ix) It has export potential too. Slate stones & stone slabs of chances of its further development if it is declared a Distt. Some markets of Delhi can find a proper place here by its development.

(x) It is in the National Capital Region & there are sufficient chances of its further development.

(xi) Being the heart of South West Haryana, known as the capital of Ahirwal, creation of Distt will be emotional, moral, economical, educational & patriotic booster for the people of this region.

(xii) It is a centre of business for the adjoining areas now included in Rohtak & Gurgaon Distt. These areas have emotional, social, cultural affiliation with Rewari than to their Distt. quarters.

(xiii) With the completion of S.Y.L. this district will be a grainary of Haryana.

The areas adjacent as mentioned above can be merged with Rewari are:-

(i) Kosli Tehsil of Rohtak which has 10 M.L.As & will reduced to 9 to be a better administered.

(ii) Machhrauli area of Jhajjar Tehsil

(iii) Pataudi & Tauru constituencies of Gurgaon Distt.

If fact traders of these areas have more business contacts with Rewari than with other centres.

Hundreds of students of these areas come here for college education.

These areas are nearer to Rewari than their Distt head quarters.

Thus the proposed Rewari District will have under noted Tehsils:

1. Rewari

2. Bawal

3. Pataudi

4. Kosli

Plus proposed tehsils of Tauru & Jatusana.

It will comprise six constituencies equal to those of Sonipat & will have more population than some other districts of Haryana.

Mohindergarh Distt can be compensated with the inclusion of Loharu Sub-Division. In fact half the constituency of Loharu comprises a portion of Mohindergarh Distt.

It will not be out of place mention that it was due to personal ambitions & gains of some people that Dadri Tehsil of Mohindergarh Distt. was taken away for creating District of

Bhiwani & Rewari was merged into Mohindergarh in early seventies. Thus our interest & claims of Distt were ignored & we were let down by our own people *who had to be discorded by us.*

Surely the present Govt. will give us long awaited justice. avenge for the Revenge of our Foreign Rulers, Redress the neglect & apathy of our own people, remove this Regional imbalances and *announce with a bloc & loud voice*, Like that of declaring a holiday on 23rd Sept. as Haryana Heroes and Martyrs Day, the formation of District of Rewari in this Budget session itself.

On behalf of the people of the region.

Yours Faithfully

SD/-प्रधान

नगरपालिका, रेवाडी।

Haryana Brewerles, Murthal

64. Shri Raghu Yadav: Will the Minister for Industries be pleased to state-

(a) the yearwise profit earned or loss suffered, if any, by the Haryana Brrewerie, Murthal (Sonepat) during the years] 1984-85, 1985-86 and 1986-87; and

(b) the reasons for the diminishing of profit/loss, if any?

उद्योग मंत्री (डा0 किरपा राम पुनिया):

(क) हरियाणा ब्रूवरिज लिमिटेड मूर्थल पिछले तीन वर्शोसे लाभ मे जा रही है, उसका लाभ निम्न प्रकार है:–

वर्श	कर से पहले लाभ	कर कटौती के प चात् लाभ
1984–85	42.81	32.81
1985–86	54.02	22.02
1986–87	16.02	7.02

(ख) उपक्रम के प्रबन्धको ने, कर कटौती के प चात् लाभ में कमी होने के निम्न कारण बताए है:–

(1) वर्श 1985–86 के लिए डैपरीि ाये ान का प्रावधान 13.46 लाख रुपये था जबकि वर्श 1984–85 में यह प्रावधान 9.57 लाख रुपये था।

(2) वर्श 1985–86 में आयकर का प्रावधान 32 लाख रुपये था जबकि वर्श 1984–85 के लिए यह प्रावधान केवल 10 लाख रुपये था।

(3) उत्पादित मूल्य में वृद्वि होना तथा कम्पनी द्वारा कठिन मुकाबले का सामना करना।

(4) वर्श 1985–86 में डैपरिि ाये ान 13.46 लाख रुपये से बढकर वर्श 1986–87 में 15.03 लाख रुपये हो गया।

(5) जैसा कि कम्पनी ने डिवैचरंज् इ ू नवम्बर, 1985 में निकाला जिसके कारण वर्श 1985–86 में ब्याज का प्रावधान 31. 32 लाख रुपये से बढकर वर्श 1986–87 में 41.46 लाख रुपये हो गया।

(6) वर्श 1986–87 में मजदूरी तथा वेतन में 12.10 लाख रुपये की बढौतरी हुई। यह बढौतरी चौथे वेतन आयोग की सिफारि ाों पर वेतन मानो में परि ाोधन के कारण हुई है।

(7) चूंकि उत्पादन की बिक्री ऋतु पर आधारित है और स्वभाविक रुप से उत्पादित पदार्थ अपनी भौल्फ लाईफ तक ही सीमित है इसलिए योजनाबद्व वाल्यूम को पूर्ण रुप से काम मे नही लाया जा सका।

उत्पादन दामें में हुई वृद्धि के मुकाबले समानान्तर रुप से बीयर के विकय मूल्य में वृद्धि इसलिए नही की गई क्योंकि बाजार में इसके भोयर की कीमत को गिराना नही था। वर्श 1987–88 में इस स्थिती में सुधार हुआ है और बीयर के विकय मूल्य में की गई वृद्धि से बढे हुए उत्पादन दामो का ठीक तरह से समंजन हो गया है।

Target achieved by Housing Board

68. Shri Raghu Yadav: Will the Minister for State for Housing be pleased to state-

(a) the financial and physical target achieved by the Haryana Housing Board during the last five years; and

(b) the administrative charges incurred by the said Board during the said period?

आवास राज्य मंत्री (श्री सुभाश चनद कटियाल):

(क) वास्तविक उपलब्धियां वितीय उपलब्धियां (कार्यों, भूमि, प्र ाासकिय व ब्याज आदि पर राजकीय खर्चे)

कुल नम्बर 1624 मकान 5670.86 लाख रुपये

(ख) 482.36 लाख रुपये

Industries having head officers outside the State

70. Shri Kundan Lal Bhatia: Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) whether there are any industries in the State which have there head offices outside the State and send their manufactured goods on consignment basis without paying any tax to the State; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to prohibit these industries from having their head offices outside the State together with the time by which a decision in the matter is likely to be taken?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह):

(क) जी हां। लेकिन जहां कहीं भी हरियाणा साधारण विक्र कर अधिनियम, 1973 की धारा 9 के अधीन कर देय है, वसूल किया जाता है।

(ख) ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नही है।

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्री हीरा ननद आर्यः स्पीकर साहब, मैने आपकी सेवा में एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव दिया था जिसमें लिखा है कि केन्द्रीय मंत्री ने एक अधिकारी को धमकी दी थी। जिसकी वजह से अधिकारियों और कर्मचारियो मे सनसनी फैली हुई है। उसका क्या हुआ।

Mr. Speaker: Arya Sahab, that is under consideration.

श्री कैला I चन्द भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैने भी 22 तारीख को एक भाोर्ट नाटिस क्वै चन का दिया था, उसका क्या हुआ?

Mr. Speaker: Sharma Sahib, your short notive question is also under consideration.

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

कैथल क्षेत्र के गावं बरोट के किसानो के अत्यधिक बिजली प्रभार वसूल करने संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of Call Attention Motion No. 8 from Shri Surinder Kumar Madan, M.L.A. regarding realizing of excess electricity charges from the farmers of village Brout of Kaithal area. I admit it. Shri Madan may read his notice and the Minister concerned may make the statement there after.

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः स्पीकर साहब, मै इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि कैथल क्षेत्र के गांव बरोट के किसानो को लूटा जा रहा है। उनसे बिजली के बिलो पर 100 रुपये तक अतिरिक्त रा ि ा ली जा रही है। इस संबंध में किसानो में भारी रोश तथा असंतोश व्यापत है। इसलिए सरकार इस मामले में तथा उक्त बिलो पर की जा रही अधिक वसूली को रोकने की ओर ध्यान दें।

वक्तव्य

(1) सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, मदान साहब ने अपनी काल–अटैं ान नोटिस में कहा है कि किसानो को लूटा जा रहा है। स्पीकर साहब, बिजली बोर्ड सरकार का बनाया हुआ है और वह एक स्टैच्यरी बोडी है। लुटाई तो डकैत किया करते है। इसलिए इस भाब्द पर मुझे आपत्ति है। Now I make the statement.

हरियाणा राज्य बोर्ड ने बिजली देने के निमित्त अपने कार्यालय आदे ा दिनांक 31–12–1987 द्वारा बिजली आपूर्ति के भार्तो के भार्त नं0 22 में सं ाोधन करके तथा प्रतिभूति (सिक्योरिअी) जमा करने की दरो में सं ाोधन करके प्रतिभूति जमा तथा बिजली के मीटरो के लिए सिक्योरिटी जमा कराने की दर बढा दी थी। घरेलू एंव वाणिज्यिक उपभौक्ताओ के मामले में टैरिफ (दर) में सं ाोधन ओर मासिक आधार से द्विमासिक आधार पर बिजल बनाने के कारण, बिजली के बिलो के सम्भव भुगतान न करने के मुकाबले जमा प्रतिभूति को अपर्याप्त समझा जाता था इसलिए इस सं ाोधन की आव यकता महसूस की गई। इसी प्रकार बिजली मोटरों के लिए प्रतिभूति जमा में सं ाोधन की आव यकता मोटरों की कीमतो में बढोतरी के कारण हुई।

पेहवा परिचालन मण्डल द्वारा गांव बरोट के किसानो से ली जा रही अतिरिक्त धनरा ि ा बोर्ड के उक्त निर्णय के अनुसार है। उपभेक्ताओ से इस तरह की वसूली पूरे राज्य में की जा रही है।

दरो में सं ाोधन के परिणमस्वरुप घरेलू आपूर्ति को बिजली प्रदान करने के लिए जमा प्रतिभूत की दरों में यह वृद्धि 1 किलोवाट लोड तक 10 रुपए प्रति किलोवाट तथा 1किलोवाट से ऊपर के लिए यह वृद्धि 15 रुपए प्रति किलोवाट तक है। वाणिज्यिक बिजली आपूर्ति के लिए यह वृद्धि किलोवाट लोड तक 20 रुपए तथा 1 किलोवाट से ऊपर के लोड के लिए यह वृद्धि 50

रुपए प्रति किलोवाट है। कृशि सम्बन्धी आपूर्ति पूरे राज्य में सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओ से जमा प्रतिभूति के सं ाोधित दरो की वसूली जाती है। बोर्ड के निर्दे ाानुसार अतिरिक्त धनरा ि ा को जमा करने के लिए उपभोक्ताओ को एक महीने का नोटिस दिया जाना है तथा ऐसा न करने पर उपभोक्ताओ की बिजली आपूर्ति को काटा जाना है। उपभोक्ताओ केा असुविधा से बचाने के लिए धनरा ि ा को बिलो के माध्यम से चार्ज किया जा रहा है। तो भी उपभोक्ताओ द्वारा बिल के भुगतान की पूरी धनरा ि ा को एक मु त अदा करने की कठिनाई को ध्यान में रखते हुए अब यह फैसला किया गया है कि उपभोक्ता अब अपने बिलो का भुगतान जून तक तीन बराबर किस्तों में कर सकते है तथा उनके कनैक ान इस कारण उस अवधि तक नही काटे जाएंगे।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हमं कि जो सिक्योरिटी बढाई गई है, क्या इस सिक्योरिटी पर इन्टरैस्ट दिया जायेगा? सिक्योरिटी किसानो की धरोहर है, ईमानत होती है इसलिए क्या बिजली बोर्ड उस पर ब्याज देगा या नही?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अभी ऐसा कोंई विचार अन्उर कंसीड्रेसन नही है।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः स्पीकर साहब, सिक्योरिटी के लिए तो अलग से नोटिस जाना चाहिए। मेरे पास यह बिल मौजूद

है। इस बिल के अन्दर कहीं नही लिखा गया है कि किस किसलिए यह पैसा लिया जा रहा है। किसान तो अनपढ है इसलिए उसे बताया जाये कि यह पैसा किसलिए लिया जा रहा है। पडोसी गांव में ऐसी कोई चर्चा नही है। एक ही गांव में ऐसी क्यों किया जा रहा है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः बिल से पहले नोटिस दिया जाना जरुरी है। नोटिस जरुर दिया होगा। अगर कोई कमी रह गई है तो मेरे नोटिस में लायें, जो भी कमी होगी उसे दुरुस्त कर दिया जायेगा।

(2) कृशि राज्य मंत्री द्वारा जिला भिवानी तथा उसके आसपास के क्षेत्रो में सुंडी से चने की फसल के क्षतिग्रस्त होने संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Minister of state for Agriculture will make a statement on the calling attention motion given by Shri Hira Nand Arya regarding damage of crop of gram by sundi in district Bhiwani and its adjoining areas, which was admitted on 25th March, 1988.

कृशि राज्य मंत्री(श्री बलबीर सिंह): सुण्डी चने की फसल को गम्भीर नुकसान पहुंचाती है हालांकि हरियाणा में चने की फसल पर इस कीडे का गम्भीर प्रकोप हर साल नही हुआ है। किन्तु इस वर्श मार्च महीने के मध्य में भिवानी जिले में, वि ोश कर चने की पछेती फसल पर, इस कीडे का गम्भीर आकमण हुआ

है। जिले में चने के कुल 71000 हैक्टेयर क्षेत्र में से 52500 हैक्टेयर पर इस कीडे का प्रभाव पडा है। भिवानी के अतिरिक्त कई अन्य जिलो में भी इस सुण्डी का हल्का प्रभाव देखा गया है, जिससे गुडगांव, जीन्द, रोहतक और सिरसा जिलों में 1000 से 2000 हैक्टेयर तथा हिसार जिले में 5000 हैक्टेयर रकबा प्रभावित हुआ है। इस वर्श राज्य में चने के तहत कुल रकबा 2.80 लाख हैक्टेयर है जो कि सामान्य वर्ग की तुलना में केवल 40 प्रति ात है। इस वर्श चने की कम बुआई सूखा के कारण हुई है।

भिवानी जिले में 11,12 और 13 मार्च को कृशि विभाग के कर्मचारियों द्वारा चने की फसल पर कही कहीं सुण्डी देखी गई। इसका प्रभाव अधिक क्षेत्र में फैसले की आ ांका से उप कृशि निदे ाक भिवानी ने अपने फिल्ड स्टाफ को तुरन्त इस काम पर लगाया कि वह अपने अपने क्षेत्रो को समझाए और सुण्डी से प्रभावित अपने खेतो में सुण्डी मार दवाईयां एण्डोसल्फान और मोनोक्राटोफास छिडकने के लिए उकसाये। यह कीडे मार दवाईयां किसी सरकारी ऐजैन्सी के द्वारा खरीद कर नही रखी गई थी क्योंकि एकतो खुलै बाजार में आम मिल रही है और दूसरा इन पर किसी सबसिडी की व्यवस्था भी नही है।

भिवानी जिले में इस कीडे का प्रकोप 18 मार्च, 1988 से गम्भीर हो गया। इससे निपटने के लिए उप कृशि निदे ाकए भिवानी ने दवाई छिडकने वाले 227 पम्प 17 क्षेत्रीय कृशि अधिकारियों और 5 पौधा संरक्षण से संबंधित कृशि विकास

अधिकारियों के पास पहुंचवा दिये, जिससे की यह पम्प छिडकाव के लिए बिना किसी किराये के किसानो को तुरन्त दिये जा सके। कीट ना ाक दवाईयों ओर पम्पो को भीघ्र प्रभावित खेतों तक पहुंचाने के लिए पांच मोबाईल सुक्वेड बना दिये गये। एक एकड में छिडकी गई दवाई की लागत 35 से 40 रुपए आती है। भारु में तो किसानो में यह दवाई अपने खर्चे पर खरीदने के लिए संकोच था किन्तु कृशि अधिकारियों ओर कर्मचारियों के द्वारा उन्हे यह समझाया गया कि यह दवाईयां किसी संस्था से मुफ्त या सबसिडी पर नही मिलेगी तो किसान दवाईयां खरीदने और उनका अपने प्रभावित खेतों मे छिडकाव करने के लिए आगे आने लगे।

अपर कृशि निदे ाक ने 18, 19 और 20 मार्च को भिवानी जिले का दौरा किया जिस बीच वहां के उप कृशि निदे ाक ने उन्हे सारी स्थिती से अवगत करवाया। 21–3–1988 को अपर कृशि निदे ाक के मुख्यालय में वापिस लौट आने पर स्थिती पर आगे विचार किया गया और उप कृशि निदे ाक से सम्पर्क स्थापित करके पूछा गया कि क्या उन्हे स्थिती से निपटने के लिए किसी अतिरिक्त सहायता की आव यकता है। उप कृशि निदे ाक ने जाहिर किया कि उनके पास जितने पम्प और कर्मचारी उपलब्ध है उन्ही की सहायता से वह समस्या पर काबू पा लेंगे तथा किसी अतिरिक्त सहायता की आव यकता नही थी।

फिर भी गुडगांव से 200 अतिरिक्त स्प्रे पम्प भिवानी पहुंचाये गये है और गुडगांव तथा करनाल से एक एक मोटर गाडी

भी वहां भेजी गई है। मुख्यालय से एक संयुक्त कृशि निदे ाक भी आव यक प्रबन्ध और देख रेख के लिए भिवानी पहुंच गया है। 24 मार्च को वितायुक्त कृशि ने उपायुक्त भिवानी से सम्पर्क करके उन्हे सलाह दी कि कीडे से बचाव की कार्यवाही का वह स्वयं संचालन करे ंऔर उसी दिन से फसल पर दवाई के छिडकाव की कार्यवाही की उपायुक्त भिवानी भी निगरानी कर रहे है। उप कृशि निदे ाक भिवानी से 25 मार्च को भी सम्पर्क किया गया और उसने स्पश्ट किया कि अब किसान छिडकाव के लिए दवाई और पम्प प्राप्त करने हेतु आ रहे है ओर आ ाा है कि प्रभावि क्षेत्र में दवाइ का छिडकाव महीने के अन्त तक पूरा हो जायेगा। जिन दूसरे जिलो में छोटे छोटै क्षेत्रों मे कीडे का प्रकोप देखा गया है उन जिलो के उप कृशि निदे ाक भी स्थिती पर नजर रखे हुए है और उससे निपटने के लिए इसी प्रकार के उपाय कर रहे है। सुण्डी से चने की फसल को कितना नुकसान होगा इसका तुरंत अनुमान लगाना कठिन है किन्तु समय पर की जा रही छिडकाव की कार्यवाही से यह नुकसान बहुत हद तक कम किया जा सकेगा।

इसके साथ ही स्पीकर साहब, भिवानी जिले के बारे में मै एक ताजी सूचना देना चाहता हूं कि कुल 52500 हैक्टेयर प्रभावित क्षेत्र में से लगभग 22000 हैक्टेयर में दवाइ का छिडकाव कराया जा चुका है। और आज भााम तक 26000 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र में छिडकाव हो चुका होगा। जिला प्र ाासन ओर

जिला कृशि अधिकारियों की ओर से वि ोश मुहिम के रुप में यह कार्य करवाया जा रहा है। दवाई की कोई कमी नही है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन्होने बडा लम्बा चौडा ब्यान दे दिया और एक ड्रामें से अधिक कोई बात साबित नही हुई। मै समझता हूं कि सरकार चने को बचा नही पाई। जिस तरह से सरकार ने ओलावृश्टी के नुकसान की सहायता दी है क्या उसी तरह से चने की फसल के नुकसान के लिए भी सरकार सहायता करेगी?

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी ने बताया कि कृशि विभाग ने कोई संतोशजनक काम नही किया, ऐसी बात नही है। मै यह जरुर कहूगा कि तीन चान दिन की देरी हुई। उसका कारण यह था कि किसान यह सोच रहे थे कि उन्हे सबसिडी पर दवाई मिलेगी लेकिन हमारे समझाने पर आज किसान बडे जोर भाोर से दवाई छिडक रहा है। जो इन्होने मुआवजे की बात कही उस पर विचार कर लिया जाएगा।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, इवाई की कमी के कारण फसलें 50 प्रति ात से 100 प्रति ात तक खराब हुई है। भविश्य में ऐसा न हो इन्होने इसके लिए क्या प्रबन्ध किया है?

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, दवाई की कमी के कारण कोई फसल खराब नही हुई। यह तो प्राकृतिक प्रकोप हुआ,

कीडो ने अचानक आक्रमण कर दिया। आगे के लिए भी हम दवाई की कमी की वजह से फसल खराब नही होने देंगे।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मै अपनी प्रिविलेज मो ान के बारे में एक सबमि ान करना चाहता हूं।

Mr. Speaker: Your privilege motion has been received by the Secretary. I have not read it so far.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपके बारे में एक बडी सीरियस बात कही गई हैकि आप उस सवाल को टाल मटोल करते रहे। ठीक है प्रैस हमारी फोर्थ एस्टेट है लेकिन उसे आप पर रिफलैक ान नही करना चाहिए था, सदन के अध्यक्ष की नीयत पर भाक नही करना चाहिए था और न ही मेरे माननीय अजीज मैम्बर की नीयत पर भाक करना चाहिए था। (विघ्न्) स्पीकर साहब, यह बडी सीरियस बात है और इसका उचित नोटिस लिया जाना चाहिए।

Mr. Speaker: Your privilege motion was received by the Secretary at 3.05 p.m. I have received it only 2-3 minites back. This will be examined.

डा0 साहब, फरीदाबाद कम्पलैकस ऐडमिनिस्ट्रे ान की रिप्लेसमैंट वाले सवाल पर सप्लीमैंटरी पूछने के लिए जब मै आपको बुलाने लगा तो आप हाउस से चले गए।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरे सामने चूंकि यह कागज आ गया इसलिए मैने सोचा कि लगे हाथ इसी को ले लिया जाए। (हंसी)

वर्श 1988–89 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब 1988–89 के बजट पर जनरल डिस्क ान रिजयूम की जाएगी। 25 तारीख को श्री बृज मोहन गुप्ता बोल रहे थे। वे अपनी स्पीच रिज्यूम करें।

डा0 बृज मोहन (जगाधरी): स्पीकर साहब, मै उस समय गवर्नमैंट डाक्टर्ज के बारे में यह कह रहा था कि हरियाणा के अन्दर बहुत सी डिस्पैंसरियों और अस्पतालो में जगह खाली है। मेरा उसके लिए एक सुझाव है कि सरकार को उन डाक्टर्ज को प्राइवेट अलाऊ कर देना चाहिए। भाायद यह तजुर्बा कामयाब हो जाए और इससे जो जगहें अस्पतालो और डिस्पैंसरियों में खाली पडी है, वे पूरी की जा सके। इसके अलावा मुझे कल ही पता लगा है कि जगाधरी सिविल अस्पताल के लिए मैने जो एक मांग की थी कि वहां पर एक कैजुएलिटी डिपार्टमैंट खोलना चाहिए, वह भाायद खोलने जा रहे है। वह सब–डिवीजनल हैडक्वार्टर है। वहां पर जो इंडस्ट्रीज है, वे भी ऐसी है जो तेजी से कोन बनाने वाली इंडस्ट्री है। वहां पर एक्सीडैंटस भी बहुत ज्यादा होते है और गम्भीर ऐक्सीडैंटस भी बहुत होते है। आलरेडी वहां पर जो अस्पताल है,

अगर उसमें कैजुएलिटी डिपार्टमैंट भी हो जाएगा तो उससे वहां पर सुविधा होगी।

श्री अध्यक्षः डाक्अर साहब, मै एक प्रार्थना करुंगा कि टाईम की कमी को देखते हुए आप जल्दी वाईड अप करने की कोि ा ा करें।

डा0 बृज मोहनः बहुत अच्छा जी। मै अपनी बातें जरुर जल्दी कहूंगा। मेरा कहना यह है कि एक तो वहां पर कैजुएलिटी डिपार्टमैट जरुर खोला जाना चाहिए क्योंकि वह सब–डिवीजनल हैडक्वार्टर है। अगर वहां पर डाक्टर्स पूरे होंगे तो इससे लोगो को और मरीजो को सुविधा होगी। इससे तीन डाक्टर्स वहां पर और आ जाएंगे। मै एक बार फिर सरकार से प्रार्थना करुंगा कि मेरी इस डिमांड पर गौर किया जाए ताकि यह जो डिमांड मैने यहां पर रखी है, उसको थोडा सा पूरा किया जा सके। (घंटी) अब मै अपने हल्के की कुछ मांगे जल्दी जल्दी आपके सामने रखूंगा। मेरे हल्के में कुछ सडके बहुत जरुरी है। अगर मंत्री जी यह नोट कर लें तो बहुत अच्छी बात रहेगी। वह सडक खुण्डेवाला से मुसिम्बल तक बननी चाहिए। उसका नाम बलकार सिंह भाहीद मार्ग रखा गया है। उस सडक को अगर मुसिम्बल गांव से मिला दे ंतो लोगो को काफी सुविधा होगी। इसके अलावा हमारा इलाका ऐसा इलाका है जहां पर फ्लड लगता है। जब फ्लड आता है तो लोगों को देहातो से निकलने के लिए रास्ता नही रहता। ये सडके जो मै अभी बता रहा हूं, इनको बनाना फ्लड की दृश्टी से भी ठीक रहेगा। एक है

तलाकौर से बाल छप्पर। एक है सुलतानपुर से मुस्तफाबाद। एक है कंजल से हाफिजपुर। एक है काबलपुर से गोलहनी। एक है सुढेल से रुलहा खेडी। एक है सारन बस स्टैंड से गांव की फिरनी तक। यह जो सडक है यह गांव में जाती है और कच्ची सडक है। लगभग पौना किलोमीटर की लम्बाई होगीं। इसी तरह से एक गांव हमारा बंटा हुआ है। जो सडक को मिलाना है वह है फरीदपुर से कूलपुर तक। मै यह कहूंगा कि इसी तरह से एक सडक सभापुर ग्राम की भी बनाना जरुरी है जो यमुना नगर के पास है। इसकी तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही मेरे हल्के में पिछले दिनो सरकर के आने के बाद एक टैम्पोरेरी पुलिस पोस्ट बिलासपुर के पास बैठायी गई थी। वहां पर मेला मंचतीर्थी लगता है। कुछ टैं ान हो गयी थी इसलिए वहां पर पुलिस पोस्ट बैठाई गयी थी। मैने मांग की थी कि उसको परमानैंट बनाया जाए क्योंकि थाना छप्पर उस इलाके से काफी दूर पडता है। अगर वह पुलिस पोस्ट परमानैंट बना दी जाती है तो वह बीच में आ जाती हे क्योंकि थाना छप्पर का वहां से भी आगे इलाका है। पता नही परमानैंट करने की बजाए किन कारणों से वह पुलिस पोस्ट हटा दी गयी है। मै यह प्रार्थना अपने मुख्य मंत्री महोदय से करुंगा कि पंचकूइंया मे जो टैमपोरीरी पुलिस पोस्ट चालू की गयी थी, अगर उसको फिलहाल परमानैंट नही कर सकते तो टैम्पोरीरी तौर पर तो अव य ही चालू कर दिया जाए अगर हो सके तो उसको परमानैंट कर दिया जाए। वहां पर पहले एक डिस्पैंसरी बनाने की स्कीम भी थी। वहां पर कपालमोचन का जैसे मेला लगता है,

उसके कुछ दिन पहले वहां पर मेला लगता है। वहां पर आजकल डिस्पैंसरी नही है। हैल्थ मिनीस्टर महोदया यहां पर बैठी हुई है। मै उनको यह बताना चाहता हूं कि वहां पर एक डिस्पैंसरी की बडी मांग है। मै उनके ध्यान में यह लाना चाहूंगा कि वह इसके अलावा दो–तीन अस्पतालों के बारे में भी जरुर ध्यान दें। मुस्तफाबाद में जो अस्पताल है, वहां पर खास तौर पर ि ाकायत है कि वहां पर डाक्टर्ज का अभाव है या जो डाक्टर्ज वहां पर लगे है उनकी डयूटी का समय कम है। उसको ध्यान में रखकर वहां पर उसके ठीक किया जाए। स्पीकर साहब, सब से बडी बात मै स्कूलो के बारे में कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आ आप खत्म करिए।

डा0 बृज मोहनः स्पीकर साहब, दो स्कूल एक मुस्तफाबाद का है और दूसरा मुसीम्बल का है। ये दोनो पहले ही हाई स्कूल है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इनको बाहरवीं तक कर दिया जाए। इसके लिए मै सरकार का बहुत ही आभारी हूंगा। इन भाब्दो के साथ, आपके कहने के मुताबिक इस बजट का समर्थन करते हुए मै अपना स्थान लेता हूं।

श्री नर सिंह ढांडा (पाई): अध्यक्ष महोदय, 1988–89 का जो बजट हमारे उप–मुख्य मंत्री श्री बनारसी दास गुप्ता ने पे ा किया है, मै उसके समर्थन में थोडा सा कहना चाहूंगा। इस बजट को देखने से ऐसा लगता है कि वाकई मे चौधरी देवी लाल की

सरकार किसानो, मजदूरो, मेहनतक ा और दसतकारो की सरकार है। इसमें जो ब्यौरा दिया गया है उसमें बताया गया है कि हम 31 प्रति ात के करीब बिजली पर खर्च करेंगे, 17 प्रति ात के करीब सिंचाई पर खर्च करेंगे और 190 करोड के करीब समाज सेवाओ पर खर्च करेंगे। इस बजट में पूरी डिटेल से सारी बाते ंलिखी हुई है। अध्यक्ष महोदय, मै थोडा सा पीछे ले जाना चाहता हूं। इस चुनाव से पहले हरियाणा संघर्श समिति के नेता चौधरी देवी लाल और डा0 मंगल सैन हर स्टेज पर लोगो से कहते थे कि अगर हमारी सरकार आएगी तो हम बुढापा पैन् ान देंगे। चौधरी देवी लाल ने हर स्टेज पर कहा कि अगर हमारी सरकार होगी तो कुछ कर्जे माफ करेंगे और दरख्तों मे आधा हिस्सा किसानो का होगा। स्पीकर साहब, और भी बहुत सी सूविधाओं के बारे में चौधरी देवी लाल और डा0 मंगल सैन ने कहा। स्पीकर साहब, जहां तक कर्जे माफ करने की बात है, कांग्रेस के टाईम मेें बडे भारी मेले कर्जो के बारे में लगे और कांग्रेसी सरकारी सम्पत्ति को लुटाते रहे। जब चौधरी देवी लाल ने कर्जा माफ करने की बात कही थी तो चौधरी बंसी लाल ने कहा था कि मै राजीव गांधी की इजाजत से कर्जे माफ कर सकता हूं। चौधरी देवी लाल कर्जा माफ नही कर सकता लेकिन चौधरी देवी लाल ने यह साबित कर दिया, लोक दल, बी जे पी की सरकार ने यह साबित कर दिया की कर्जे माफ किए जा सकते हैं। स्पीकर साहब, जब गांव गांव के लोगों के पास लैटर जाते है कि आपका इतना मूलधन माफ कर दिया, इतना ब्याज माफ कर दिय तो किसान लोग, मजदूर और छोटे दुकानदार तथा

मेहनतक ालोग बडी राहत महसूस करते है। उन लोगो को चौधरी देवी लाल और डाक्टर मंगल सैन की बात याद आती है जो वे स्टेजो पर कहा करते थे। वे कहते है कि ये लोग जो कहा करते थे उसको इन्होने पूरा कर दिया हैं। स्पीकर साहब, बुढापा पैन ान सारी स्टेट में दी गई है। चार चार कि तें उन लोगो के पास पहुंच गई हैं। स्पीकर साहब, कोई भी बुढा आदमी चाहे वह किसी भी बिरादरी से ताल्लुक रखता है उसको पैन ान दी गई है। अगर उनको कहा गया कि दस रुपए इसमें से भेजो तो वे लोग कहते है कि चार सौ रुपए ले लो। पैन ान देने से उन लोगो का मान सम्मान बढा है। पहले उन बुढो का दवा दारु का कोई इन्तजाम नही था। अब पैन ान मिलने से वे दवा दारु का इंतजाम कर सकेंगे। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने दरख्तो में किसान का आधा हिस्सा रखा है। हम पहले कहा करते थे कि किसान के जिस खेत में कीकर या सफेदा के पेड लगे है उनसे किसान की फसल को काफी नुकसान होता है। जहां पर ये पेड हैं वहां पर फसल नही होती। चौधरी देवी लाल की सरकार ने हमारी उस बात को माना और उन पेडो में किसान का आधा हिस्सा कर दिया है। इसी तरह से, स्पीकर साहब, जब हरियाणा के बच्चे, हरियाणा के नौजवान बार बार इंटरव्यू पर जाते थे और निरा ा होकर लौटते थे तो उनको बहुत दुख होता था। उनको किराए के लिए खर्चा भी करना पडता था और उनका सिलैक ान भी नही होता था। आज हरियाणा के बेरोजगार नौजवान महसूस करते है कि चौधरी देवी लाल की सरकार ने उन बेरोजगार नौजवानो का, बूढो का,

किसानो का और मेहनतक ा लोगो का तथा मजदूरो का बहुत भला किया है और चौधरी देवी लाल की सरकार सही मायनो में जनता की सरकार है।

अध्यक्ष महोदय, मै ज्यादा न कहता हुआ इतना ही कहूंगा कि इस बजट में ि ाक्षा के बारे में, जन स्वास्थय के बारे में, सडको और भवनो के निर्माण के बारे में बहुत सा प्रोविजल रखा गया है। तरक्की के कामो की तरफ खास ध्यान दिया गया है। सचमुच ही यह बजट प्र ांसा के काबिल है। हरियाणा प्रदे ा के अन्दर पिछले दिनो काफी सुखा रहा जिसके कारण उन्नति के कामो में, विकास के कामो में थोडी सी ढील रही लेकिन इस बजट से ऐसा मालूम हुआ है कि इस बजट के द्वारा हमारी इस दयालु सरकार ने किसानो और गरीब वर्ग की काफी मदद की है। इस बजट से किसानो को काफी राहत मिली है लेकिन इसके साथ साथ मै अपने पाई हल्के का ध्यान इस सदन के द्वारा अपनी सरकार को दिलाना चाहता हूं कि 1976 से 1987 तक इस हलके में अपोजी ान के लोग ही रहे है जिस कारण से मेरा यह हल्का पिछडा रहा और यहां पर कोई भी विकास का काम नही हो पाया। चाहे जनता पार्टी की सरकार आई, चाहे कांग्रेस की सरकार आई तो भी कांग्रेस के विरुद्ध यहां से आदमी आया। इसिलिए वहां आज तक कोई विकास नही हो सका। स्पीकर साहब, मै बताना चाहताहूं कि 1970 से लेकर आज तक गांव धौंसा से खनौदा तक की तीन किलोमीटर का सडका का टुकडा है वह नही बनाया गया

है। और अगर कही धौंस से खनौदा तक जाना हो तो लोगो को कम से कम 20 किलोमीटर का चक्कर लगाकर जाना पडता है। इसी तरह से कठवाड से मुंदली का जो रास्ता है और दूसरा बाकल ओर बरोरा का रास्ता है, ये दोनो जगह केवल तीन किलोमीटर के सडके के टुकडे न बनने के कारण लोगो को काफी दूर दूर होकर जाना पडता है। बाकल से करोरा को अगर जाना हो तो तीन जिलो कुरुक्षेत्र, करनाल और जीन्द मे से लांघ कर जाना पडता है। स्पीकर साहब, आप ही अन्दाजा लगा सकते है कि इन छोटे छोटे सडक के टुकडो के न बनने के कारण लोगो को कितनी परे ाानी का सामना करना पड रहा है।

अध्यक्ष महोदय, पिछले 10 सालो से मेरे हल्के का विकास बिल्कुल रुका पडा है जिसकी तरफ आज तक किसी भी सरकार का ध्यान नही गया है। चाहे वह नहर का मामला हो, चाहे किसी स्कूल के अपग्रेडे ान का मामला था और चाहे किसी हस्पताल का मामला था, किसी भी लिहाज से आपे ले लें, पाई हल्के को हर लिहाज से पिछडा हुआ रखा गया है। इसलिए सरकार से मेरा निवेदन है कि मेरे इलाके की बहबूदी की और भी कुछ ध्यान दें।

अध्यक्ष महोदय, पिछे मैने चौधरी भजन लाल जी से एक प्र न के द्वारा पूछा था कि आदमपुर में कितने स्कूल अपग्रेड किए गए है चाहे प्राइमरी से मिडल और चाहे मिडल से हाई और पाई हल्के में कितने अपग्रेड किए गए है तो उन्होने जबाव दिया कि

आदमपुर में 31 और पाई में केवल एक। जब मैने पूछा कि ऐसा क्यो किया गया है तो उन्होने कहा कि वह इलाका बैकवर्ड है और जब यह पूछा गया कि वहां पर नौकरियां क्यों ज्यादा दी गई है तो कहते है कि इलका फारवर्ड है। इस तरह की बातें कह करके जनता को गुमराह किया जाता रहा है।

अध्यक्ष महोदय, इसलिए हम चौधरी देवी लाल जी की सरकार और भारतीय जनता पार्टी की मिली जुली सरकार से यह पूरी तरह से आ ाएं बांधे बैठे है कि पाई हल्के के अन्दर चाहे वहां स्कूल अपग्रेडे ान की बात हो, चाहे सडको और भवनो की बात हो, अव य की ध्यान दिया जाएगा। गुलयाना और सौंगरी में आप जाकर स्कूलो की हालत देखें तो आपको पता लग जाएगा कि उनकी छतें गिरने वाली है। पिछली जो कांग्रेस की सरकार थी, उसने स्कुलो के अपग्रेडे ान के बारे में कोई ध्यान नही दिया था लेकिन इस हमारी लोकप्रिय सरकार के आने पर कुछ उम्मीदें बनी है कि यह इस ओर ध्यान देगी। मै इस सरकार को यह बताना चाहता हूं कि सौंगरी का इलाका चूंकि लोहारु से ज्यादा बैकवर्ड है इसलिए इस और सरकार को ज्यादा ध्यान देना चाहिए। मेरे हल्के में बहुत गांव ऐसे है जो कि नहर की टेल पर है वहां लोगों को आबपा ी के लिए पानी न मिलने के कारण काफी दिक्कतें हो रही है और साथ में कुछ छुट–पुट पानी की चोरियां भी होती रहती है। कांग्रेस के टाइम पर जो नहरो की लाइनिंग का काम था, वह भी अच्छा नही था। उन में से पानी रिसता रहता

है और पानी रास्तें में ही रह जाता है जिसकी वजह से पानी आखिर तक नही पहुंच पाता। इस ओर सरकार को खास तवज्जोह देनी चाहिए। इस बात को ध्यान मे रखते हुए चौधरी देवी लाल जी ने ठीक ही किया है कि जो पानी की चोरी करता है उसको दो बार पानी की बारी से महरुम कर दिया जाए। यह बहुत अच्छी बात की है।

अध्यक्ष महोदय, मै सरकार से यह निवेदन करना चाहता हूं कि मेरे इलाके में पानी की बहुत ज्यादा दिक्कत है। वहां पर टयूबवैल कामयाब नही हो सकते क्योंकि उस इलाके के जितने गांव है, वे सभी टेल पर है। इसलिए वहां पर नहर का पूरा पानी आखिर तक नही पहुंच पाता है लेकिन आज किसान इस बात को सोचता है कि हमें इस लोकप्रिय सरकार से पूरा पूरा हक मिलना चाहिए। जिस तरह से हरियाणा के अंदर दूसरे इलाको में स्कूलो के अपग्रेडे ान का काम हो रहा है, नहरें बनवाइ जा रही हे, भवन निर्माण किए जा रहे है और हस्पतालो का निर्माण किया जा रहा है उसी तरह से हमारे इलाके के लोग भी इस चौधरी देवी लाल जी की सरकार से यह उम्मीदें लगाए बैठे है कि सरकार हमारे इलाके में भी इस तरह के तरक्की के काम करवाएगी और हमेंभी कुछ राहत मिलेगी जिस तरह से दूसरे इलाकों को इस सरकार ने दी है। मै अध्यक्ष महोदय अपनी सरकार से इस बात की पूरी उम्मीद करता हूं कि यह सरकार मेरे हल्के पाई को हर लिहाज से उपर उठाने का प्रयत्न करेगी ताकि इसका विकास हो सके।

श्री हीरा नन्द आर्य (लोहारु): अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री महोदय द्वारा प्रस्तुत बजट पर विचार विम र्ा चल रहा है। हमारे वित्त मंत्री महोदय जोकि उप मुख्य मंत्री भी है उन्होने चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व वाली सरकार का 1988–89 का पहला बजट पे ा किया है। उन्होने 600 करोड के करीब का प्लान बजट और साढे 1400 करोड रुपए का नान प्लान बजट प्रस्तुत किया है जबकि पिछले वर्श का 439 करोड रुपए का प्लान बजट था। माननीय उप मुख्य मंत्री जी ने जिस प्रकार से सुव्यवस्थित तरीके से बजट प्रस्तुत किया है वह सराहनीय है। पिछली कांग्रेस सरकार ने चुनावो के बहाने से सारे साधनो को बिखेर दिया था और इस ढंग से सारे साधन अव्यवस्थित कर दिये थे कि उनको सही करना बहुत मुि कल था। चुनावो के नाम पर हरियाणा के भोले भाले लोगो को उस कांग्रेस पार्टी की सरकार ने बहकाया। उस सरकार ने कहीं पर किसी काम के लिए नींव पत्थर रख दिया और कही पर लोगो से यह कह दिया कि हम यह काम करेंगे। कहीं पर बिजली के खम्भे डाल दिए और कही पर बिजली की तारें डाल दी। इस तरह से करके उस कांग्रेस पार्टी की सरकार ने हरियाणा प्रदे ा की आर्थिक स्थिती को इस हद तक पहुंचा दिया था कि उसको संभाल पाना बहुत मुि कल था। यदि चौधरी देवी लाल जी की सरकार नही होती तो पता नही हरियाणा के कर्मचारियों को समय पर वेतन मिल पाता या नही। इसलिए चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व में जो सरकार है उसको यह कडिट जाता है और वे बधाई के पात्र है कि उनहोने आर्थिक दृश्टी से हरियाणा की गाडी

लाइन पर चढा दी। इसके अलावा मै सरकार का ध्यान कुछ बातों की तरफ दिलाना चाहूंगा। पिछली कांग्रेस पार्टी की सरकार बहुत गलत तरीके से पैसे का इस्तेमाल करती रही। हमारा प्रदे ा कृशि प्रधान दे ा है और कृशि प्रधान दे ा होने के नाते जिस प्रकार से इसकी तरफ ध्यान देना चाहिए था उस सरकार ने नही दिया। अध्यक्ष महोदय, एक केस आपके सामने आया है जो कि स्प्रे पम्प के बारे में है। उसमें 205 रुपए सैंट्रल एड दी जानी चाहिए थी वह नही दी गई। इस प्रकार से इस मामले में 410 लाख रुपए कम सबसिडी दी गई। इस बारे कंसर्ड और पुलिस ने कोई कार्यवाही नही की। जिन लोगो के खिलाफ एफ आई आर दर्ज हुई थी उन लोगो के मार्च 1985 से ले कर आज तक कोई चालान पे ा नही किए गए। चालान पे ा इसलिए नही किए गए क्योंकि उनकी बीच में मिली भगत हो जाती है। इस प्रकार के लोग अब भी है। पिछले साल 1987–88 में जो कीटना ाक दवाईयां खरीदी गई वह एक करोड 51 लाख रुपए से अधिक की खरीदी गई थी। वह दवाईयां इसी महीने की 25 तारीख को खरीदी गई थी। यदि उन दवाईयों की खरीद के बारे में यह कह दिया जाए कि उसमें सरासर किसानो को लूटा गया हैतो गलत नही होगा। मै तो यह कहूंगा कि चौधरी देवी लाल जी के समय में किसानो के साथ इस तरह की लूट हो जाए तो उसके बाद बचने के लिए कोई चारा नही रह जाता है। इसके अलावा एक बडी गजब की बात देखने में आई है। एक क्वालिटी कंट्रोल इंस्पेक्टर होता है। वह जिस डिलर से सैम्पल लेता है उसका सारा पता बता देता है कि उसका सैम्पल

किस लैबोरेट्री में भेजा जाएगा। इसके अलावा उस इंसपैक्टर के पास एक कोड होता है ताकि वह डिलर वहां तक पहुंच सके। उन इंस्पैक्टर्स को यह हिदायतें है कि जो दवाईयो के सैम्पल लिए जाएं वे हिसार और करनाल की लौरेट्रीज में भेजे जाएं क्योंकि यदि दूसरी किसी लैबोरेट्री मे सैम्पल भेजा जाए तो वह 250 या तीन सौ रुपए फीस ले लेती है। यदि क्वालिटी कंट्रोल इंस्पैक्टर दवाईयों के सैम्पल लेकर लैबोरेट्री को भेजते है तो इसमें भ्रश्टाचार की पूरी पूरी गूंजाइ ा रह जाती है क्योंकि ये डीलर्ज को यह बता देते है कि उनका सैम्पल कौन सी लैबोरेट्री में भेजा जाएगा जबकि उनको उस बारे में नही बताना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, ऐल्ड्रीन के 11 सैम्पल तो दवाई खरीदने के पहले लिए गए थे पिछले दिनो कीटना ाक दवाईयां गई जिस पर 1,53,17,681 रुपए खर्च किए जिसमें से छः सैम्पल फेल आए। इसी प्रकार से एस्टोलीन दवाई के 38 सैम्पल लिए गए थे इनमें से 21 पास हुए और बाकी सैम्पल फेल पाए गए थे। सिर्फ दवाई को खरीद से ही यह संबंधित बात मै नही कर रहा। अध्यक्ष महोदय, यदि सही दवाइ की खरीद की जाती तो एक तो किसान का जो पैसा बर्बाद हुआ है वह बच सकता था और दूसरे जो किसानो को और सरकार को करोडो रुपए की हानि हुई है वह बच सकती थी। अगर दवाई की ठीक खरीद की होती तो फसलो में जो बीमारी (कीडे आदि) लगी है वह न लगती। दवाई सिर्फ डीलर ने ही गलत सप्लाई नही की बल्कि सरकारी एजैंसी जैसे हैफेड वगैरा ने जो दवाईयां खरीदी है, वे भी ठीक नही पाई गई। इतना ही नही

आई0 एस0 आई0 मार्क चीजे जो किसान अपने लिए खरीदते है वे भी नाम तो आई0 एस0 आई0 मार्क होती है लेकिन असल में कुछ और होती है। मै आपको यह भी बताना चाहूंगा कि पिछे सरसो पर चेपा लग गया था। किसानो ने सरसो को चेपे से बचाने के लिए जो दवाई खरीदी वह भी बेकार थी। इसी प्रकार से कई स्थानो पर चने की फसल भी 50 प्रति ात से लेकर 100 प्रति ात तक खराब हुई है। जब किसान लोग या हमारे जैसे ि ाकायत करते है तो उनके खिलाफ ऐक ान सिर्फ लाईसिंसीज कैंलि करने तक ही लिया जाता है। बाद में किसी न किसी तरीके से उनका लाईसैंस रिस्टोर हो जाता है। यदि लाईसैंस रिस्टोर नही हो पाता है वे उसी लाईसैंस को किसी दूसरे के नाम से लेकर अपना काम चलाते रहते है। इसके लिए मै चाहता हूं कि जो लोग किसानो को धोखा देते है उनके लिए सरकार ऐसा काई कानून बनाए जिससे वे बच न सके। सरकार किसानो को होने वाले खराये के लिए खुद संबंधित डीलर के खिलाफ प्रासिक्यू ान करें, क्योंकि किसान तो बेचारा पहले ही गरीबी का मारा हुआ है। वह तो कुछ कर नही पाता और न ही उसके पास इतना समय होता कि वह गलत दवाई देने वाले डीलर के खिलाफ अपने हर्जाने के लिए केस लडता फिरे। सरकार खुद को प्रोसीक्यूटकरके किसान को हर्जाना दिलवाने की कोि ा ा करे ताकि किसान को बर्बाद होने से बचाया जा सके। अध्यक्ष महोदय, अब मै स्प्रिकलर सैटस की खरीद के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। स्प्रिंकलर सैटस जो इरीगे ान डिपार्टमैंटकी खरीद होती है उसमें और जो किसान अपना लोन

लेकर कही ये स्प्रिकलर सैटस खरीदता है, की कीमत में 97 रुपए 80 पैसे 20 फूट के एक पाईप में अन्तर होता है। इस के साईज मे, लम्बाई में या दूसरी तरह की क्वालिटी में कोई फर्क नही होता लेकिन किसान को सिंचाई विभाग के जरिए अधिक पैसो पर यह सैट मिलता है। पीछे एक बार लोकदल पार्टी की बैठक हुई थी। उस बैठक में भी मैम्बरान साहेबान का यह विचार था कि किसान के लिए बिचौलिया प्रथा समाप्त कर दी जानी चाहिए। जब इसका हम जिक्र करते है तो हमें उतर मिलता है कि इससे गडबड अधिक होगी। मै बताना चाहूंगा कि गडबड हमें उतर मिलता है इससे गडबड अधिक होगी। मै बताना चाहूंगा कि गडबड अब कौन सी कम हो रही है। अब भी तो संबंधित महकमे के लोग बैंक वालो से या डीलरो से मिल कर गडबड करते है। किसानो से बैंको वाले और डीलर्ज दोनो पैसा लेते है। किसान को बिचौलियो से कोई चीज खरीदने के लिए 500 रुपए से 1000 रुपए देने पड रहे है। इस बारे में मेरी सरकार से प्रार्थना है कि किसान को डायरैक्ट पेमैंट की जाए ताकि किसान की लुटाई कम हो सके। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) इसी तरह उपाध्यक्ष महोदय मै एक और चर्चा करना चाहता हूं। पिछले चुनाव के वायदे के अनुसार देहात के पिछडे, हरिजन और गरीब लोगो को पंचायत की भामलात जीमन से प्लाटस दिए। इसी तरह से भाहरो में भाोशित और पिछडे और हरिजनो को भी प्लाटस देने का वायदा किया था लेकिन भाहरो में हाउसिंग प्लान को मैने देखा है इसमें पिछले तीन सालो से कोई पैसे का प्रावधान नही किया गया है। अगर

कुछ पैसे का प्रावधान किया गया था तो म्यूनिसिपल कमेटी की गन्दी बस्तियों के लिए किया गया था। 1986–87 में तीन करोड, 1987–88 में एक करोड से ज्यादा और 1988–89 में भी एक करोड का प्रावधान किया जाए। चुनाव के दौरान और भी वायदे किए थे कि हुडडा की ओर से जो गडबड घोटाला हुआ है उसके लिए एक जांच समिति बैठाएंगे और जब तक वह समिति फैसला नही करेगी तब तक किसी किस्म की कीमत प्लोट होल्डर्ज की नही बढाएंगे। वह जांच समिति भाायद अभी बैठायी नही गई है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि प्लाट होल्डर्ज के साथ जो गडबड की गई है उसके लिए जांच समिति बैठाई जाए। दूसरे जो पहले कौलानाइजर्ज से पचास परसैन्ट डिवलपमैंट चार्जिज लिए जाते थे अब कौलोनाइजर्ज की बजाए प्लाट होल्डर्ज से सैंट परसैंट लिए जाते है। इस बारे में भी सरकार विचार कर ले तो अच्छा रहेगा। उपध्यक्ष महोदय, आप यह भी जानते है कि लोक राज लोक लाज से चलता है। इसलिए चौधरी देवी लाल का यह नारा कि भ्रश्टाचार बन्द करो, वह बहुत अच्छा है। सरकार ने जो ऐन्टी करप्ान बोर्ड बनाया है, उसमें काफी सफलता मिल रही है। लेकिन मै आपके जरिए प्रार्थना करुंगा कि लोक आयुक्त की भी नियुक्ति की जाए ताकि जो हमने वचन दिया था उस वचन के मुताबिक काम कर सकें। हमारी सरकार ने और भी बहुत से काम किए है। हमारी सरकार ने जितनी जल्दी से काम किया है उसका सारे हिन्दुस्तान में रिकार्ड है चाहे वह कर्जा माफी का है, चाहे बुढापा पैन्ान का है और चाहे कहत में चारा सप्लाई का है।

इसी प्रकार से बिजली की सप्लाई में भी हमारी सरकार ने बहुत काम किया है। हिन्दुस्तान के किसी भी प्रदे ा की सरकार ने इतनी जल्दी से इतने काम नही किए।

इसी तरह से मै ि ाक्षा के लिए भी कहना चाहूंगा। ि ाक्षा में प्राइमरी स्कूल मुख्य है। प्राइमरी ि ाक्षा का डायरैक्टोरेट अलग से होना चाहिए ताकि उन्हे भी प्रमो ान के लिए मौका मिल सके। ऐसा करने से वे अपने काम में अधिक दिलचस्पी लेंगे। मै आपके द्वारा यह भी गुजारि ा करुंगा कि ऐजुके ान के सिलसिले में पिछली सरकार ने कई घोशणाएं की थी। उन घोशणओं को लागू किया जाए। जिस प्रकार पी0 टी0 आई0 को तीन ऐडवांस इंक्रीमैंट देना, हिन्दी अध्यापको को संस्कृत अध्यापको के बराबर ग्रेड देना आदि है। इसी प्रकार के मुख्य अध्यापक को गजटिड करार दिया गया था लेकिन अभी तक वे आर्डर इम्पलीमैंट नही हुए है। इसलिए उन्हे इम्पलीमैंट करें।

भिवानी के अन्दर मुख्य मंत्री महोदय ने ऐलान किया था कि सूखाग्रस्त इलाके के जो बच्चे कालेज में पढते है उनकी फीस माफ की जाएगी लेकिन वे आदे ा अभी तक नही पहुंचे है। वे आदे ा तुरन्त जारी किए जाएं ताकि पिछडे और कहत से पीडित लोगों को ठीक समय पर सहायता मिल सके।

उपाध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहूंगा कि पैं ान के जो नये ग्रेउ लागू किये गये है, वह जनवरी 1986 की बजाए

1जनवरी 1988 से लागू किये गये है (विघ्न्) मै सरकार से प्रार्थना करुंगा कि यह ग्रेड जनवरी, 1986 को दिए जाएं। इस बारे पुनर्विचार किया जाए।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मै प्रार्थना करुंगा कि जिस तरह जो मकैनिकल कर्मचारी 240 दिन से ज्यादा की सेवा पूर्ण कर लेते है उनको रैगुलर कर दिया जाता है उसी तरह से ि ाक्षको के लिए भी मै चाहूंगा कि 240 दिन की सेवा करने पर उन्हे भी रैगुलर किया जाए। इससे उन्हे बडी राहत मिलेगी। पहली सरकार ने ऐसे कर्मचारियों को रेगुलर करने का वायदा किया था और उस समय चीफ सैक्रेटरी साहब की तरफ से यह आदे ा जारी किए गये थे:—

"After careful consideration it has now been decided that the services of all the workcharged employees working in the Haryana State, who have completed 4 years or more continuous service on 31st December, 1986 should be regularized."

मकैनिकल कर्मचारियों के लिए यह फैसला किया गया था। यह कर्मचारी दस हजार से कम नही होगे जिन्हे इससे लाभ मिलता। पिछली सरकार अपने किए हुए वायदे से बैकआउट कर गई है लेकिन मै चाहूंगा कि हमें पिछली सरकार के उस फैसले का आनर करते हुए जिन मकैनिकल कर्मचारियों की सेवा 240 दिन की पूर्ण हो चुकी है उन्हे रैगुलाईज करने के कदम उठाने चाहिएं।

उपाध्यक्ष महोदय, इससे आगे मै प्रार्थना करुंगा कि देहात के लिए स्कूलो तथा ऐजूके ान की ओर वि ोश ध्यान दिया जाए। जिन कर्मचारियों को हाउस रैन्ट नही दिया गया उनको पांच प्रति ात बैकवर्ड अलाउंस दिया गया है। इस बारे में मै यह कहना चाहूंगा कि हाउस रैन्ट के साथ साथ यदि बैकवर्ड अलाउंस भी दे दिया जाए तो बेहतर है। लेकिन मै बतट में कमी को देखते हुए इस बारे में एक सुझाव रखना चाहूंगा कि जो कर्मचारी देहात में घर के पास रहते है और जो कर्मचारी भाहर में अपने घरो में रहते है उनको हाउस रैन्ट न दिया जाए। जो कर्मचारी देहात मे अपने घर से 10 किलोमीटर की दूरी पर पोस्टिड हो, क्योंकि देहात में आने जाने के साधनो की कमी है, और जो कर्मचारी भाहर से बीस किलोमीटर के एरिया में अपने घरो में रहते है, उन्हे हाउस रैन्ट न दिया जाए। इस प्रकार धन की कमी कुछ हद तक दूर हो सकती है।

उपाध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि मालिक और मजदूर के बीच में इंडस्ट्रीयल झगडे होते है। मै यह निवेदन करुंगा कि उन झगडो को निपटाने के मामले श्रम विभाग को न दिए जाएं बल्कि सरकार द्वारा सीधे ही ट्रिब्यूनल को सौंपे जाएं। कानून में इस आ ाय को सं ाोधन भी कर दिया जाना चाहिए। मजदूरो ने भी इस सरकार को पावर में लाने के लिए बहुत सहयोग दिया है। अतः इससे उन्हे कुछ राहत जरुर मिलेगी और उनके दुख दर्द भी कुछ कम होंगे।

उपाध्यक्ष महोदय, इससे आगे मै यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा राज्यमें स्प्रिकलर पम्प सैटो पर टैक्स की छूट नही है। सैन्टर गवर्नमैंट की तरफ से स्प्रिंकलर पम्प सैटो की खरीद पर सबसिडी दी जाती है। हरियाणा में ऐग्रीकल्चर औजारो की खरीद में दस हौर्स पावर की मोटर पर टैक्स माफ है लेकिन स्प्रिंकलर पम्प सैटो पर टैक्स की माफी नही है और न ही ऐसा कोई प्रावधान है। मै यह निवेदन करुंगा कि सरकार इस टैक्स को माफ करने की कृपा करे ताकि किसानो को इससे लाभ मिल सके। सबसिडी के लिए 90 लाख रुपए की रा ि ा का प्रोविजन किया गया है जबकि साठ–सत्तर लाख रुपये तो सेल टैक्स ही ले लिया जाता है। किसान को धन जुटाने में दिक्कत आती है। उसको बिचौलिये ही खा जाते है। इसलिए मै अनुरोध करुंगा कि स्प्रिंकलर पम्प सैटो पर टैक्स माफ कर दिया जाए और सबसिडी चाहे न दी जाए। यदि सबसिडी भी दी जा सकती है तो यह बहुत अच्छी बात है। (घण्टी)

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मै और कहना चाहता हूं कि अन्य प्रदे ाो की भांति खादी बोर्ड की चीजो पर और झोटे बुग्गी पर बिक्री कर समाप्त होना चाहिए। इसी तरह से हमारी सरकार ने अनेको कदम उठाए है उनके साथ साथ मैं यह भी प्रार्थना करुंगा कि जहां मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाया है, मोरनी हिल्ज का बनाया है उसी तरह से एक डैजर्ट बोर्ड भी बनाया जाए ताकि डैजर्ट एरियाज के लोगो का भी भला हो सके। मुख्य मंत्री महोदय जब

पिछली बार 1977 में भी मुख्य मंत्री थे तो ये लोहारु में एक पोलैटक्निक का ऐलान करके आए थे। इन्होने एक पब्लिक मीटिंग में उसका बकायदा ऐलान किया था। लेकिन दुर्भाग्य से कुछ समय बाद ये मुख्य मंत्री नही रहे और दूसरी सरकार ने उस पौलैटैक्निक को आदमपुर में भेज दिया। इसलिए मै प्रार्थना करुंगा कि अगर किसी वजह से पौलैटैक्निक न बन सके तो आई0 टी0 आई की ही घोशणा कर दें। इन्होने 21 दिसम्बर, 1978 को जलसे में यह भी ऐलान किया था कि हमारे वहां हैफेड द्वारा एक ऊन का मिल लगाया जाएगा। वहां पर वूल ग्रेडिंग सैन्टर तो है लेकिन मिल नही है। उस मिल के लिए फाइल तैयार हो गई थी लेकिन सरकार बदलने के कारण कोआप्रे ान मिनिस्टर दूसरे आ गए। उन्होने वहां की बजाए उस मिल को भिवानी ले जाने का प्रयत्न किया। नतीजा यह हुआ कि वह मिल कहीं भी नही लग पाया। इसलिए मैं प्रार्थना करुंगा कि अगले साल से उस ऊन मिल का ऐलान कर दें ताकि वहां के लोगो को भी सहारा मिल सके। जे0 बी0 टी0 सैंटर के लिए जो पिछले सै ान में आ वासन दिया था वह तो खुल ही जाएगा। धन्यवाद।

श्री मांगे राम (बहादुर गढ): उपाध्यक्ष महोदय, मै वर्श 1988–89 के बजट का समर्थन करने के लिए खडा हुआ हू। डिप्टी स्पीकर साहब, पहले बंसी लाल और भजन लाल तथा उनके एम0 एल0 एज0 सारा बजट खुद ही खा जाया करते थे। पिछले 40 साल की आजादी के बाद रोहतक जिले के अन्दर सिर्फ 1977–78

में ही काम हुआ लेकिन कांग्रेस सरकारो ने रोहतक जिले में एक भी पैसा खर्च नही किया। हमारे रोहतक जिले के अन्दर सडको की बहुत खराब हालत है। जैसे हिमाचल की सडके टेढी मेढी है, हमारी सडके उंची नीची है। हमारे बहादुरगढ थाने में कांग्रेस वालो के 11 ट्रक तारकोल के पकडे गए थे जिसे कांग्रेस वाले खा गए। मेरे हलके के अन्दर बहुत जूल्म किया गया। वहां पर कोई भी सरकारी बिल्डिंग नही है और न ही कोई रोड है। सूखी रोडी पडी है। मेरे हलके के अंदर केवल एक पी0 डब्लयू0 डी0 का रैस्ट हाउस है वह भी औरंगजेब वहां से गुजर रहा था, वह बना गया। उसके अलावा एक भी सरकारी बिल्डिंग नही है। डिप्टी स्पीकर साहब, बहादुरगढ गेटवे आफ हरियाणा के नाम से जाना जाता है। 132 के0 वी0 का पावर हाउस झज्जर के अंदर है, कोसली के अन्दर है और रोहतक के अंदर है लेकिन बहादुरगढ के अन्दर नही है। वह इसलिए नही है क्योंकि मेरे क्षेत्र से आज तक कोइ कांग्रेस का आदमी अपनी जमानत भी नही बचा पाया है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से अपने आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय से यह निवेदन करना चाहूंगा कि बहादुरगढ के अंदर 560 फैक्ट्रीज थी उनमें से 540 फैक्ट्रीज वहां से उठकर बाहर चली गयी है। यह केवल कांग्रेसीयों की गलत नीतियों के कारण गयी है। बहादुरगढ के अन्दर 132 के0 वी0 का पावर हाउस बनाया जाए ताकि वहां पर फैक्ट्रीज दिल्ली से वापिस आ सके। पहले मेरे क्षेत्र के अंदर नहरी पानी की बहुत कमी थी और नहर की टेल तक पानी नही पहुंचता था। पिछले 5 साल के अन्दर ऐसी हालत नही रही है जितनी

अच्छी हालत अब की बार रही है। उसके लिए हमारे आई0 पी0 एम0 साहब की जितनी तारीफ की जाये, वह कम है। पहली बार सारे हरियाणा में नहर की टेल तक पानी पहुंचा है। पिछले 40 साल के दौरान मेरे हलके में नहर की टेल तक कभी पानी नही गया। 38 गांव मेरे हल्के के अन्दर है 32 गांव नहरी पानी से भर गये। 28 गावों की मिटटी जोहडो में से उठायी गयी। कांग्रेस की सरकार ने क्या कभी इस तरह से जोहड भरे थे? मेरे क्षेत्र की तरफ तो ध्यान नही दिया जाता था। मै जितने दुख उ समय के बताऊ उतने ही थोडे है। 1977 और 1978 के अन्दर चौधरी देवी ला की सरकार ने बहादुरगढ मे ंवै य आर्य कन्या महाविद्याालय में बी0 एड0 की क्लासिज भ्ाुरु करवाई थी लेकिन उसके बाद 1982 मे जब कांग्रेस के एम0 एल0 ए0 वहां से हार गये तो उस महाविद्यालय में बी0 एड0 की क्लासिज बंद करा दी गयी। मेरी प्रार्थना है कि उस महाविद्यालय में बी0 एड0 क्लासिज दोबारा भ्ाुरु करवाई जाएं। यही नही, बहादुरगढ के साथ और भी बहुत सी ज्यादतियां की गयी। जैसे बहादुरगढ से चंडीगढ और बहादुरगढ से दिल्ली दो बसें चला करती थी वह भी कांग्रेस सरकार ने बन्द कर दी थी। लेकिन अब बहादुरगढ से चंडीगढ के लिए दो और बहादुरगढ से दिल्ली के लिए चार बसे चलने लग रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै कल ही बी0 डी0 ओ0 साहब से मिला था। मेरे पास आंकडे है। यह मेरे अपने आंकडे नही है। पिछले 5 साल के दौरान कांग्रेसी सरकार ने जितना रुपया मेरे ब्लॉक को दिया था, उससे ज्यादा रुपया पिछले 8 महीने के दौरान चौधरी देवी लाल

की सरकान ने दिया है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै ईमानदारी की बात बताऊं। बसी लाल और उसका लडका सुरेन्दर सिंह मेरे हल्के के अन्दर जाकर के 60 हजार रुपया मन्थली बोर्डर का एरिया होने के नो लिया करते थे। (व्यवधान एवं भाोर) यही नही चौधरी तैयब हुसैन ने जो डी0 एस0 पी0 लगवाये थे, उनसे 45 हजार रुपया महीने का लिया करते थे। यह तो रिकार्ड की बात है। मै आज कांग्रेस के 5 एम एल ए को निमंत्रण देता हूं कि वह मुझे एक जगह भी ऐसी दिखा दें। चौधरी देवी लाल का राज तो राम राज के समान है। अगर इस राज में कोई भी पैसा लेता हो तो बता दें। इनके टाईम में तो रेहडी वालो से पुलिस वाले केले ले लिया करते थे, रिक ाा वाले को बिना किराये दिये ले जाया करते थे। मै और क्या क्या बताऊ? मै 1982 में चण्डीगढ से बहादुरगढ जाया करता था। जगह–जगह पुलिस की वर्दी वाले खडे रहते थे और ट्रक वालो को धेरे रहते थे।

चौधरी तैयब हुसैनः इस बात के लिए हमें ट्रफिक पुलिस की तारीफ करनी चाहिए।

श्री मांगे रामः नही जी, मेरे पास भी उस वक्त ट्रक था। मेरे से भी वे मन्थली लिया करते थे। (ाोर)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी वीरेन्द्र सिंह): इनसे नही, इनके ड्राईवर और कंडक्टर से मन्थली लिया करते थे, इनका यह तात्पर्य है।

चौधरी तैयब हुसैनः यह कोई लाईट बात नही है। इसकी सीरियसली समझ कर कहने की कोि ा ा करनी चाहिए।

16:00 बजे

श्री मांगे रामः डिप्टी स्पीकर साहब, मै इस सदन को मन्दिर समझता हूं। मै जब तक मन्दिर नही हो आता तब तक एक चाय का प्याला भी नही पीता हूं। मैने जिंदगी में कभी झूठ नही बोला। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हलके के साथ जितना जुल्म कांग्रेस के राज में किया गया उतना कभी नही हुआ। मै तो लोगो से प्रार्थना करता हूं कि जैसे नागफन के बीज खत्म कर दिया उसी तरह से जनता कांग्रेस का नामोनि ाान मिटा दें। चौधरी देवी लाल ने चार पांच लाख रुपया एक महीने में भेज दिया उससे मेरे यहां अस्पताल बन गया। ग्यारह लाख रुपया चला गया उससे मिनि सैक्रीटेरिएट बन गया। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे यहां चाय पीने का भी अच्छा इन्तजाम हो गया है। मै इतना ही कहकर खत्म करता हूं।

श्री रघु यादवः उपाध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने का समय दिया जाए।

श्री उपाध्यक्षः आप पहले बोल चुके है।

श्री रघु यादवः उपाध्यक्ष महोदय, कुछ ऐसे मैम्बर्ज भी है जो दोनो विशयों पर बोले है। इसलिए मुझे भी बोलने का समय दिया जाए।

श्री उपाध्यक्षः आप बैठ जाए।

श्री रघु यादवः उपाध्यक्ष महोदय, मुझे भी तो बोलना है (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः आप बैठ जाए। सदन के कुछ रुल्ज है। आप उनके मुताबिक चलें।

श्री रघु यादवः हम आह भी भरते है तो हो जाते हैं बदनाम,

वे कत्ल भी करते ळे तो चर्चा नही होती। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः श्री वेद सिंह मलिक।

श्री वेद सिंह मलिक (कैलाना): उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने जो 1988–89 का बजट पे ा किया है, मै उसके बारे में कहना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट में कोई टैक्स नही लगाया गया बल्कि किसान, मजदूर और व्यापारियों को छूट दी गई है। उपाध्यक्ष महोदय, टैक्स घटाएं गए है, कोई नया टैक्स नही लगाया गया है। इसके लिए मै अपनी सरकार को बधाई देता हूं। हमारे फाइनैंस मिनिस्टर ने बडी ही सूझबूझ से काम किया है। कोई टैक्स नही लगाया है बल्कि टैक्स कम किए है। उपाध्यक्ष महोदय, और भी बहुत सी चीजें है जिन पर इस सरकार ने टैक्स कम किया है। सुखे के बावजूद इस बार बिजली की पोजी ान

बहुत बढिया रही है। मै सदन में बताना चाहता हूं कि सदन के नेता ने और सिंचाई तथा बिजली मंत्री ने जितनी बिजली इस बार हरियाणा के किसानो, दस्तकारो, और उद्योगो को दी है कांग्रेस के राज में कभी नही मिली। सूखे के बावजूद किसानो को इस बार बिजली के बारे में कोई ि ाकायत नही रही। इस बारे में सरकार की जितनी तारीफ की जाए वह कम है। उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने बूढे लोगो को जो पैन् ान दी है उसके लिए भी यह सरकार बधाई की पात्र है। इससे गरीब और बूढे लोगो को बहुत भला होगा। इस सरकार ने भूमि विकास बैंक का ट्रैक्टरो का दस हजार का कज्र माफ करके बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। इसके लिए भी मै सरकार को बधाई देता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, अब मै अपने हलके की कुछ समस्याएं आपके सामने रखना चाहताहूं। मेरे हलके में तहसील गन्नौर है लेकिन वहां पर आज तक कोई सरकारी कालेज नही है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वहां पर कालेज का निम्रण कराना चाहिए। गन्नौर से सोनीपत दूर पडता है और सम्भाला भी दूर पडता है। इसलिए एक तहसील है लेकिन तहसील का कोई बिल्डिंग नही है। तहसील का दफ्तर कमेटी के दफ्तर की बिल्डिंग में लगाया जाता है। तहसील की बिल्डिंग के लिए जमीन एक्वायर कर रखी है लेकिन आज तक बिल्डिंग नही बनाई गई है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि गन्नौर मे तहसील की बिल्डिंग जल्दी से जल्दी बनाई जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, गन्नौर तहसील होने के बावजूद वहां पर कोई न तो बस डिपो है और न ही सब–बस डिपो है। वहां पर गावों में बस

सर्विस न के बराबर है। सोनीपत से एक दो बसें वहां आती है लेकिन गन्नौर से कोई बस कही नही जाती। सोनीपत या पानीपत के लिए भी कोई बस नही जाती।

डिप्टी स्पीकर साहब, इस के साथ मै यहां सदन के सम्मुख एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि भारत सरकार गन्नौर के अन्दर टेलीफोन ऐक्सचेंज लगाना चाहती है जिसके लिए हम जमीन देने के लिए तैयार है। भोश सारा खर्चा भारत सरकार ही वहन करेगी। इसलिए मेरा अपनी सरकार से अनुरोध है कि सरकार इस तरफ खास तवज्जोह दे ताकि वहां पर टेलीफोन ऐक्सचैंज का निर्माण करवाया जा सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे इलाके में बहुत कम यानि न के बराबर डिस्पैन्सरीज है। कही भी जाओ केवल 10 गावों के पीछे एक डिसपैंसरी मिलेगी जो उन सारे इलाके को फीड करती होगी। तो आप स्वयं ही यह अन्दाजा लगा सकते है कि इतनी बडी गन्नौर तहसील में डिस्पैंसरी की बहुत कमी है। इसलिए मेरी सरकार से गुजारि ा है कि वहां पर और डिस्पैंसरी खोली जाए।

जहां तक ट्रांसपोर्ट का ताल्लुक है, इस बारे में हमने मुख्य मंत्री महोदय को पहले भी कहा था और आज मै इस हाउस में माध्यम से ट्रांसपोर्ट मंत्री से कहना चाहता हू कि गन्नौर जी0 टी0 रोड पर स्थित है, वहां पर लम्बे रुल्ज़ वाली बसें, जैसे चण्डीगढ से दिल्ली व अम्बाला से दिल्ली जाने वाली बसे नही

रुकती है जिस कारण से लोगो को काफी दिक्कतो का सामना करना पडता है। इसलिए मेरी रिक्वैस्ट है कि इस तरह की लम्बे रुट्स वाली सभी बसें वहां रुक कर जानी चाहिए। यह समस्या कई बार सरकार के सामने रखी गई है। इसी तरह से सडको की हालत भी मेरे हल्के में बहुत खराब है। कई सडके टूटी फुटी पडी है उनकी मुरम्मत नही हो रही है। चौधरी देवी लाल जी की सरकार आने के बाद सडको की हालत काफी हद तक सुधरी है। एक आध सडक हमारे हलके में बनी भी है और मुरम्मत भी हुई है। फिर भी कुछेक सडकें ऐसी है जिनकी ओर ध्यान दिया जाना बहुत जरुरी है क्योंकि लोगो को आने जाने में काफी दिक्कत होती है।

इसी तरह से मै बिजली लाइनो के बारे में भी कुछ कहना चाहता हूं। बिजली की लाईने गावों के उपर से होकर जाती है जिनको जल्दी से जल्दी बदला जाना बहुत जरुरी है। इसके लिए मै आई पी एम साहब से दरखास्त करुंगा कि उन लाईनो को जल्दी ही बदलवाया जाएं। उनके न बदले जाने से लोगो को नुकसान होगा। मै आपको बताना चाहता हूं कि गांव बेगा में जोहड में नही रही पांच भैंसो को बिजली का करन्ट लगा और वे मौके पर ही मर गयी। इसलिए उन लाईनो को जल्द से जल्द ही बदलवाया जाए ताकि लोगो को कोई परे ाानी न हो।

इसी तरह से चौपालो के बारे में भी मै जिक करना चाहूंगा कि कई चौपालो की छतें टूटी पडी है। बहुत बुरा हाल है

और उनके पास छतो की मुरम्मत के लिए पैसा नही है। हमारे सोनीपत में गन्नौर ब्लाक में सब से कम पैसा दिया गया है। इसलिए मेरा मुख्य मंत्री महोदय से यह निवेदन है कि हमारे ब्लाक को चौपालो के लिए ज्यादा से ज्यादा पैसा दिया जाए ताकि चौपालो की छतो की मुरम्मत करवाई जा सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, जन स्वास्थय मंत्री जी से मेरी एक अर्ज है कि हमारे हल्के में लोग डिग्गियों के पानी को नही पीते, टयूबवैल्ज का पानी पीना पसंद करते है क्योंकि जो पानी खुले खालो से आता है उसमे लोग कपउे भी साफ करते है और मवे ाी भी उन खालो में पानी पीते है। इसलिए मै मंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि मेरे हल्के में पीने के पानी के लिए टयूबवैल्ज लगाए जाएं। इसके अलावा मै मंत्री जी से यह भी कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के में पीने के पानी के लिए टयूबवैल्ज लगाएं जाएं। इसके अलावा मै मंत्री जी से यह भी कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के मे जो वाटर पाइप लाइन है वे बिल्कुल खराब हो चुकी है जिसके कारण वहां पर पानी की सप्लाई चालू नही है। मेरे हल्केमें एक गांव आहूलाना है वहां पर वाटर पाइप लाइन बिल्कुल खराब हो चुकी है और काफी दिनों से वह लाइन खराब है उस गांव में लोगो के लिए पीने का पानी नही पहुंच पा रहा है उसको जल्दी से जल्दी ठीक करवाया जाए। इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, मै एक बात और कहना चाहूंगा। बहुत से ऐसे गांव है जिनके अन्दर फिरनी में लोगो को आने जाने का रास्ता नही है इस

दिक्कत को दूर करवाया जाए। एक घसौली गांव है जिसके अन्दर पिछले दिनो ओले पडे है। अगले ही दिन मुख्य मंत्री जी उन गांवो में गए थे और मै भी उनके साथ था। इस बारे में मै राजस्व मंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि हमारी वहां पर एक दो पटवारियों के बारे में ि ाकायत है उनको वहां से बदला जाए क्यांकि कई जमींदार हमारे पास आते है और कहते है कि हमारी गिरदावरी गलत हुई है। इसके अलावा मै एस0 वाई0 एल0 नहर के बारे में कहना चाहता हूं जितनी जल्दी हो सके इस नहर को मुकम्मल करवाया जाए। मै अपने साथी कांग्रेसियों से भी कहूंगा कि वे इस नहर को मुकम्मल करवाने के बारे में सैन्टर गवर्नमैंट से सिफारि ा करें। जितनी जल्दी हो सके इस नहर को बनवाया जाए ताकि हमारे एरिया को भी पानी मिल सके। मै चौधरी तैयब हुसैन से कहूंगा कि वे इस नहर को जल्दी बनवाएं क्योंकि सैन्टर में आपकी सरकार है इसलिए आप ही इसको जल्दी बनवा सकते है। यदि यह जल्दी बन जाएगी तो हमारे एरिया की दिक्कत दूर हो जाएगी।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह (मेवला–महाराजपुर): उपाध्यक्ष महोदय, दो दिन से बजट पर चर्चा हो रही है। मेरे से पूर्व बोलने वाले वक्ताओ ने ज्यादातर बजट के पक्ष में ही अपने विचार व्यक्त किए है। मुझे एक बात की भी खु ाी हुई है कि पक्ष की तरफ से भी कुछ मेरे भाई रघु यादव जैसों ने, और दूसरे कई पक्षो के भी

ऐसे महानुभाव है जिन्होने अपनी तरफ से बजट की कुछ आलोचना की है।

श्री उपाध्यक्षः महेन्द्र प्रताप जी आपको बोलने के लिए 10 मिनट का समय दिया गया है इसलिए आपने अपने हल्के के बारे में जो बातें कहनी हैं वही कहें।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै तो अपनी पार्टी की तरफ से अकेला ही बोल रहा हूं इसलिए मुझे कम से कम डबल टाईम तो मिलना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मैने पहले महाममि गवर्नर महोदय के अभिभाशण पर अपने विचार व्यक्त किए थे। उस समय बोलते हुए मैने सरकार की अच्छी उपलब्धियों और अच्छे कामो को जो मेरी समझ के व विचार के मुताबिक ठीक थे, मान्यता दी थी। उसी आधार पर मै बजट के विशय में अब कहना चाहूंगा कि यह बजट अधकचरी कर्जे माफी और पैन् ान रुपी बै ााखियों के सहारे पर खडा है। अगर सरकार कुछ कदर पैन् ान और अधुरे कर्जे माफी की योजना को अपनी उपलब्धि मान ले तो और बात है। अगर सारी चीजो का गौर से अध्ययन किया जाये तो इस सरकार ने कांग्रेस सरकार की नीतियो के मुताबिक कार्यक्रम को कुछ हद तक अनुकरण करने की कोि ा ा की है। इससे साफ जाहिर होता है कि इस सरकार ने पिछले समय में विपक्ष में रहने के बावजूद भी पिछली सरकार की नीतियों और कार्यकमो को अपनी मान्यता प्रदान की है। (विघ्न्) माननीय मंत्री जी कह रहे है कि पब्लिक ने क्या किया? इस बारे में मै इन्हे

बताना चाहूंगा कि पब्लिक ने तो 1977 में भी अपना फैसला दिया था और अब भी अपना फैसला दिया है। आगे भी अपना फैसला देगी। (विध्न्) उपाध्यक्ष महोदय, गुप्ता जी ने अपने बजट भाशण में सबसे पहले जिक्र किया है कि इस सरकार में जनता ने जो वि वास दिया है वह अभूतपूर्व वि वास है उसे हम कायम रखेंगे। मै माननीय मुख्य मंत्री जी के बारे में तो कुछ नही कहूंगा क्योंकि माननीय मुख्य मंत्री हमारे पूज्यनीय हैं। (विघ्न्)

चौधरी तैयब हुसैनः उपाध्यक्ष महोदय, आप इन्हे रोकिए। हमारा एक मैम्बर ठीक बोल रहा है तो इसे ये बार बार क्यों बोलने से रोक रहे है?

Mr. Deputy Speaker: You should address the Chair and talk relevant. There is no need to reply. (Noises).

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै बजट से बाहर की कोई बात नही कह रहा। आप बजट के पहले पेज को देखें। इसी पेज में इन्होने लिखा है कि जनता ने हमारी सरकार को अभूतपूर्व वि वास दिया है। इसी बारे में मै कह रहा हूं। उपाध्यक्ष महोदय, इनका ताजा उदाहरण मै आपको बताना चाहूंगा कि जनता ने इस सरकार से क्या अपेक्षा की थी और इस सरकार ने जनता को क्या दिया? इस सरकार के बनने के कुछ ही महीनो में भाई–भतीजावाद और हुडडा कांड जैसे आक्षेपो की वजह से सरकार को इस्तीफे देने पडे। यह इस सरकार की पहली उपलब्धि इतने कम समय मे मेरे ख्याल से इतनी जल्दी हिन्दुस्तान में कहीं

नही हुई होगी। अगर मै कहीं पर गलती पर होउंगा तो जो साथी साहेबान बैठे है बता देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने बजट का मदो को, नीतियों व कार्यक्रमो को लागू करने की जो मन्- ाा जाहिर की है उसके बारे में भी मै बताना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, मैने पिछले बजट का और इस बजट का भी अध्ययन किया है। यहां पर आर्य साहब ने और एक दो दूसरे साथियों ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने हरियाणा के सारे विकास का मलियामेट कर दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, मै ज्यादा नुक्ताचीनी में जाना नही चाहता। मै अपनी बात कहना अपना फर्ज समझता हूं।

मै बताना चाहूंगा कि जब हरियाणा बना तो यहां पर कुछ नही था। सारा हरियाणा एक रुखा सूखा प्रदे ा था। जिस समय हरियाणा बना उस समय इस हरियाणा के बारे में कोई सोच भी नही सकता था कि यह हरियाणा अपना अस्तित्व कायम रख पायेगा और हरियाणा में दो अढाई साल के पीरियड को छोड कर कांग्रेस की ही हकुमत रही है। जिस समय हरियाणा प्रदे ा बना उस समय यह ग्याहरवें नम्बर का प्रदे ा था लेकिन आज सारे हिन्दुस्तान मे दूसरे नम्बर पर है।मै यह आंकडे इसलिए देना चाहात हूं कि रुलिंग पार्टी के माननीय सदस्यों ने काफी जिक्र किया था। जिस समय हरियाणा बना उस समय यह कृशि के क्षेत्र में काफी पिछडा हुआ था। अपना गुजारा भी नही कर पाता था। उस समय 25.92 लाख टन अनाज पैदा होता था लेकिन आज आप देखिए कि पैदावार 70 लाख टन तक के लगभग पहुंच गयी है।

लोक स्वास्थ्य मंत्री (श्री राम विलास भार्मा): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, बडे खेदकी बात है कि आपके बार बार कहने के बाद भी हमारे कांग्रेस के माननीय सदस्य अपना ऐक्सप्रै ान इस तरह से देते है जैसे हरियाणा के बजट के संबंध में ही न बोल रहे हो बल्कि सैन्ट्रल गवर्नमैंट को री–प्रेजैन्ट कर रहे हो। ये बहुत पुराने सदस्य है। इन्हे बजट के बारे में बोलना चाहिए। जब भी ये कोई बात बोलते है तो ऐसा लगता है जैसे सैन्ट्रल गवर्नमैंट को री–प्रेजैन्ट कर रहे हो। ये हरियाणा असैम्बली के मैम्बर है। ये अपने हलके की समस्या के बारे में कहें। जब भी केन्द्र के बारे मे पक्षपात की बात आती है तो इस तरह की बातें करते है। इसके बारे में मै आपकी रुलिंग चाहता हू। माना कि ये कांग्रेस पार्टी के मैम्बर है लेकिन पिछली बातों का जवाब देना इनका हक नही बनता। आज के दिन हरियाणा सरकार धडाके से चल रही है। सरकार ने बजट पे ा किया है, इसकी कापी इनके पास है। वे कोई सुझााव दें या किसी नीति की आलोचना करें। जब ये बोलते है तो पिछले आंकडे लेते है। इसी प्रकार से तैयब हुसैन जी भी पिछले आंकडे देते है। ये सैन्ट्रल गवर्नमैंट के री–प्रेजन्टेटिव के नाते यहां नही है और न ही ये पार्लियामैंट के मैम्बर है, ये असैम्बली के मैम्बर है। ये यहां बार बार पिछली सरकार की सफाई देते है। इसलिए मै चाहूंगा कि ये विद इन लिमिट और विद इन प्रोविजल बोले। क्या दिल्ली की सरकार की सफाई देने की जिम्मेदारी इनकी है? कांग्रेस के एम0 पी0 वहां बैठे हए है। वे वहां सफाई देते रहते है। पिछली सरकार

का कोई वारिस नही था। पिछली सरकार की परफौरमैंस ठीक न होने के कारण लोगो ने उसे भगा दिया।

श्री उपाध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, हम माननीय मंत्री जी का आदर करते है लेकिन पता नही ये सो रहे है या कोई और ही बात पर विचार कर रहे है। मैने अभी तक यहां पर केन्द्रीय सरकार का कोई जिक्र नही किया। मै हरियाणा का जिक्र कर रहा हूं। पता नही कौन सी आवाज में ये बोल रहे है? जब सत्ता पक्ष की ओर से गलत आंकडे दिए जाते है और कांग्रेस की बुराई करते है तो ये चुपचाप बैठे हुए हंसते रहते है। उन गलत आंकडो को सही करने के लिए हम ये आंकडे देते है और जो सत्ता पक्ष की तरफ से गलतब्यानी की जाती है, उसके जवाब में जब कांग्रेस पार्टी की तरफ से कुछ कहा जाता है तो फिर चिल्लाने लगते है (विघ्न्)

मुख्य संसदीय सचिव (श्री धीर पाल सिंह): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। माननीय सदस्य श्री मांगे राम जी ने अपने हलके के पिछडेपन की बातें कही थी। उनके बारे में इनको क्या ऐतराज है? आज यह कहते है उनके हलके में छः महीने में गढढें पड गये है और चालीस साल में उन गढढो को दूर नही कर सके जो दूसरो के हलके में पडे हुए है। अगर विरोधी पार्टी के लोग

आज सत्ता में आए है, और अपने हल्के की समस्याओ के बारे में कहते है तो इनको क्या दर्द होता है?

श्री उपाध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, कांग्रेस की बुराईयां करने से ये उसकी उपलब्धी और मान्यताओ को खत्म नही कर सकेंगे। इन सारी बातों को प्रदे ा के लोग जानते है। जहां तक पेय जल की बात है, ये कह रहे है कि हम दे रहे है। इनको पता होना चाहिए कि 85 परसैंट उसी कांग्रे ने पेय जल मुहैया किया था। (विघ्न्) उपाध्यक्ष महोदय, जो हरियाणा इन्डस्ट्री के लिहाज से पिछडा हुआ था आज यहां 77 हजार से उपर छोटी मोटी इंडस्टरीज हैं। अगर हिन्दुस्तान में पांच ट्रक्टर्ज बनते है तो तीन ट्रैक्टर्ज हरियाणा मे बनते है। यह गौरव भी प्रदे ा को ही हासिल है। इन डिटेलस में मै ज्यादा नही जाना चाहता हूं क्योंकि इनका जिक्र गवर्नर साहब के ऐड्रेस में भी हो गया था। ये मान्यताएं और उपलब्धियां इनके कहने से कम नही हो सकती। जहां तक बजट का ताल्लुक है, बजट में कृशि के लिए जो व्यवस्था है वह काफी कम है। (व्यवघान)

Mr. Deputy Speaker: Mr. Mahender Partap ji, do not waste time of this august House. Do not be irrelevant.

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, सिंचाई और बिजली के लिए 285 करोड रुपए की व्यवस्था इस बजट में रखी गई है। अगर पिछले कांग्रेस बजट को देखा जाए ओर इन

दोनो बजटो का तुलनात्मक अध्ययन किया जाए तो यह बजट कांग्रेस सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट ` 12 या 13 प्रति ात कम बनता है। पिछले बजट में करीब 352 या 354 करोड रुपये की रा ि ा सिंचाई तथा बिजली के लिए उपलब्ध करवाई गई थी और आज इस सरकार ने 285 करोड रुपए का बजट इस आ ाय के लिए रखा है यानि 47 प्रति ात जबकि 1987–88 में यह 60 प्रति ात बनता था। इस प्रकार इस बजट से सरकार की किसान सम्बन्धी नीति और प्रोग्राम परिलक्षित होते है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके जरिये इस सरकार से यह कहूंगा कि कृशि हमारे राज्य का बेस है। वैसे तो उद्योग भी हमारी अर्थ–व्यवस्था के बेस है। कृशि क्षेत्र के लिए जितना पैसा कांग्रेस सरकार के समय में मिल रहा था उसको देखते हुए तो इस बजट मे ंउसे बढाया जाना चाहिए था परन्तु वर्तमान सरकार ने उसे बढाने की बजाये घटाया है। इसके साथ ही पिछले बजट के मुकाबले में अब तक रुपये का जो अवमूल्यन हुआ है और जो मंहगाई बढी है उसको मैने इस में भाामिल नही किया है। उपाध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहूंगा कि माननीय उप–मुख्य मंत्री महोदय ने वर्तमान बजट को पिछले बजट की अपेक्षा कम किया है। हमारी सरकार ने अपने 1987–88 के बजट में 585 करोड रुपये का प्रावधान योजनागत बजट में किया था। जो बजट हमारी सरकार ने 1986–87 के लिए पे ा किया उसमें हमारी सरकार ने सवा पांच करोड से 565 करोड तक बढाया जो कि सरकार की विकास ील नीति का द्योतक है। इस सरकार ने उसको घटा कर 438 करोड यानि करीब 150 करोड

रुपये कम किया है। (व्यवधान) गुप्ता जी, जहां तक जिम्मेवारी का ताल्लुक है, कांग्रेस राज में बजट कभी भी घटाया नही गया। अगर एक ही साल में इसे घटाने की बात होती है तो उसकी जिम्मेदारी आप पर ही आती है। ये कहते है कि कांग्रेस सरकार ने 200 करोड रुपये का घाटा छोडा। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री उपाध्यक्षः महेन्द्र प्रताप जी, अब आप वाईण्ड अप करिये क्योंकि आपको बोलते हुए 10 मिनट से ज्यादा समय हो गया है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैने तो अभी बोलना भाुरु ही किया है। मुझे कुछ और समय दीजिए। (विघ्न्) केन्द्र सरकार ने रिजर्व बैंक को आदे ा दे रखे है कि किसी भी स्टेट को ओवर ड्राफ्टिंग की इजाजत न दी जाए। जब ओवर ड्राफ्ट नही हो सकता था, जून में आपको सत्ता मिल गई थी, बजट अप्रैल से भाुरु होता है, और बजट का सारा पैसा इकटठा एक दम पूल में नही आता तो फिर मेरी समझ में यह नही आता कि कांग्रेस सरकार ने 200 करोड रुपये का घाटा कैसे छोडा? जहां तक रिजर्व बैंक के खातो का ताल्लुक है, हर भानिवार को रिजर्व बैंक के साथ सारे बैंको के खातो का जमा और खर्च मिलान होता है, उसके मुताबिक 45 करोड रुपये उस समय खाते में जमा है। यह रिकार्ड की बात है। अगर फिर भी यह बात ये कहते ळे तो सत्य पर पर्दा डालना ही होगा। (विघ्न एवं भाोर)

उप–मुख्य मंत्री(श्री बनारसी दास गुप्ता): जो बातें तैयब हुसैन जी कह चुके है, उन्ही बातो को रिपीट करने का कोई फायदा नही है। मैने वे सभी बातें नोट कर रखी है और उनका जवाब दूंगा।

Mr. Deputy Speaker: Mr. Mahender Partap Singh, no repetition please.

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, मैन डिटेल बताई है कि रिजर्व बैंक के खातो का मिलान इस बात का सबूत है। इन्होने 45 करोड की बात की है। मै तो आंकडो और रिकार्ड की बात बता रहा हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, गन्ने की उपलब्धियां और भाव के बारे में जिक किया गया है। इसमें पहले भी इस बारे काफी चर्चा हो चुकी है कि हरियाणा सरकार दे ा में सबसे ज्यादा गन्ने का साथ दे रही है। भावों मे आठ रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बढौतरी की गई है। लेकिन आज अधिकतम मूल्य 32 रुपये क्विंटल दिया जा रहा है। मै हाउस की जानकारी के लिए यह बता दूं कि ऐसा कहकर केवल लोगो को भरमाने की कोि ा ा की गई है। एक सवाल के जवाब में इन्होने माना है कि सी0 ओ0 जे0–64 गन्ना कुल 11.7 प्रति ात ही बोया जाता है। सी0 ओ0 जे0–64 किस्म के गन्ने का भाव हरियाणा में 28 रुपये प्रति क्विंटल था जो कि अब बढा कर 32 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। इस प्रकार इस में 4 रुपये प्रति क्विंटल बढाये गये। मीडियम गन्ने का भाव

पहले 27 रुपये प्रति क्विंटल था जो कि अब बढाकर 30 रुपये प्रति क्विंटल किया गया और जनरल कैटेगरी के गन्ने का भाव 25 रुपये प्रति क्विंटल से बढा कर 28 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। इस प्रकार इन दोनो गन्नो की किस्मो में 3–3 रुपये प्रति क्विंटल की दर से वृद्धि की गई है। पता नही ये गलतब्यानी कैसे करते है? आठ रुपये प्रति क्विंटल बढौतरी का कौन सा हिसाब है, मै इस समझ नही पाया। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक इस भाव का ताल्लुक है, यू0 पी0 के भाव में और हमारे भाव में कोई फर्क नही है। यू0 पी का भाव 28 रुपये प्रति क्विंटल है लेकिन वहां पर किसानो से भाडा 50 पैसे प्रति क्विंटल लिया जाता है। हमारे यहां यह भाडा सवा रुपये और डेढ रुपये लिया जाता है। तो इस हिसाब से हमारा भाव साढे छब्बीस रुपये रह जाता है। मुझे याद है और अखबारो में भी आया था कि सरकार बनने से पहले इनकी पार्टी ने गन्ने का भाव 35 रुपये प्रति क्विंटल मांगा था, लेकिन ये इलैक ान से पहले और बाद की बातें है। उन बातो को सरकार कहां तक पूरा कर पाती है यह देखने की बात है। मै कहता हूं कि गलत उपलब्धियो को ज्यादा बढा चढा कर कहा गया है। जहां तक ि ाक्षा की बात है ि ाक्षा के बारे में मैने एक सवाल पूछा था। ि ाक्षा एक बुनियादी जरुरत है और ि ाक्षा के बिना समाज का सर्वांगीण विकास होना संभव नही है। लेकिन पिछले इस ओर कोई भी ध्यान नही दिया गया। मेरे सवाल के जवाब में मंत्री महोदय ने बताय कि इस साल 10 जमा 2 प्रणाली मिडल व हाई का कोई भी स्कूल अपग्रेड नही किया जा रहा है। तो इस नजरिए

को विकासी नीति कहा जाए यह आप स्वयं फैसला कर सकते है। यहां पर कर्जा माफी का बहुत जिक आया। इसके लिए मै ज्यादा नही कहना चाहता क्योंकि इस पर मै राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के समय बहुत कुछ कह चुका हूं। लेकिन जनता आज भी भ्रम मे पडी है, जनता को यकीन नही है कि कोआप्रेटिव का 44 करोड रुपया ये दे जाएंगे या नही। यहां पर सूखा राहत के लिए भी जिक आया है। इनको सूखा राहत के लिए 37.5 करोड रुपये केन्द्रीय सरकार से मिले है। इसके अलावा इन्होने माना है कि 3.5 करोड रुपया सूखा राहत कोश में भी आया है जो विभिन्न सोर्सिज से आया है। उसमें से सरकार ने सुखा राहत देने की कोि ा ा की होगी। सारे प्रदे ा में सरकार इसके लिए कितना कर पाई है, मुझे उसकी असली जानकारी नही है इसलिए मै यहां पर गलत बात नही कहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे याद है कि फरीदाबाद के इंडस्ट्रियलिस्ट और जनता से करोडो रुपये इस काम के लिए लिया गया है। लेकिन सूखा राहत के लिए फरीदाबाद को जो ऐलोके ान दी गई है वह केवल दो लाख रुपए खर्च है। जिस जिले को ये सुखा ग्रस्त कहते है उस पर केवल दो लाख रुपए या थोडा बहुत ज्यादा खर्च किया जाता है। चार कांस्टीच्यूएंसीज के बारे में तो मै कह सकता हूं कि वहां पर न के बराबर खर्च किया गया है। इसके अलावा कही ंकोई राहत कार्य नही हुआ। इससे ज्यादा सूखा राहत को और क्या मजाक हो सकता है वहां के लोगो ने सौ रुपए क्विंटल के हिसाब से चारा खरीदा है। (विघ्न्) हमारे वक्त में भी सरकार ने राहत कार्य में व्यक्तिगत तौर पर

कै ा आदि के रुप में देने की भरपूर कोि ा ा की थी। उपाध्यक्ष महोदय, मै यहां पर सरकार के आद ार्ो का एक नमूना रखना चाहता हूं। लक्ष्मी कांत प्यारे लाल नाइट करनाल और फरीदाबाद में मनाई गई थी। मै सरकार की उस नीति की चर्चा यहां पर करना चाहता हूं जिस के तहत सरकार को तो सिर्फ लगभग 10–12 लाख रुपये मिल सके लेकिन जिन लोगो की अखबारो में भी काफी चर्चा की गई जो बीच में बिचौलिए थे, भाो करने वाले थे, उन्होने 30 लाख से उपर रुपया अपनी जेबो में डाल लिया। जनता का पैसा इस भाो में खर्च होकर जनता के असली काम में न आये, यह तो भार्म की बात है। सरकार की अविवेकपूर्ण नीति का इससे ज्यादा और क्या नमूना हो सकता है। पंजाब समझौते, एक वाई एल और सुरक्षा पटटी का भी यहां पर सवाल आया।

श्री उपाध्यक्षः महेन्द्र प्रताप सिंह जी, आपको बोलते हुए 20 मिनट हो गये है। आप कृप्या वाईंड अप करें।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः बहुत अच्छा जी, मै जल्दी ही खत्म कर रहा हूं। मै इसके लिए पहले भी जवाब दे चुका हूं। भारत सरकार ने दे ा हित को देखते हुए इस बात की कोि ा ा की है कि पंजाब और दूसरे जो अहम मामले है, उनको हल किया जाये। इस बारे में हाउस के फ्लोर पर कई बार चर्चा हो चुकी है। इसी हाउस में कई बार एस0 आइ0 एल0 पर भी बहस हो चुकी है। उसके लिए कांग्रेस सरकार ने कोई कमी नही छोडी। हमारे जो साथी यहां पर कह रहे थे वे पंजाब समझौते के बारे में अगर

इंदिरा जी के फैसले की हिमायत करते तो भाायद बात ही कुछ और होती। लेकिन उस वक्त उन्होने उस अवार्ड की हिमायत नही की वरना वह फैसला लागू हो गया होता। पंजाब समझौता और एस0 वाई0 एल0 का एक ऐसा मामला है जिसकी हम ईमानदारी के साथ हिमायत करते है। इसका सवाल हमारी लाईफ लाईन से जुडा है। हम उनसे पीछे नही है। चौथे वेतन आयोग का भी यहां पर जिर्क आया है कि पहली स्टेट है जिसने यह दिया है। अगर हमारे साथी इसका श्रेय लेना चाहते है तो उस वक्त पी0 डबल्यू0 डी0 के पन्द्रह हजार के करीब कर्मचारी जिनकी नोटीफिके ान भी हुई पडी है ऐडहाक पर काम कर रहे है, उनके बारे में पिछली सरकार ने यह प्रोविजन किया था कि पक्का किया जायेगा लेकिन उनको आज तक भी पक्का नही किया गया हैं। उनको पक्का कर दिया जाए। जहां तक एम्पलाईज को पैं ान देना का ताल्लुक है, केन्द्रीय सरकार ने चौथे वेतन आयोग की सिफारि ाो के अनुसार इसे 1–1–1986 से लागू किया है। मै तो सरकार की ठीक भावना तब मानता जब चौथे वेतन आयोग की सिफारि ाो के अनुसार सैंटर की तरह से 1–1–1986 में पैं ानरो के लिए भी इसे यह लागू करें।

श्री उपाध्यक्षः कृप्या आप वाईंड अप करें।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः एक बात मै और कहना चाहता हूं। मै ज्यादा तो नही कहता। आखिर में मै इतनी ही बात कहूंगा कि जहां तक सरकार की इस बात का ताल्लुक है कि कर

नही लगाये गये, मेरे एक साथी ने जिक्र किया की यह कर–मुक्त बजट है। मै यह कहना चाहता हूं कि यह कर–मुक्त नही है। कर लगाने की जरुरत ही नही रह जाती है। बजट से पहले ही बिजली की दरें बढाई गई, बस किरायें मे वृद्धि की गई हालांकि डीजन के भाव में कोई बढौतरी नही हुई। भाहरो में यह हालत है कि पानी ओर सीवरेज के रेट्स पहले के मुकाबले एकदम डबल कर दिये गये। मै यह समझता हूं कि गरीब और मध्यम वर्ग के लोगो के साथ यह अन्याय है। अगर कर बढाये ही जाने थे तो ठीक रे ाो व बैलेनस को ध्यान में रखकर ऐसा करते। बिजली का जहां तक ताल्लुक है, भाहरों में, बिजली के मीटर की सिक्योंरिटी 130 रुपये मीटर पुराने कंज्यूमर्स से ली और ऐक्सट्रा ली जा रही है। किसान का 50 रुपये पर मीटर, 100 रुपये, 200 रुपये और 400–500 रुपये मीटर लोड के हिसाब से हो रहा है। इस हिसाब से मीटर की सिक्योरिटी के रुप में पुराने कंज्यूमर्स से चार्ज कर रहे है। मै समझता हूं कि जब कर पहले ही बढा लिए गये थे, तो दोबारा बढाने की जरुरत ही नही रह जाती। जहां तक सुखा कार्यो का ताल्लुक है, आज स्टेट की जो हालत है, वह किसी से छुपी हुई नही है। एक तरफ तो हम सैंटर से रुपया मांग रहे है कि हमें वह इसक लिए पैसा दे लेकिन दूसरी तरफ मंत्रियों की तनख्वाह और टी0 ए0 डी0 ए0 डबल किये गये है। मै समझता हूं कि यह हमारे लिए बडे ही भार्म की बात है। ऐसे समय तो कम से कम हमें जनता के प्रति अपने फर्ज का ध्यान रखना चाहिए था और अगर कुछ व्यक्तिगत त्याग भी कर सकते तो अच्छा था। उपाध्यक्ष

महोदय, जहां तक विकास कार्यो का ताल्लुक है, मै यह कहना चाहता हूं कि पुराने बजट के दो आंकडे और टारगैट्स है, वे भी पूरे नही किए गए है। इससे जाहिर होता है कि विकास कार्यो में कई बहुत बडे प्र न चिन्ह लग गये है। इसे देखते हुए मुझे एक बात याद आती है। मै जरा कह दूं तो धीरपाल जी उस पर चौंकेगे तो सही। मैने पहले ही कह दिया कि जहां तक सरकार की कारगुजारी और उपलब्धियों का ताल्लुक है अगर उनके बारे में न कहा जाए तो वह ठीक नही होगा। ठीक नौ महीने के बाद इस ि ा ु रुपी बजट का जो जन्म हुआ है कर्जा माफी व रघु जी की बेरोजगारी सेना को निरीह व मायूस अवस्था में वह हम कांग्रेसी सदस्यो की तरफ देख रहा है कि मुझे सम्भालो। उपाध्यक्ष महोदय, आज विकास कार्यो की हरियाणा के अन्दर जो हालत है वह किसी से छुपी नही है कि हुडडा कांड गूंज रहा है कही राठी कांड गूंज रहा है और कही और दूसरे कांड गूंज रहे है (ाोर एवं व्यवधान)। उपाध्यक्ष महोदय, आपने रघु यादव को बोलने का समय नही दिया। इस बारे में मै कहावत सुनाता हूं। रघु यादव के गांव में एक बूढी महिला थी। उस गांव में एक चक्की खोटने वाला आ गया। उसने उस बुढिया को कहा कि माई चक्की खुटवा ले। बुढिया ने कहा मै तो बडे दिन से इंतजार में थी। जब वह चक्की खोटने लगा तो चक्की पर उल्टी सीधी चोटें मानी भाुरु कर दी। (ाोर एवं व्यवधान) चक्की टूट गई। बुढिया पानी लेने गई हुई थी। उस आदमी ने सोचा कि बुढिया की चक्की टूट गई है अगर जल्दी लौट आई तो तेरी खासी मुरम्मत होगी। वह अपने औजार

लेकर भागने लगा। जल्दी में वह छींके से टकरा गया। उसका माथा छींके से लगा। छींके पर एक हाण्डी रखी थी। वह गिर गई और टूट गई। वह आदमी जल्दी में भागा और आगे किवाड से जा टकराया। किवाड की चूल टूट गई। वह तेजी से भागा। सामने से बुढिया आ रही थी। जल्दी में वह बुढिया से टकरा गया और उसका पानी का घडा टूट गया। बुढिया ने कह रमलू तेरा सत्याना ा जाए। तूने बहुत बुरा किया, तेरे लिए कित बैठ के रोऊं। (ाोर एवं व्यवधान) रमलू ने कहा माई घर जाएगी तो देखकर रोएगी। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, ऐसा लगता है कि हरियाणा के विकास कार्यो की ठीक उस बुढिया की तरही की ही हालत है। आगे चलकर जो भी इसे देखेगा वह रोयेगा। (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करता हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री मंगल सैन (रोहतक): उपाध्यक्ष महोदय, 22 तारीख को वित्त मंत्री जमा उप–मुख्य मंत्री ने जो बजट पे ा किया उसके लिए वे बधाई के पात्र है क्योंकि उन्होने कोई कर नही लगाए। मुझे डर लग रहा था कि जनता में जाएंगे और अगर कही टैक्स लग गए तो जनता को क्या कहेंगे। टैक्स न लगाकर ये प्रदे ा की जनता के बधाई के पात्र है। उपाध्यक्ष महोदय, इन्होने जनता के सामने बिल्कुल साफ पिक्चर रखी है और इन्होने कोई बात छुपाई नही है। इन्होने कहा कि भारत सरकार ने नया फाइनैंस कमी ान अप्वायंट किया लेकिन हरियाणा सरकार से इस बारे मे नही पूछा।

उपाध्यक्ष महोदय, टर्म्ज आफ रैफरेन्स के अन्दर यह जरुरी होता है कि ह इस बारे में स्टेट सरकारो से पूछे। इस दे ा में संघीय अर्थात् फैडरल स्ट्रकचर है लेकिन केन्द्रीय सरकार उसको तोडने पर आमदा है। उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर यूनिटरी फार्म और गवर्नमैंट नही है। यहां फैडरल फार्म आफ गवर्नमैंट है और स्टेट की तथा सैंटर की पावर्ज़ बहुत क्लीयरली डिफाइन्ड है। हर पाचं साल के बाद जब भी कमी ान अप्वायंट होता है तो स्टेट गवर्नमैंट से सलाह जरुरी होती है। उपाध्यक्ष महोदय, केन्द्रीय एजेन्सी हरियाणा में तथा दूसरे राज्यो से पैसा वसूल करती है उसका बंटवारा राज्य सरकारो को देना होता है। केन्द्रीय सरकार ने टर्म्ज आफ रैफ्रैन्स को एक तरफ उठाकर रख दिया और हरियाणा की बात को अनदेखी कर दिया। मै पुरजोर अल्फाज में केन्द्रीय सरकार की मुरम्मत करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, केन्द्रीय सरकार ने सैन्टर में जो बजट पे ा किया उसमें इन्कम टैक्स ऐक्ट भी एक सं ाोधन का जिक्र किया गया है। डिप्टी स्पीकर साहब, सैक्ान ए (सी) में कहा गया है कि चाहे भाराब के ठेके, जंगलात या स्क्रैप आदि निलाम होंगे तो उसमें से 100 रुपये के पीछे 60 रुपए को इन्कम माना जाएगा और उस 60 रुपये का 20 परसैंट पहले जमा करवाना पडेगा। इस सैक्ान का प्रदे ा के कई मुख्य मंत्रीयों ने जमकर विरोध किया। हमारे मुख्य मंत्री जी ने भी विरोध किया लेकिन कौन सुनता है। डिप्टी स्पीकर साहब, सब बातें अनसुनी कर दी गई। मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि भारत सरकार ने किसी की भी नही सुनी और अपनी मनमानी की। मेरे

अपोजी ान में बैठे भाई, महेन्द्र प्रताप सिंह जी, तो भाायद चले गये है लेकिन तैयब साहब बैठे है, सदा ही इस बजट के खिलाफ कहते है। मै उन से पूछता हूं कि आप की सरकार का बजट क्या बहुत अच्छा था जो जनता ने आपकी नसबन्दी करके यहां पर भेजा है? (हंसी) यानि भाार्ट कर के यहां पर भेजा है। उस समय तो बडा भाोर किया करते थे, थंपिग किया करते थे। वैसे तैयब साहब यह महसूस किया करते थे कि बजट वाकई सही नही था लेकिन क्या करते, सरकार में तो रहना था। चौधरी देवी लाल जी की बात नही मानी, अगर मानते तो ठीक रहते। फिर भी बोलते हुए उन्होने कहा कि चन्दा लेते समय रसीदों के नाम बताओ कि किस किस से पैसा लिया गया? मे उनसे पूछता हूं कि भाई तैयब जी पूछ कर क्या करोगे? क्या आप भी वहां पर पहुंचोगे? उनको इस बात का ध्यान रखना चाहिए और मुख्य मंत्री महोदय की तारीफ करनी चाहिए क्योंकि पहले इनके वक्त में मुख्य मंत्री कोश में रुपया जाता था, वह जाता था अपनी राहत के लिए लेकिन अब जो मुख्य मंत्री कोश में रुपया जाता है वह जनता की राहत के लिए जाता है।(तालियां) इनको इतना कहते हुए सच्चाई का ध्यान रखना चाहिए लेकिन इन्होने तो यहां पर ऐसी बात कहनी ही नही जिसमे सच्चाई हो। मै अपने भाई तैयब साहब से पुछना चाहता हूं कि इन्कम टैक्स ला मैं कौन सं ोधन ला रहा है? वह भारत सरकार ला रही है। उसके लिए उसकी निन्दा न करें तो क्या करें? आखिरकार यही फोरम है और ऐसा कहना हमारा कांस्टीच्यू ानल राईट है। This is the proper forum where we

can criticize it. (interruptions) डिप्टी स्पीकर साहब, मै कुछ नही कहता। नाना पालकी वाला जोकि भारत वर्श के माने हुए वकील है और कानून के वि ोशज्ञ है उन के बहुत से आर्टिकल्ज है जो कि इस वक्त मेरे पास है। अगर मै उनको पढूंगा तो काफी समय लग जाएगा।

Mr. Deputy Speaker: Dr. Sahib, Wisdom lies in brevity.

श्री मंगल सैनः ठीक है जी। डिप्टी स्पीकर साहब, इसके बाद में यह कहना चाहता हूं कि सूखे के दिनो में भी केन्द्र की सरकार ने हमारी मदद नही की लेकिन हमने सीमित साधनो के होते हुए भी किसानो को सस्ते दामो पर चारा उपलब्ध करवाया। हमारे ये भाई इससे नाराज है उल्टा हमसे बार बार पूछते है कि उन रसीदो के नाम बताइए। मै तो आपके माध्यम से उनको यही कहना चाहता हूं कि उन्हे, इन्ही बातों से सन्तोश करना चाहिए कि यह सरकार लोक लाज से चल रही है। अभी श्री महेन्द्र प्रताप सिंह कैबिनेट री ाफल की बात कर रहे थे। मै इनसे पूछना चाहूंगा कि आपकी सैन्टर की सरकार की कितनी बार री ाफलिंग हुई है। मेरे ख्याल में पौने दो दर्जन बार तो हो चुकी है। मै इनको बताना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी ने यह देखना होता है कि सरकार कैसे चलानी है ओर कैसे ठीक चल सकती है। मुख्य मंत्री को यह अधिकार है कि जो मैम्बर उन्हे पसन्द आए उसको अपनी कैबिनेट में ले सकते है। यह उनकी इच्छा है, यह उनका

प्रिरोगेटिव है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै कहना चाहूंगा कि हमारे मित्र जो कांग्रेसी बैंचो पर बैठे है इन्होने रीकंसाइल नही किया। तैयब साहब कभी कांग्रेस में कभी अपोजी ान में आते जाते रहे है। हमारे भाई महेन्द्र प्रताप इस समय हाउस में नही है, उठकर बाहर चले गए है, लेकिन उनको मै कहना चाहता था कि उनको लोकदल पार्टी का आभार प्रकट करना चाहिए कि उनको असैम्बली का मुह दिखा दिया। पहले तो वे लोकदल की टिकट पर ही जीत कर आए थे। (इस समय चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह सदन मे आ गए) डिप्टी स्पीकर साहब, भाई महेन्द्र प्रताप सदन में आ गए है मै इन्ही का जिक कर रहा था कि ये पहले लोकदल की टिकट पर ही चुनाव जीत कर आये थे। वे मेरे भाई इस बात को इंकार नही कर सकते। 1982 में मेरे भाई हमारे साथ चुनाव जीत कर इस असैम्बली में आए थे लेकिन बाद में ये उधर ट्रेजरी बैंचिज की तरफ चले गए। यह इखलाफ का तकाजा है। मै इनको कहना चाहूंगा कि अगर इनको ऐसा ही करना था तो पहले ये असैम्बली से त्यापत्र देते और उसके बाद चुनाव जीत कर आते फिर हम देखते कि इनको लोकदल चुनाव जीतने देता या नही मै इनको कहना चाहता हूं कि कोई बात नही भूल चुक हो ही जाती है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जहां तक 1982 के चुनावो का ताल्लुक है इसमें कोई दो राय नही है और मै इस बात को मानता हूं कि मुझे इनकी मदद मिली थी जिसके लिए मै इनका भाुकीया अदा करता

हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक 1982 के चुनावो का ताल्लुक है उस समय कांग्रेस की वेव थी उसी समय मै लोकदल और बी0 जे0 पी0 के सहयोग से इस हाउस में आया था लेकिन 1987 में जब लोकदल पार्टी की कांग्रेस के खिलाफ वेव थी उस वक्त मै इनके उम्मीदवार की जमानत जब्त करा कर आया हूं और 29000 वोटों से जीत कर आया हूं। इसके अलावा यदि मै और बात कहूं। तो उस लाईन मे बडे बडे लोग आ जायंगे क्योंकि ये बातें कई बार हो चुकी है।

श्री मंगल सैनः उपाध्यक्षय महोदय, मै तो इतनी ही बात अर्ज कर रहा था कि इन मेरे भाई साहब को इस अगस्त हाउस में हर बात बुरी दिखाई दे रही है। उपाध्यक्ष महोदय, रही बात जमानत जब्त कराने की तो राजनीति में ऐसा ही चलता है कभी कोई जीतता है कभी कोई हारता है इसमें कभी भी किसी को नखरा नही करना चाहिए। because pepe are supreme. Sir, वे जो करें वह ठीक है। मै तैयब साहब से कहना चाहता हूं कि रास्ता बिल्कुल साफ है और मंजिल सामने है, अर्जुन की तरह दिखाई दे रही है कि दिल्ली की राजनीति पर हमारा कब्जा होने वाला है। आपने यह कैसे कह दिया कि हमारी सरकार दि ाहीन है। We are very well in direction and we are having patritic spirit, Sir.

डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होने फरमाया है कि सरकार ने सुखे की राहत के लिए किसानो की कोई मदद नही की। इसी प्रकार से यहां पर जिक आया कि करनाल में कोई स्टार नाईट

हुई है। ऐसी नाईटो का आयोजन चैरीटेबल संस्थाओ द्वारा होता रहता है। जिस आदमी ने इस नाईट का आयोजन करवाया उसके बारे में मै क्या कहूं? ऐसे व्यक्तियों के बारे में माया, मनोहर कहानियों मे जिक्र आता रहता है। माया, मनोहर कहानी में किसी कंवलजीत सिंह नाम के व्यक्ति का जिक्र आया है। सुबह जब मै इसे पढ रहा था तो मुझे कोई कहने लगा कि डा0 साहब आप क्या पढ रहे है। तो मैने कहा कि इन चीजो के बारे में भी कभी कही पर जिक्र करना पड सकता है। जिस कंवलजीत सिंह व्यक्ति का जिक्र आया है उसके बारे में मै यह कहूंगा कि यह कहां से गलत आदमी आया है, इसके बारे में सरकार को उसके खिलाफ कार्यवाही करने में कोई परहेज नही करना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, कांग्रेस के लोगो में तो पुरानी आदत है और इन्होने सारे हथकंडे देखे हुए है और अपनाए हुए है। ये इस सरकार के बनने पर कहते थे कि यह सरकार नही चलेगी। फिर इन्होने भाोर मचाया कि इतने रुपए ले लिए, उतने रुपये ले लिए लेकिन अपनी बात नही कहेंगे। भजन लाल कोई दुध का धोया हुआ या राख का मांजा हुआ नही है। इनको पहले अपनी आदत ठीक करनी चाहिए। इसलिए मेरा सुझाव है, मुख्य मंत्री जी तो इस समय हाउस में बैठे नही है, भाायद मेरी बात सुन रहे होंगे। हरियाणा में एक लोकायुक्त कानून बनाया जाना चाहिए। केरल में वहा की सरकार ने एक ऐसा कानून बनाया है जिसमें वहां के सी0 एम0 साहब, के रि तेदार ही नही बल्कि जो नजदीकी लोग राजनीति में है या दूसरे है यदि उनकी आय से अधिक सम्पत्ती होगी तो उनकी भी

जांच हो सकती है। चौधरी देवी लाल संघर्श के बूते पर लडाई लड कर चीफ मीनिस्टर बने है और इस लडाई में हमने भी उनके साथ कन्धे से कन्धा मिला कर लडाई लडी है। हम ऐसी तपस्या को आंच नही आने देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, लोकायुक्त कानून बनाये जाने के बारे में मै सुझाव दूंगा कि चाहे सदन की समिति बना ली जाये या चौधरी देवी लाल जी या गुप्ता जी कोई समिति बना लें, जो सारे दे ा भर के कानूनो का अध्ययन करके एक ऐसा कानून बनाए जिसके तहत सभी लोग पकड में आ सके ओर आगे से कांग्रेसी भी कोई हेरा फेरी न कर सके तथा केन्द्र भी हमारे कानून की नकल करने पर मजबूर हो जाये। उपाध्यक्ष महोदय, थोडी सी बात मै म ावरे के तौर पर कहना चाहता हूं। हरियाणा की पुलिस के बारे में बोलते हुए मैने गवर्नर साहब के अभिभाशण पर जिक किया था। इस संबध मे मै कहना चाहता हूं कि लैण्ड ग्रेबिंग का मैनेस थोडा सा सिर उठा रहा है। इसके बारे में मै गृह मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि इसे सख्ती से दबा दिया जाए। पीछे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलते हुए मैने टैक ोसन डिपार्टमैंट के बारे में कुछ बाते कही थी। उसी संबंध मे मै आज फिर कहता हूं। जिन लोगो की लाटरी निकलती है उनसे कुछ लोग यदि एक लाख रुपये का इनाम है तो सवा लाख रुपए देकर टिकट खरीद लेते है और अपने काले धंधे के पैसे को सफेद में बदलने की कोि ा ा करते है। इस बारे में मेरा सरकार से अनुराध है कि ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ चाहे वे कोई अफसर है या और कोई काले धन्धे करने वाले व्यक्ति है, सख्त

कार्यवाही की जाये। हमारी सरकार अपने भ्रश्टाचार बन्द के नारे को असली रुप दे और बिजली व पानी का आम लोगो के लिए प्रबंध करे ताकि आने वाली पीढी यह कह सके कि किसी समय यहां पर सुनहरे काम करने वाली सरकार रही थी जिसने भ्रश्टाचार का कोई नाम नही था। डिप्टी स्पीकर साहब, मै एक दो बातो की तरफ और ध्यान दिलाना चाहता हूं। मैने एक ध्यानाकर्शण प्रसताव भी वकीलो द्वारा की जा रही हडताल के संबा में दिया था। आप भी वकील है और बहुत सारे साथी भी वकील है। मैने भी वकालत पढी है लेकिन काला कोट नही पहना है। मुझे भी मजबूरी में वकालत पढनी पडी क्योंकि यहा आने पर इस संबंध में ज्ञान अनिवार्य हो गया था। वकीलो द्वारा सारे दे ा में हडताल काफी दिनो से चल रही है। हमारी सरकार को दिल्ली की सरकार से कहना चाहिए कि इस हडताल को लम्बा न खिंचवाया जाएं। (विघ्न्) हमारे यहां पर भी मुकदमें लटक रहे है, उनका फैसला नही हो पा रहा है, इसलिए मै वकीलो की हडताल का जिक्र कर रहा हूं। चण्डीगढ के वकील तो भूख हडताल पर बैठे है। एक अफसर के लिए यह सब कुछ हो रहा है। इसलिए मै चाहता हूं कि हमारी सरकार केन्द्र पर दबाव डाल कर दस हडताल को समाप्त करवाये ताकि यहां के केसो का निपटारा हो सके।

17:00 बजे

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै ि ाक्षा के बारे में कुछ बातो का जिक्र करना चाहता हूं। मेरे हलके रोहतक के अन्दर एक

युनिवर्सिटी है। वहां पर काफी समय से वाईस चांसलर नही है। वहां पर पहले एक ऐसा वाईस चांसलर भी रहा है जिसने नम्बरो मे गडबड करवाई है। इस बारे में मेरा सुझाव है कि वहां पर ऐसा वाईस चांसलर लगाया जाये जो पालिटिकल न हो बल्कि ि ाक्षाविद हो चाहे वह हमारे स्टेट का हो या दूसरे प्रदे ा का। यूनिवर्सिटी का वातावरण ि ाक्षा पढने और पढाने का होना चाहिए। साथ ही मै यह भी निवेदन करना चाहूंगा कि करनाल में जो लिबर्टी भूज फैक्टरी हे उसके अन्दर हडताल चल रही है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने उनके बारे में कह दिया कि आप अपना गुड आफिस इस्तेमाल करके हडताल खत्म करवा सकते है। लेकिन जो लोग मरण व्रत पर बैठे हुए है उनकी तरफ भी तो हमे ंदेखना है। यह सरकार किसान, मजदूर और मेहनतक ाो की सरकार है। इस सरकार के सामने पुजीपति इस बात का जोर दिखाए कि मजदूरो को मिनिमम वेजिज नही दे, मनमर्जी से किसी मजदूर को निकाल दें और लेबर कमी ान की भी न सूनें तो बहुत ज्यादती है। इसलिए मै मंत्रिपरिशद के वरिश्ठ साथियों से कहूंगा कि उन मरने वालो को मरने से बचायें।

डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे काफी टाईम दिया है उसके लिए आपकी बडी मेहरबानी है। इस बजट में मुख्य बात यह भी है कि हमारी सरकार बिजली और वि ोश ध्यान दे रही है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि बिजली की प्रोडक ान के लिए प्राइवेट पार्टीज को भी आमंत्रित किया है। यह बहुत अच्छा

काम है। बिजली, कृशि विकास और घरों के लिए हमारे यहां पर्याप्त नही मिल रही है इसलिए उन्होने प्राइवेट पार्टीज को आमंत्रित करके बहुत अच्छा काम किया है। मै भी उन्हे बधाई देता हूं ऐसा करने से आयंदा के लिए बिजली में सुधार होगा।

इसके साथ साथ मै एक बात गुप्ता जी से ओर कहना चाहता हूं। गुप्ता जी के पास बहुत लम्बा चौडा वित्त विभाग है लेकिन उसके साथ ही उन्हे स्थानीय निकाय विभाग भी दिया हुआ है। उस विभाग के अफसरो में बडी बेअदबी आ गई है। वे समझने लगें है कि हम ही मालिक है और यु चुने हुए नुमायंदे कुछ नही है। दूसरे मै यह भी निवेदन करुंगा कि कमेटियों को दिल खोल कर पेसा दिजिए। जहां पर चीफ ऐग्जेक्टिव ऑफिसर आपके इ ाारे को नही समझते, आपकी मं ाा को नही समझते ओर आपकी भावनाओ का आदर नही करते उनके साथ वैसा ही सलूक कीजिए। इन बातेां को कह कर मै बजट का समर्थर करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

कामरेड हरपाल सिंह (टोहाना): उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री महोदय ने जो बजट पे ा किया है, मै उस पर चर्चा करने के लिए खडा हुआ हूं। इस बजट स्पीच में केन्द्र और राज्यों के संबंधी के बारे में भी जिक्र आया है। मै इस बात से सहमत हूं कि हिन्दुस्तान में जहां भी विपक्ष की सरकार है उनके साथ पैसा देने के केन्द्रीय सरकार की ओर से भेदभाव किया जाता है। उन्हे पूरा पैसा नही दिया जाता है। यह केन्द्र की लगातार नीति रही है कि

विपक्ष के साथ भेदभाव किया जाता है। केन्द्र और राज्य के आर्थिक और राजनैतिक संबंधे को तय करने कासवाल हमारे सामने खडा हुआ है। उसके साथ साथ मै कर्जा माफी के बारे में कहना चाहता हूं। कर्जा माफी का जो कदम उठाया है उसका मै स्वागत करता हूं लेकिन एक बात सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि इस कर्जा माफी मे छोटे खेतीहर मजदूर, छोटे दुकानदान, कारीगर और गरीब किसान नही आये है, क्योंकि इन लोगो ने नै ानेलाइज्ड बैंको से कर्जा लिया हुआ था। इस कर्जे माफी का फायदा जागीरदार और बडे बडे जमींदारो ने उठाया है। जिन लोगो के पास ट्रैक्टर्ज है उन्होने इसका फायदा उठाया है। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट में सर छोटू राम का भी जिक्र आया है। देहात कज्र राहत का कानून छोटूराम ने पास किया था। लेकिन कांग्रेस सरकार ने उसे खत्म कर दिया। उस कानून के पिछे आधारभूत बातें थी। अदालत की डिक्री से किसी किसान का घर, बर्तन, बैलगाडी, प ा, जमीन, 25 मन अनाज, खेती के औजार ओर गितवाडा नीलाम नही किया जा सकता था। इस कानून को हरियाणा में दोबार से लागू किया जाए। आज भी हमारे पास ि ाकायतें आयी है। फतेहाबाद में मलौरी धर्मपत्नी श्री मातु राम कुम्हार काठमंडी के घर को 26 हजार में नीलाम किया गया है। यह 20—2—88 की बात है। यह एक छोटा कारीगर था। इसी तरह गन्नौर और सम्हालखा में भी जमीन, नीलामी के नोटिस इ ा हुए है। जब हमारे मुख्य मंत्री जी चुनाव के समय सभी पार्टियों को साथ लेकर चले थे तो उस समय हमारा नारा था कि खेतीहर

छोटे मजदूर, गरीब किसान, और छोटै कारीगरो के कर्जे माफ करेंगे। मै यह कहना चाहता हूं कि उस समय चौधरी देवी लाल जी जनता से कहा करते थे कि एम एल एज असैम्बली में भेड बकरिया चराने के लिए नही जाते बल्कि वहां कानून बनाते है और हम कर्जे माफी का कानून पास करेंगे। वर्तमान सरकार जो कि कर्जा माफी की हिमायत का दावा करती है और सर छोटॅराम का नाम लेती है इससे मै निवेदन करुंगा कि वह कम से कम कोओप्रेटिव ऐक्ट की धारा–67 को समाप्त करें, जो कांग्रेस ने कोओप्रेटिव ऐक्ट मे ंजोड दी थी। इस ऐक्ट के अन्तर्गत को–ओप्रेटिव वाले कर्जदारो को कच्ची जेन में भेज सकते है ओर चालीस दिन तक के लिए बन्द रख सकते है। इन चालीस दिनो का उसका खाने पीने का खर्चा उसके कर्जे में एड कर दिया जाता है। मै सरकार से पुरजोर सिफारि ा करता हूं कि यह सरकार इस काले कानून को अमैंड करें अथवा इसे समाप्त किया जाए। इसके साथ साथ मै यह भी कहना चाहूंगा कि बैंक या कर्जा देने वाली किसी निजी संस्था को छोटे किसान, खेतीहर मजदूर, या कारीगर को कर्जा देने के लिए कानून की जरुरत रहती है। कानून बनाने के लिए एम0 एल0 ए की जरुरत रहती है। मेरे ख्याल मे आज इस सदन के अंदर ऐसे एम0 एल0 एज0 की कोई कमी नही है। ऐसा कानून पास करे जिससे छोटे किसान , खेतीहर मजदूर, या कारीगर बैडली अफैक्टिड होते हो। कानून के तहत कोई भी निजी संस्था या बैंक जो ऋण देते है वे कर्जदार को उसकी जमीन की नीलामी को नोटिस देते है, उसके मकान की नीलामी का नोटिस

देते है, उसकी जायदाद की नीलामी का नोटिस देते है। मै कहना चाहता हूं कि इस प्रकार के कानून पर पाबन्दी लगाई जाए ताकि इस तरह की नीलामी की घटनाओ को रोका जा सके।

इस बजट में बेरोजगारी भत्ते का कोई जिक नही है। मैने हरियाणा के विभिन्न रोजगार कार्यालयो से बेरोजगारेा के आंकडे एकत्रित किए है। इस समय हरियाणा के रोजगार कार्यालय में 299525 बेरोजगारेा के नाम दर्ज है। इसमे हैरानी की बात यह है कि इनमें से 4165 लोग ऐसे है जिनके नाम पिछले इस साल से रोजगार कार्यालयों मे दर्ज है और उन्हे अभी तकरोजगार नही मिला है। इसके अलावा 42855 लोग ऐसे है जिनके नाम रोजगार कार्यालयो में पिछले पांच साल से दर्ज है और वे इस इंतजार मे है कि कोई सरकार आएगी और उन्हे रोजगार देगी। ऐसे बेरोजगारो के लिए ''बेरोजगारी भत्ते'' का प्रावधान होना चाहिए। यद्यपि इस समय सरकर के पास पैसे की कमी है तथापि सरकार प्रयत्न करके इसके लिए प्रबन्ध कर सकती है। इस बारे में मै एक सुझाव देना चाहूंगा कि हरियाणा के अन्दर जिन लोगो की दस हजार रुपए प्रतिमास से ज्यादा की आमदनी है उनके कर्जे माफ न किए जाएं और दस हजार रुपए प्रतिमास से उपर की आमदनी वालो पर बेरोजगारी टैक्स लगा दिया जाए और इस तरह जो पैसा मिलेगा उससे बेरोजगारो का कम्पनसेट किया जाए।

श्री उपाध्यक्षः आप दो मिनट में वाइण्ड अप करें।

कामरेड हरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपसे निवेदन करुंगा कि मुझे कुछ समय और दिया जाए क्योंकि गवर्नर ऐड्रेस पर भी मै नही बोल पाया। मैने 25 तारीख को बोलने के लिए नाम दिया था।

श्री उपाध्यक्षः अभी उप–मुख्य मंत्री जी ने जवाब भी देना है। इसलिए अपनी बात को ब्रीफ करके जल्दी समाप्त करें।

कामरेड हरपाल सिंहः धन्यवाद जी। जहां तक बेरोजगारी भत्ते का ताल्लुक है, इस बजट में बरोजगारी भत्ते का कोई प्रोविजन नही है। हिन्दुस्तान की कई राज्य सरकारें बेरोजगारी भत्ता दे रही है। इसके साथ ही मै ि ाक्षा नीति पर कुछ कहना चाहूंगा। बजट के अन्दर नवोदय स्कूल खोले जाने का जिक्र है। 'नवोदय स्कूल स्कीम' केन्द्रीय सरकार की स्कीम है। इस बारे में पिछले सत्र में भी जिक्र हुआ था कि सभी पार्टीयो को मिलकर केन्द्र सरकार पर दबाव डालना चाहिए कि यह ि ाक्षा नीति बन्द नही होनी चाहिए। इस ि ाक्षा नीति के अन्दर जो नए स्कूल खोले जा रहे है उनमें कुछ अमीरो के बच्चो को पढा कर बयूराक्रेट बनाया जाएगा ताकि उनसे प्र ाासन का काम लिया जा सके। आम जनता की पढाई का इस ि ाक्षा नीति में कोई प्रावधान नही है। हरियाणा के अन्दर इस समय दो युनिवसिर्टिया है। जैसे अभी डाक्टर साहब ने कहा है कि इन दोनो युनिवसिर्टियों में वाईस चांसलर नही है। इस प्रकार वि वविद्यालयो में अव्यवस्था फैलती है। इन वि वविद्यालयो में वाईस चांसलर लगाएं जाएं

ताकि ि ाक्षण संस्थाएं ठीक तरह से काम कर सकें। इसके साथ साथ मै आबकारी नीति के बारे में अपने विचार प्रकट करुंगा। आबकारी नीति से ऐसा जाहिर होता है कि जैसे 19वीं सदी के अन्दर ब्रिटि ा साम्राज्यवाद ने चीन में एक अफीम की नीति लागू की थी, इस आबकारी नीति में उसकी पुनरार्वती कर दी गई है। जब 1977 में चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री बने थे उस समय हमारा यह नारा था कि हम भाराब को आम जनता से दूर ले जाएंगे। आज 50 भाराब के ठेके फालतु खोल दिए लेकिन स्कूलो का प्रावधान नही किया। इसके साथ साथ ठेकेदारो को यह भी लाइसैंस दे दिए गए है कि वे ठेके के अन्दर लोगो को भाराब पिला सकते है। जो आदमी पहले अपने घर पर भाराब पीने से डरता था अब उसको लाइसैंस दे दिया गया है कि वह ठेके में बैठकर पी सकता है। सरकार को यह चाहिए कि वह भाराब को महंगी करे यानि उस पर और टैक्स लगाए। उस पैसे से सरकार ि ाक्षा के लिए साधन जुटा सकती है। इसके साथ साथ ऐक्साइज के अन्दर बहुत बडा घपला है। ठेकेदारो को सरकारी जीपें भाराब सप्लाई करती है।क्यांकि अफसर ठेकेदारो से मिले हुए है। मेरे हलके के अन्दर जो ठेका है वहां पुलिस की जीप से भाराब सप्लाई होती है। वहां पर नाजायज भाराब सप्लाई की जाती है इसलिए सरकार इन बातों के बारे में गौर करें। सरकार लग्जरी गुडज पर टैक्स लगा कर पैसा इकटठा कर सकती है। सरकार भाराब के ठेको को कम करे। इसके साथ साथ मै ि ाक्षा मंत्री जी से निवेदन करुंगा कि वे नई ि ाक्षा नीति के बारे में सदन के अन्दर

अपनी स्टेटमैंट दें ताकि हमें पता लग सके कि केन्द्रीय सरकार द्वारा लागू की गई नीति, जो आम आदमी को अनपढ बनाने की नीति है, उस पर हमारी सरकार क्या सोच रही है। जहां तक बिजली की पैदाबार का सवाल है, मै मंत्री जी को उसके लिए मुबारकबाद देता हूं। पुरानी सरकार ने थर्मल प्लांटो का भटटा बैठा दिया था। वे लोग थर्मल प्लांटो के निर्माण कार्य में पैसा खा गए और घटिया सामान वहां पर लगा गए थे। वर्तमान सरकार ने उस सभी प्लांट को ठीक तरीके से चलाया और सूखा होते हुए भी बिजली की सप्लाई को ठीक रखा। लेकिन अगर राश्ट्रीय स्तर पर देखा जाए तो हमारे थर्मल प्लांटस की कैपेसिअी कम है। राश्ट्रीय स्तर पर कैपेसिटी 61 परसैंट है और हमारी 34 परसैंट है। (विघ्न्) मंत्री जी बता रहे है कि अब 41 प्रति ात हो गई है, मै इसके लिए भी इन्हे मुबारिकबाद देता हूं। मै चाहता हूं कि इसे और सुधारा जाए। फरीदाबाद के पास जो इन्द्रपस्थ थर्मल प्लांट है उसकी कैपेसिटी 71 प्रति ात है। जहां तक लाइन लोसिज का सवाल है अभी भी बिजली बोर्ड के अन्दर भ्रश्टाचार है। अभी भी किसानो से रि वत के पैसे लिए जाते है। किसी किसान ने कनैक ान लेना हो, बिजली की लाइन लेनी हो, तो किसान से पैसे लिए जाते है। हमारे यहां लाइन लोसिज 20 प्रति ात है जबकि नै ानल लैवल पर यह 15–20 प्रति ात है। इसका मतलब यह हुआ कि 5–6 प्रति ात बिजली की चोरी होती है। बडे बडे अफसर कारखानेदारो से मिलकर चोरी करवा देते है। वे बहाना लगा देते है कि लाइन खराब है। जहां तक खेत मजदूर का सवाल

है बजट के अन्दर कर्मचारियो का जिक्र किया गया है। चूंकि हरियाणा के अन्दर केन्द्र की वह सरकार जो बडे बडे पूंजीपतियो की नीतियेा को अपनाती थी, जो जागीरदारो की हिमायती थी, उसके चलते भूमि सुधार कानून को कभी लागू नही किया गया।

हमारे हरियाणा के अन्दर अभी भी कुछ गांव है। मेरे पास दो गावों से ि ाकायतें आयी है। एक तो नारायणगढ के पास का कोई गांव है कि वहां पर सैंकडो एकड जमीन सरप्लस की निकाली हुई है, अभी तक भी जिन लोगो को वह अलौट की गयी है, उनको कब्जा नही दिलाया गया है। इसी तरह से बालसमन्द हिसार के पास एक गांव है, वहां पर भी सरप्लस की जमीन जिन लोगो को अलौट हुई थी, उनको कब्जा नही दिलवाया गया है। अभी तक भी वहां पर बेनामी लोग अपना हल चला रहे हैं। जिन किसानो की वह जमीन मिलनी चाहिए थी, वह नही मिल सकी है। न ही उसको विकसित करने के लिए कुछ पैसा ही दिया गया है। इसके साथ ही मै एक और दरखास्त करना चाहता हूं। अब हदबंदी और मुरबदाबन्दी के दौरान कुछ ऐसी जमीन बचत की आयी है, जो कुछ गावों में भी है और भाहरो में भी है। मेरे अपने गावं के अन्दर ऐसी 10–12 एकड जमीन है। वह जमीन मुरब्बाबन्दी और हदबन्दी के बाद बचत की जमीन निकली है। हो सकता है कुछ दूसरे गावों में भी ऐसी जमीन हो ओर कुछ मे हो सकता है न भी हो। लेकिन मेरा कहना यह हैकि जहां कहीं पर भी ऐसी बचत की जमीन है, वह जमीन वहां की पंचायतो को दी जाए और भाहरो

की जमीन वहां की कमेटीज को दी जाए, ताकि वह अपना गुजारा चला सके और खर्चा कर सकें।

श्री उदय भान (हसनपुर–अनुसूचित जाति): आदरणीय स्पीकर साहब, हमारे आदरणीय उप मुख्य मंत्री जी ने जो बजट इस हाउस में रखा है, उसमें उन्होने बडी सूझ–बूझ का परिचय दिया है। बहुत ही प्र ासनीय काम किया है। घाटे का जो बजट इस सरकार को विरासत में मिला था, उसके बावजूद भी ऋण माफी और वृद्धावस्था पैंन ान जैसे कार्यो से जो अतिरिक्त बोझ पडा है, उस के बावजूद भी सरकार ने किसी भी किस्म का कर न लगा कर जनता का जो वि वास पहले से ही बहुत था, उसको प्राप्त कर लिया है। इसमें कुछ एक बातो के बारे में मै बोलना चाहूंगा। सरकार ने ऋण माफी का जो काम किया है, यह बहुत ही सराहनीय है। इस बारे में मै भी अपना अनुरोध ओर सुझााव सरकार के सामने रखना चाहूंगा। हरिजन कल्याण निगम, बैकवर्ड क्लासिज निगम और वीकर सैक ान निगम, जो गरीब और कमजोर तबके के लोगो को ऋण देती है, वह ज्यादातर ऋण राश्ट्रीयकृत बैंको द्वारा दिया गया है। मेरा कहना यह है कि सरकार इस बारे में विचार करके जो राश्ट्रीयकृत बैंको के कर्जे इन निगमो द्वारा दिए गए है, वे भी इस कर्जे माफी मे भाामिल किए जाएं। इसके अलावा जिस तरह से 10000 रुपया ट्रैक्टर का माफ किया गया है, हरिजन कल्याण निमग ने भी कुछ हरिजन बेरोजगार नवयुवको को

ट्रक, टैक्सी और मैटाडोर के लिए कर्जे दिये थे, उन पर भी इसी तरह से 10000 रुपए की छूट की जाए।

अब मै वृद्धावस्था पैं ान के बारे में सरकार को यह कहना चाहूंगा कि इस बारे में जितनी सराहना की जाए, उतना ही कम है। सरकार का यह काम बडा ही प्र ांसनीय है। इससे इसकी लोकप्रियता बढी है। और चरम सीमा पर पहुंच गयी है। इस बारे में मै करुंगा कि हरिजन और गरीब तबके के लोग, गरीबी, कुपोशण और भाोशण की वजह से 65 वर्श तक नही जी पाते। इसमें कुछ सं ाोधन करना चाहिए। इनके लिए 5 वर्श की छूट दी जाए।

ि ाक्षा नीति के बारे में मै यह कहना चाहूंगा कि ि ाक्षा ही किसी दे ा या प्रदे ा की तरक्की का पैमाना होता है। मै सरकार का ध्यान एक बात की तरफ दिलाना चाहूंगा जैसे सरकार ने पिछले वर्श बताया था कि इस वर्श प्राइमरी से मिडल, मिडल से हाई स्कूल अपग्रेड नही किया जाएगा। इस पर पुनःविचार किया जाए और ि ाक्षा को उच्च प्राथमिकता दी जाए। जहां तक स्कूलो और कालेजो का ताल्लुक है, उनमें पूरा स्टाफ और सामान मुहैया करवाया जाए जिनमें अब तक नही है। मेरे यहां गवर्नमैंट कालेज होडल में, जो साात साल से गवर्नमैंट कालेज है, अभी तक भी कालेज की बिल्डिंग के लिए जमीन ऐक्वायर नही की गयी है। अभी उसके लिए सैक ान 4 का नोटिफिके ान एक साल से चल रहा है। उसके लिए अभी तक भी जमीन ऐक्वायर नही हुई

है। इसके लिए वर्श 1986 में साईंस क्लाजि की ऐडमि ान भी भ्ाुरु हो गयी थी लेकिन पता नही क्यों उस सुविधा से हमारे इलाके को वंचित कर दिया गया। यह क्लाजि भिवानी में या किसी दूसरी कालेज में दे दी गयी। मै इस बारे में सरकार से प्रार्थना करुंगा कि वह इस बारे में पुनः विचार करे और साइंस की क्लासिज हमारे उस होडल के कालेज मे अव य ही खोली जाएं।

इसके अलावा गरीब बच्चो को स्टाइपैंड दिया जाता है, उसके बारे में मै कहना चाहता हूं। आज जिन स्कूल और कालेजो के बच्चो को स्टाइपैंड दिया जाता है उनके मां–बाप की इन्कम दस हजार होनी चाहिए। मतलब यह है कि दस हजार की सीमा आजकल है। उपाध्यक्ष महोदय, आज की जबरदस्त महंगाई के जमाने में एक चपरासी का वेतन एक हजार रुपए से ज्यादा का बनता है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस सीमा को दस हजार रुपए से बढाकर बीस हजार रुपए कर दिया जाए या जो इन्कम टैक्स पे नही करता उसको यह वजीफा दिया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, ''भ्रश्टाचार बन्द, पानी और बिजली का प्रबन्ध'' यह नारा हमारे मुख्य मंत्री जी ने दिया है। सरकार ने जो भ्रश्टाचार उन्मूलन सैल बनाया है यह बहुत ही अच्छा काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, पहले एक गिरी राज कि ाोर विधायक होते थे। उन्होने तमाम रुल्ज एण्ड रैगूले ान ताक पर रखकर होडल की मण्डी मे साढे तीन लाख की कीमत का प्लाट सताइस हजार मे ले लिया। उसके बारे में विजिलैंस की इन्कवायरी चल रही है।

इसके अलावा मण्डी में मार्केट कमेटी की एक गली बनी हुई है उस गली की उसने जबरदस्ती ऐन्कोचमैंट कर रखी है। मेरा निवेदन है कि उस ऐन्काचमैंट को जल्दी हटवाया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, मै इतना ही कहकर समाप्त करता हूं।

श्री उपाध्यक्षः श्री कम्बोज।

श्री रघु यादवः उपाध्यक्ष महोदय, क्या कोई नई लिस्ट आई है। भाायद उसमें मेरा नाम भी हो।

श्री उपाध्यक्षः आप बहुत बोल लिए है।

श्री लछमन सिंह कम्बोज (इन्द्री): उपाध्यक्ष महोदय, यह जो 1988–89 का बजट सदन मे पे ा हुआ है यह बडा सराहनीय बजट है और मै इसकी तारीफ करने के लिए खडा हुआ हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, आपने और हमने मिलकर 1982 में भी यह बजट देखा था लेकिन उस बजट में और इस बजट में बहुत अन्तर हे। जनता को सुविधा देने के लिए यह बजट बहुत अच्छा हे और मै इसकी तारीफ करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे साथी यहां बेठे हैं। मै 1982–83 मे जमीनो के सकैण्डल के बारे में बोला थां उस वक्त आप भी हमारे साथ थे। वह जमीन का स्कैण्डल कुछ बडे बडे आफिसर्ज बैठै है, जिन मे ंहरियाणा के आफिसर्ज भी भाामिल है और दूसरे पोलिटीकल लोग भी भाामिल है, ने किया था। उपाध्यक्ष महोदय, यह स्कैण्डल 45000 एकड जमीन का स्कैण्डल है। उस वक्त मै नया था और राजीव गांधी को भी इस स्कैण्डल

के बारे में लिखकर दिया गया था। उपाध्यक्ष महोदय, यह कांग्रेस पार्टी हरिजनो की हमदर्द होने का दावा करती है, उनका हमदर्द होने का नारा लगाती है। जो हरियाणा के चीफ मिनिस्टर बने थे, वे कांग्रेस के ही थे और उन्होने ही हरिजनो को भाोशण किया। वह जमीन हरिजनो को देनी थी। वही पांच आदमी है जो हरियाणा के अन्दर बोली लगाते रहे। नारायणगढ के रैस्ट हाउस में बैठकर बोली लगाई जाती थी और बडे बडे अफसर और पोलिटिकल आदमी हरिजनो की जमीन ले लेते थे। मै यहां पर भजन लाल का नाम लेना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, यहां कहा जाता है कि जो आदमी हाउस में नही है उसका नाम सदन में नही आना चाहिए। मै कहना चाहता हूं कि ऐसे आदमी जो भ्रश्टाचार करते है उनका नाम सदन में आना चाहिए। उनकी हाउस में निन्दा की जानी चाहिए ताकि दूसरा कोई व्यक्ति ऐसा गलत काम न करे। उपाध्यक्ष महोदय, उस समय सब से ज्यादा नाम मनफूल सिंहजो भजन लाल का भाई था उसका लिया जाता था। एक ि ाव नारायण जो भजन लाल के मामा का लडका था और एक हरफूल सिंह ये लोग सारे हरियाणा के स्कैण्डल में भाामिल थे। उप–मुख्य मंत्री महोदय यहां बैठे हुए है। मेरी उनसे प्रार्थना है कि उनकी इंक्वायरी होनी चाहिए। जो जमीन गरीब लोगो को दी जानी थी वह चन्द लोगो के पास है। यह कैसे हो गया?

डिप्टी स्पीकर साहब, एक और जमीन के स्कैण्डल के बारे में मै आपको बताना चाहूंगा। यहां सैक्टर 9 में एक दफ्तर है

वहां क्या हुआ करता था। उस दफ्तर में करतार सिंह नाम का एक ए0 एस0 ओ0 था। वह जमीनो का डाटा बनाया करता था। कुछ लोग जो उधर पाकिस्तान में, रास्ते में मारे गए थे और उन लोगो के जमीनो के क्लेम यहीं पडे हुए थे जिनका कोई मालिक नही था। उस जमीन के नकली कागजात तैयार करवाए जाते थे और पावर आफ अर्टोनी के द्वारा उन जमीनो की नकली तौर पर रजिस्ट्री करवा ली जाती थी। इसी तरह से हरियाणा की पंचायत की जो जमीनें थी, उस पर चौधरी भजन लाल ने स्कैण्डल करवाए। पंचायत की जमीनो की रजिस्ट्री ऐसे ढंग से करवाई गई कि एक एकड की 16–16 एकड जमीन दिखाई गयी और जो बंजर जमीन थी उसको एक एक एकड का क्लेम पंचायत से 16–16 एकड दिलवाया गया। मै पिछली कांग्रेस की सरकार के वक्त भी इस हाउस में यह कहता रहा हूं। सबूत भी मैने पे ा किए थे। लेकिन उस समय कोई सुनवाई नही हुई। मेरा दावा है कि अगर यह सरकार इस पर काबू पा ले तो इस सरकार को खरबो रुपए का फायदा होगा और खरबो रुपए का यह जमीन का स्कैण्डल पकडा जाएगा। इसके साथ साथ मेरी सरकार से रिकवैस्ट है कि हमारी सरकार को इसकी पूरी तरह से जांच भी करवानी चाहिए ताकि जिन लोगो ने पंचायत की जमीनो पर गलत ढंग से कब्जे कर रखे है उन से वह जमीन छुडवाइ जाए और सही लोगो के हवाले की जाए। जो भी इसमें दोशी पाए जाएं उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए। इसके साथ मेरी एक रिक्वैस्ट है कि इसके लिए एक कमेटी भी बनायी जाए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः इसके लिए कमेटी बनी हुई है।

श्री लछमन सिंह कम्बोजः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा कहने का मतलब तो सिर्फ इतना ही है ि कइस बात की जांच करवाई जाए, दोशियों को पकड कर उन से वह जमीन वापिस ली जाए ताकि सही आदमियो के हाथो में वह जमीन जाए ओर वे उस जमीन का फायदा उठा सकें।

इससे अगली बात मै अपने पी0 डबल्यू0 डी0 मिनिस्टर साहबा से कहना चाहता हूं कि मेरे इन्दरी हलके की सडको की हालत बहुत खराब है। आज तक उन सडको की तरफ कोई खास ध्यान नही दिया गया हैं। 1982 से 1987 तक मेरे हलके में कोई भी डिवलैपमैंट का काम नही हुआ है क्योंकि बदले की भावना से मेरे हल्के को महरुम रखा गया है। जब से दे ा आजाद हुआ है तब से लोग बाहर से आकर चुनाव लडा करते थे। अब जनता ने मुझे दोबारा ईमानदारी और प्यार से अपने उस हलके का प्रतिनिधी चुनकर यहां पर जनता की सेवा के लिए भेजा है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि मेरे हलके की डिवलैपमैट की तरफ खास ध्यान दिया जाए। पीछे जो भजन लाल की सरकार थी, वह वोटो की सरकार तो नही थी बल्कि नोटो की सरकार थी। उसको डिवलैपमैंट के कामो से क्या लेना था? जिस कारण से मेरे हलके मे न तो कोई कालेज, न हस्पताल और न ही स्कूलो का इन्तजाम हुआ तथा न ही सडको की तरफ कोई ध्यान दिया गया। इसलिए मै अपनी सरकार से, खासकर पी0 डबल्यू0 डी0 मिनिस्टर साहब से

यह पूछना चाहूंगा कि मेरे हलके मै कम से कम 20 गांव ऐसे है जिन्होने सडक का मुहं तक नही देखा। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि मेरे हलके मे सडको की बहुत बुरी हालत है उस की तरफ अव य ध्यान दिया जाए। मेरे हलके के लगभग 20 गांव ऐसे है जहां पर सडको का बहुत बुरा हाल है। एक दूसरे गांव तक जाने के लिए कम से कम 40–40 किलोमीटर का ज्यादा रास्ता तय करना पडता है। मै आ ाा करता हूं कि पी0 डबल्यू0 डी0 मिनिस्टर महोदय मेरे इस सुझाव पर अव य ही ध्यान देंगे।

डिप्टी स्पीकर साहबः इसके साथ साथ मै एक और बात यहां आपके द्वारा सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि यमुना के साथ साथ मेरी कांस्टीच्युएंसी लगती है। वहां पर जमीनो के काफी झगडे है क्योकि जब वहां पर बाढ आती है तो बाढ के कारण यमुना मोड काट कर कटाव करती है। जब पानी काफी आता है, तो बाढ यू0 पी.0 की सीमा का छोड कर हरियाणा की सीमा में ज्यादा आई है। और वहां जो जमीन दोबारा निकली है उस जमीन के लिए किसानो में आपस में झगडे रहते है। हमारे उप मुख्य मंत्री जी हाउस में बैठे है। मै उनसे अनुरोध करुंगा कि जो यमुना की दोबारा जमीन निकली है उसकी चकबन्दी होनी चाहिए। यदि उस जमीन की चकबन्दी हो जाए तो किसान लोग आपस में नही लडेंगे। जमुना की जहां जहां पर भुरबरी जमीन निकली है उसका इस्तेमाल होना चाहिए। उस जमीन को कुछ प्रभाव ााली लोग अपने कब्जे में ले लेते है और गरीब किसानो

को नही मिलती है। मै सरकार से अुनरोध करुंगा कि उस जमीन की चकबंदी करके उसे किसानो में बांट दिया जाए ताकि उस जमीन का इस्तेमाल हो सके और किसानो के आपस में झगडे भी न हो। इसके अलावा मै यह भी कहना चाहूंगा कि यू0 पी0 सरकार ने जमुना के साथ लगती हुई अपनी सीमा के साथ साथ बांध बना लिए है जिसके कारण हरियाणा की तरफ ज्यादा कटाव होता है जिससे हमारी जमीन बहुत तबाह हो जाती है। उस कटाव को रोकने के लिए हमें भी हरियाणा के साथ साथ लगती हुई जमुना की सीमा पर बांध बनाने चाहिए ताकि हरियाणा की जमीन की कटाव से जा सके। यदि बांध न बनाए जाएं तो हमारी तरफ बडी बडी ठोकरे बना दी जाए ताकि हरियाणा की जमीन बचाई जा सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै स्वास्थय मंत्री महोदया से कहना चाहूंगा। बहन जी यहां हाउस में बैठी है। हमारा खादर का इलाका है। वहां पर इतने ज्यादा मच्छर पैदा हो गए है कि रात में लोगो को सोने नही देते। मंत्री महोदया को उस तरफ ध्यान देना चाहिए। इन भाब्दो के साथ मै बजट का समर्थन करते हुए आपका धन्यवाद करता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री हरि सिंह (हिसार): उपाध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय वित्त मंत्री जी ने जो वर्श 1988–89 का बजट पे ा किया है उसके लिए मै उनको बधाई देता हूं कि उन्होने एक बहुत ही सराहनीय बजट पे ा किया है। चाहे सरकार पर कर्जे माफी का, चाहे सुखे

का, चाहे ओलावृश्टी का और चाहे करो की दरो में कटौती करने का बोझ रहा हो फिर भी वित्त मंत्री जी ने बहुत ही अच्छा बजट पे ा किया है और यह कर रहित बजट है। उपाध्यक्ष महोदय, बजट के घाटे को कैसे पुरा किया जा सकता है इस बारे में मै अपनी सरकार को कुछ सुझाव देना चाहूंगा और उसकी तरफ हमारे वित्त मंत्री जी ध्यान देंगे। इस बारे में मै अपने लोकल बोडीज मिनिस्टर से भी कहना चाहूंगा कि म्यूनिसिपल कमेटीज की जो आज से 8 या 10 साल पहले लिमिट थी उसको बढाया जाए।

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मै अपने माननीय सदस्य को बताना चाहूंगाकि हम म्यूनिसिपल कमेटी की हद बढा रहे हैं।

श्री हरि सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै हिसार म्यूनिसिपल कमेटी की मिसाल देता हूं और उसकी फाइल माननीय मंत्री जी के पास पहुंच गई होगी। यदि हिसार म्यूनिसिपल कमेटी की लिमिट बढती है तो उस कमेटी को लगभग 80 लाख रुपए अतिरिक्त इन्कम हो जाती है ओर वह पैसा हिसार को डिवैल्प करने में काफी लाभदायक सिद्ध हो सकता है। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, मै एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि पिछली सरकार ने हिसार टैक्सटाइल मिल बंद कर दी थी और उस मिल में पांच हजार मजदूर काम करते थे वे सारे बेकार हो गए है। पिछली सरकार के मुख्य मंत्री जी ने 1984 मे यह ऐलान किया था कि यह मिल चलाई जाएगी लेकिन मुझे कहने में कोई संकोच नही है कि

उस मुख्य मंत्री ने उस टैक्सटाइल मिल का सारा सामान वहां से उठवा दिया और आदमपुर मंडी में अपने मिलने वालो की एक फैक्ट्री लगवा दी। इसके अलावा एक फैक्ट्री भाराब की लगाई हुई है। उसके बारे में भी सदन के अंदर काफी चर्चा हुई है। कैन्टरोड के अधिकारी कर्मचारी हमारे भाई है। उस भाराब की फैक्टरी ने सातरोड और हिसार के रहने वाले लोगो का जीना दुभर कर दिया है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से सरकार को ध्यान दिलाना चाहूंगा कि पिछली सरकार ने हिसार टैक्सटाईल्स मिल को बंद करवा दिया था जिसके कारण वहां पर पांच हजार मजदूर बेकार हो गए थे। उस मिल की 400 एकड की जीमन 1953 में एक एग्रीमैंट के तहत एच0टी0एम0 को दी गई थी। उस एग्रीमैंट में साफ लिखा है कि एच टी एम को यह अधिकार है कि वह इस मिल चलाएं अन्यथा सरकार 30 दिन का नोटिस दे कर वह जमीन खाली करवा सकती है। वे 7 करोड की जमीन को 6लाख रुपए में ले आएंगे। अगर सरकार इस ओर ध्यान दे तो मै समझता हूं कि सरकार का 7 करोड रुपए का बजट मे मुनाफा हो सकता हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै अपने हलके की समस्याओ के बारे में कहना चाहूंगा। मेरे हलके मे आज से 30 वर्श पहले 200 बैड्ज का अस्पताल बना था। उसकी आज के दिन बहुत ही खराब हालत है। मै बहन जी से प्रार्थना करता हूं कि उसकी खस्ता हालत को ठीक करवाया जाये। इसी प्रकार से मै िाक्षा मंत्री जी

से निवेदन करना चाहता हूं कि मेरे हलके के जिन गावों के स्कूलो की बिल्डिंगे ठीक नही है, उनको भी ठीक करवाया जाए। इसी प्रकार से मै परिवहन मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि हिसार से मेहन्दीपूर के लिए एक बस चलाई जाए। लोग मेहन्दीपूर को एक धार्मिक स्थान मानते है क्योंकि सुना जाता है कि जिन लोगो को बुरी आत्मा का असर है उनका वहां पर ईलाज होता है। मै इन भाब्दो के साथ आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री ि ाव प्रसाद (अम्बाला भाहर): उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री महोदय ने जो बजट पे ा किया है उसके बारे में मै अगर यह कह दूं कि भाायद पहली बार ऐसा बजट पे ा किया है जिसमें गावों के गरीब मजदूरो और लोगो की तरफ व भाहर के हर छोटे दुकानदार तथा अन्य तबके के लोगो की ओर ध्यान दिया गया है तो कोई गलत बात नही हे। हमारी सरकार ने पानी देने का प्रबन्ध और भ्रश्टाचार बन्द करने का जो नारा लगाया था, उस पर अमल किया है। अब मै पावर मिनिस्टर साहब को ध्यान दिलाना चाहता हूं कि हरियाणा में भाायद सबसे पहले नग्गल लिफ्ट इरीगे ान स्कीम लागू हुई थी। उस स्कीम के अन्तर्गत कोला डिस्ट्रिब्युटरी मुकम्मल होने के बाद काफी जमीन सिंचित हो सकती है। दूसरे एक पंजौखरा ड्रेन भी बनाई जा रही है। इसकी कुल लम्बाई 19 किलोमीटर है। इसके लिए जल्दी से जल्दी पैसे अलौट करें और उसे कम्पलीट करवाएं। इस पर साढे तीन करोड

रुपये तो खर्च हो चुके है अब वहां पर केवल 20–25 लाख रुपये का काम होना बाकी रहता है। यदि यह काम पूरा हो जाए तो उससे 4654 हैक्टेयर भूमि को और सिंचित किया जा सकता है। डिप्टी स्पीकर साहब, वित्त मंत्री जी से मेरा निवेदन है, क्योंकि नगरपालिकाओ का महकमा भी इनके पास है, भाहरो में नगरपालिकाओ के जरिये लोगो से प्लाट के जो डिवलैपमैंट चार्जिज लिए जाते है वे पूरे प्लाट के न लेकर केवल फ्रंट साइड के डिवलपमैंट चार्जिज ले ताकि चुनावो से पहले किए गए वायदो के अनुसार इन लोगो को भी राहत मिल सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै पीने के पानी की बाबत कहना चाहूंगा। वहां पर नहर से पीने का पानी का पहला फेज तो पूरा हो चुका है। दूसरे फेज के बारे में मेरी सरकार से प्रार्थना है कि उसे जल्दी भ्रुरु करवाया जाए क्योंकि अब की बार बारि ा न होने की वजह से जो टयूबवैल लगे हुए थे उनमें पानी का लैवल बहुत नीचे चला गया है, जिसके कारण पीने के पानी की बहुत दिक्कत होती है। कई टयूबवैल्ज तो बन्द हो चुके है। इसलिए मै चाहूगा कि वहां पर सैकेण्ड फेज को भी जल्दी से जल्दी तैयार करने की कोि ा ा सरकार करे ताकि लोगो को पीने का पानी की दिक्कत न हो।

चुनाव से पहले जिस समय संघर्श चल रहा था उस समय संघर्श समिति के कार्यकर्ताओ के खिलाफ केसिज बनाये गये थे लेकिन वे अभी तक वापिस नही हुए है। इसके अलावा सन्

1982 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के वर्करो पर जो मुकदमें बने थे वे आज तक चल रहे है। उन मुकदमों को वापिस लिया जाये।

दूसरी बात यह है कि नम्बर आफ टैक्सीज कम होने चाहिए। आधा परसैन्ट स`ले कर 12 परसैन्ट तक टैक्सीज है। इनको घटाया जाये। दो तीन नम्बर आफ टैक्सीज होने चाहिएं और हर अमैडमैंट क्वार्टरली होनी चाहिए यानी अमैडमैंट करने का समय नि चत होना चाहिए। लाइसैंस लेने का और कैंसेल करने का या लाईसैंस मं अमैडमैंट करने का ऐक्ट में समय होना चाहिए। तीसरी बात यह है कि जिन लोगो पर पांच हजार रुपये तक टैक्स लगता है उन्हे अपील मे जाने का अधिकार नही है। उन लोगो को अपील करने का अधिकार मिलना चाहिएं। चौथी बात यह कि ट्रिब्यूनल हरियाणा में केवल दो जगह होने चाहिए। यह परमानैंट तौर पर एक अम्बाला में और एक फरीदाबाद में होना चाहिए। ट्रिब्यूनल में हाई कोर्ट का रिटायर्ड जज या सै ान जज लगना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, मै ि ाक्षा के बारे में भी कुछ सुझाव देना चाहता हूं। डी0 पी0 आई0 की डिपार्टमैंटल परमो ान होनी चाहिए। पहले इनस्पैक्टर्ज आफ स्कूलज़ होते थे वे स्कूलो को चैक करते थे। इसलिए इसके दो भाग होने चाहिए। एक ऐडमिनिस्ट्रेटिव विभाग हो और एक स्कूल की चैकिंग करने वाला भाग हो। पहले जब कोई इनस्पैंटर स्कूल की चैकिंग के लिए

जाता था तो वहां पर लिख कर आता था कि उसमें क्या कमी है लेकिन अब वह चैकिंग नही होती है। अगर ि ाक्षा स्तर पर ऐडमिनिस्ट्रेटिव ढांचा अलब हो जाये और पढाई की चैकिंग करने वाला अलग हो जाये तो बहुत अच्छा रहेगा। दूसरी बात यह है कि एस0 डी0 ओ0 के दफ्तर में टेलीफोन की सुविधा होनी चाहिए। अगर हमें किसी एस0 डी0 ओ0 से टैलीफोन पर बात करनी हो तो कर नही सकते। तीसरे बी0 ई0 ओ0 के नीचे तो स्कूल दिये जाते है उनका ठीक प्रकार से बंटवारा होना चाहिए। किसी बी0 इ0 ओ0 को बीस या पच्चीस स्कूल दिये हुए है ओर किसी को 60 स्कूल दिये हुए है। जो भी स्कूल उसको दिए जाएं वो उसके आफिस एरिया में ही होने चाहिए ताकि वह ठीक प्रकार से सुपरविजन कर सके, निरीक्षण कर सके। टीचर्ज समय पर आते है या नही, समय से पहले तो नही जाते है, अगर स्कूल उसके एरिया में होंगे तो भली प्रकार से चैकिंग कर सकता है। एक बात और भी कहूंगा कि जो पब्लिक स्कूलो की तरफ लोगो का रुझान है इसे भी चैक करे क्योंकि उनकी ओर रुझान रहा तो आम स्कूलो की तरफ लोगो का ध्यान नही जायेगा। वे अपने बच्चो को उन्ही स्कूलो में दाखिल करवाएंगे। यदि हम आम स्कूलो का स्तर उंचा करना चाहते है तो उनकी ओर से रुझान कम करना पडेगा। मुख्य मंत्री महोदय ने चुनावो से पहले जो लोगो से वायदे किए थे वे चुनाव के बाद तेजी के साथ पुरे किए। हमारे मुख्य मंत्री में लोगो का वि वास जमा हुआ है। इसी तरह से नगरपालिकाओ के चुनाव करवाने का जो वायदा किया था उन्हे भी पूरा किया गया। मुख्य मंत्री जी के

बिहाफ पर ही हमने लोगो से वायदे किए थे कि जैसे ही हम चुनाव जीतेंगे, सरकार ने जो वायदे जनता से किए है उन्हे पूरा करेंगे। हमारी सरकार ने नगरपालिकाओ का चुनाव करवाने का जो वायदा किया था उसे भी पूरा किया जिससे अब भाहरों मे गंदगी के ढेर दिखाई नही देंगे और भाहर सही मायनो में भाहर दिखाई देंगे। मै सरकार के नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं कि नगरपालिकाओ की हालत बडी खस्ता है। सी0 ई0 ओ0 तथा ई0 ओ0 का बोझा सरकार ने इन पर और डाल दिया। इस बारे में मै सुझाव देना चाहता हूं कि उपरोक्त दोनो अधिकारियों मे से एक अधिकारी का वेतन हरियाणा सरकार दे अन्यथा एक पद को समाप्त कर दिया जाये। इसके साथ भाहरो की हालत सुधारने के लिए और भाहरो को भाहर बनाए रखने के लिए मुख्य मंत्री जी से निवेदन करुंगा कि नगरपालिकाओ को जैसे भी हो स्पै ाल ग्रान्ट दी जाए ताकि जो वायदे हमने आपके बिहाफ पर किए थे वे पुरे हो सके और जनता का वि वास इस बात में पक्का हो कि चौधरी देवी लाल की सरकार का कोई भी रिप्रैजैन्टेटिव जो बात कहता है वह नि चत रुप से पूरी होती है। इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री हरनाम सिंह (ाहबाद): उपाध्यक्ष महोदय, मै आपका धन्यवाद करता हूं क्योकि आप ने मुझे बोलने के लिए टाईम दिया है। सबसे पहले मै अर्ज करना चाहता हूं कि इस बजट में 32 करोड रुपये की कमी है और इस कमी को बढाने की

सम्भावना है। हमारी सरकार को पैसे की बहुत जरुरत पडेगी ताकि वह हरियाणा प्रानत की सर्वांगीण डिवैल्पमैंट कर सके। इसके बाद मै यह कहना चाहता हूं कि केन्द्रीय सरकार ने कोयला, लोहा, डीजल, पैट्रोल आदि की कीमतें बढाई है हमने उसे बजट के अन्दर नही आंका है। इसलिए हमारा खर्चा बढेगा और हमें ज्यादा पैसे की जरुरत होगी। इसी तरह से फोर्थ–पे कमी ान की जो रिकमैंडे ान जनवरी, 1986 से लागूकी गई है, उन पर जो पैसा खर्च होगा उसकी सरकार को जरुरत होगी क्योंकि इनकी ऐक्चुअल पेमैंट तो अब हुई है। और कई एसे काम है जिनसे हमारी सरकार का खर्च बढेगा लेकिन उसकी जिम्मेवारी हमारी सरकार की नही बल्कि केन्द्र सरकार की है। इस बात में कोई भाक नही कि तरक्की के लिए हमें बडी कोि ा ा करनी पडेगी। इस बारे में मै कुछ सुझाव दुंगा। सबसे पहले तो सरकार को अपने अखराजात में कमी करनी चाहिए और दूसरे सरकारी महकमो में जो भ्रश्टाचार फैला हुआ है, उसे रोका जाए। इस काम मे मेहनतक ा मजदूरो और ईमानदान कर्मचारियों की मदद ली जाए। इसी प्रकार से रैस्टोरैंट और दूसरी ऐ ाो–इ रत की जगहे है, जहां लोग 500/– रुपये एक दिन का किराया देते है और किमती भाराबे पीते है, ऐसी जगहो पर टैक्स लगाया जाये। (इसी समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) विवाह भाादियों में बिजली की फिजूलखर्ची को रोका जाए। लोग हजारो रुपये की बिजली विवाह भाादियों में खर्च कर देते हैं बिजली की कन्जम्प ान बहुत ही महत्वपूर्ण है और इस बिजली को किसी दूसरी जगह पर इस्तेमाल किया जाना

चाहिए। ऐसा फिजूल खर्च करने वाले लोगो पर टैक्स लगाना चाहिए। इससे अगली बात जिसका मै जिक करना चाहता हूं वह है, पानी। हरियाणा के अंदर पानी का सवाल बहुत ही अहम सवाल है। इस बारे में एस0 वाई एल0 की बाबत कहना चाहूंगा कि हमारे माननीय मुख्य मंत्री महोदय कल कांग्रेस के संसद सदस्यो ` मिले है और उनसे कहा कि वे जून, 1988 तक एस0 वाई0 एल0 का काम पूर्ण करवाए। इस बारे मे मै यह उचित समझता हूं कि सभी पार्टियो को मिलकर केन्द्र सरकार पर जोर देना चाहिए। इसके साथ साथ मै यमुना दरिया की बाबत कुछ अर्ज करना चाहता हूं। सन् 19580 मे यमुना नदी के पानी का बंटवारा हुआ था। उस बंटवारे के मुताबिक यमुना का दो तिहाई पानी हरियाणा सरकार को और एक तिहाई पानी यू0 पी0 सरकार को मिला हुआ है। एक अप्रैल 1990 को यह मुहाइदा खत्म हो जाएगा। इस बारे में भी हमे ंवक्त रहते बात कर लेनी चाहिए। पानी का झगडा तो हमारा पहले से ही पंजाब के साथ चल रहा है, ऐसा न हो कि यह पानी का दूसरा झगडा भाुरु हो जाए। इसलिए मै सरकार से गुजारि ा करुंगा कि इस मसले की ओर भी ध्यान दिया जाए, क्योंकि पि चमी यमुना नहर हमारे लिए बहुत अहम है, बहुत जरुरी है।

इसके साथ ही मै यह कहना चाहूंगा कि जो हमारा हथनी कुंड वैराज है उसके बारे मे सिंचाई मंत्री जी ने बताया कि वह बनेगा, यह बहुत अच्छी बात है। अगर उसमें डिले होती है और 1978 जैसा फ्लड फिर आ जाता है तो हरियाणा में बहुत बडी

तबाही मच जाएगी। इसलिए उसको जल्द बनाया जाना चाहिए। मै यह भी कहना चाहता हूं कि यू0 पी0 सरकार ने अपनी तरफ जमुना के दाएं किनारे पर एक नहर निकाली है। वह हथनी कुड के उपर 3 किलोमीटर पर है और उससे उन्होने 6–7 हाइड्रो पावर प्लांट भी बनाए है। हथनी कुंड के बिल्कुल सामने खारे का पावर हाउस बनाया जा रहा है। वहां से तीन किलोमीटर ईस्ट यमुना कैनाल है। अगर हमने यह मसला तय नही किया तो वे जून से पहले नहर बना कर पानी अपने यहां ले जाएंगे। इसके साथ साथ मै यह कहना चाहता हूं कि हमारा बीस लाख एकड फीट पानी नदियों में बह जाता है और उसका प्रयोग नही हो रहा है। हमारे पानी का लैवल बहुत नीचे चला गया है इसलिए उस पानी का प्रयोग नीचे गए पानी को री–चार्ज करने के लिए किया जाना चाहिए। कुरुक्षेत्र का इलाका हरियाणा की खेती का भंडार है। वहां पर धरती के नीचे के पानी से ही सिंचाई हुई है और पैदावार काफी बढी है। अब उस इलाके का पानी भी नीचे जा रहा है। पिछले 15 साल में वहां का पानी 60 फुट नीचे चला गया है। गरीब किसानो के टयूबवैल फेल हो गए है। गरीब किसान सब मरसीब टयूबवैल नही लगा सकता। इस समय हमारी खेती संकट में है। चितंग और राक्षी नदियो का पानी जमुना मे डाल देने से हमारी सावणी की फसल होती थी। इसलिए इन नदियो के फलो को छोडना चाहिए ताकि पानी का प्रयोग हो सके। जहां तक बिजली का सवाल है मै समझता हूं कि पानीपत थर्मल प्लांट का तजुर्बा हमारे सामने है कि सरकार ने उसे कैसा बनाया था।

लेकिन जमुना नगर का प्लांट हम दिल्ली की सरकार को दे रहे है, पता नही वह भी कैसा बनेगा। मै समझता हूं कि हमारी सरकार को सैंटर से पैसे लेकर यह प्लांट खुद बनाना चाहिए। बडा अफसोस है कि रोपड और जमुनानगर थर्मल प्लाट्स के लाइसेंस एक ही दिन जारी हुए थे लेकिन उनको तो पैसा मिल गया और हमे नही मिला। पिछली सरकार ने इस तरफ बिल्कुल ध्यान नही दिया। मै अर्ज करना चाहता हूं कि हमारे यहां बिजली के सब–स्टे ान और अधिक बनने चाहिए। अब लम्बी लाईने है जो ओवर लोडिड है। इसलिए और सब स्टे ान बनने चाहिए ताकि लोड पूरा बांटा जा सके। जो टयूबवैल का ट्रांसफार्मर है वह दो पोल से ज्यादा नही होना चाहिए। अगर लम्बी लाइने होगीं तो सरकार और किसान दोनो को नुकसान होगा। मै कहना चाहता हूं कि हमारा जो भााहबाद और थानेसर का इलाका है वहां पानी नीचे चला गया। हमने बहुत भाोर मचाया कि हमारे यहां नहर बननी चाहिए। भााहबाद नलवी नहर और लाडवा नहर मंजूर भाुदा है और पिछले बजट में इनके लिए एक करोड बीस लाख रुपये रखे गए थे लेकिन इस बजट में कोई पैसा नही रखा गया। मेरे पास पिछले सात साल और इस साल के बजट है।यह हमारी सातवी पंचवर्शीय योजना में मंजूर है और उसमें लिखा है कि यह नहर 1990 तक बन जाएगी। यह नहर पांच विधान सभा क्षेत्रो की सिचंाई करेगी जिसमें स्पीकर साहब, का क्षेत्र सूरजभान जी का, कटारिया साहब का, गुदियाल सिंह का और मेरा क्षेत्र आता है।

इसलिए यह नहर बहुत जरुरी है, इसको जल्द बनाया जाना चाहिए। (घंटी) मै अभी खत्म कर रहा हूं।

पौल्यू ान का सवाल बहुत बडा है। हम पिछले दिनो कारखाने देखने के लिए जगह जगह गये थे। यह जो सरस्वती भाुगर मिल है और वहां पर जो भाराब की फैक्ट्री है उका गन्दा पानी यमुना नहर मे जाता है। वही पानी डंगरो के पीने के लिए हम जोहडो में डालते है और वह पानी पीने से डंगर मरते है। वायु प्रदूशण और जल प्रदूशण हमारे यहां पर बहुत हो रहा है। ऐसा ही हाल हमने फरीदाबाद में भी देखा है।

श्री अध्यक्षः कामरेड साहब, अब आप समाप्त कीजिये।

श्री हरनाम सिंहः बहुत अच्छा जी।हम फरीदाबाद में एक रबड की फैक्टरी देखने गए। वहां पर बहुत ज्यादा बदबू पैदा हो रही थी। वहां पर लोग नही रह सकते। इसके लिए सरकार ने फैक्टरीज के खिलाफ मुकदमें जरुर किये हुए है लेकिन कई–कई साल हो गये है। उनका जल्दी से फैसला कराने के लिए उनके लिए स्पे ाल कोर्ट बनायी जाये। आखिर में मै एक बात मुजाजिमो के बारे में अर्ज करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः नही, अब आप समाप्त करें।

श्री हरनाम सिंहः अच्छा जी, भाुकीया।

उप मुख्य मंत्री(श्री बनारसी दास गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, आज से 6 दिन पहले मैने इसी सदन में वर्श 1988–89 का बजट और उसके अनुमान प्रस्तुत किये थे। अध्यक्ष महोदय, यह बजट चौधरी देवी लाल की सरकार का एक प्रोग्रेसिव और प्रगति ील बजट है। मुझे इस बात का गर्व है कि इतना भाानदान बजट जिसकी सराहना चारो तरफ से हुई है, मैने पे ा किया। प्रैस मे इसकी सराहना हुई। जनता में इसकी सराहना हुई। अध्यक्ष महोदय, भाायद आपने पढा होगा कई समाचार पत्रो मे तो लीडींग आर्टीकल इसकी सराहना में लिखे गये है। हैड लाइन्स दी है कि टैक्स फ्री बजट। किसान को सहायता, मजदूर को रियायत, व्यापारी को सहुलियत और कर्मचारियो को सुविधा। यह अखबारो के अन्दर हैड लाइन्स आई है। अध्यक्ष महोदय, बजट क्यों भाानदार है, इसके मै दो तीन नमुने आपको बताना चाहता हूं। जब यह साल भाुरु हुआ, पिछला साल 1987–88 का तो पिछले साल का 34.63 करोड रुपए का घाटे का अनुमान था। हमारे हाथ में जब सत्ता की बागडोर आयी, हमने जब सत्ता को सम्भाला तो जैसी आर्थिक स्थिती थी वह मैने पहले भी इसी सदन में ब्यान की थी। आर्थिक स्थिती इतनी बुरी और सोचनीय थी कि मै उसका वर्णन नही कर सकता। हमारे उपर 150–200 करोड की जिम्मेवारी थी, लाइबिलिटिज़ थी जो हमें पूरी करनी थी। हमारे कांग्रेसी भाईयों ने जो बातें उठायी है, उनके बारे में मै थोडी देर में बताउंगा। पहले मै इस बजट की वि ोशताए क्या है, वह बताउंगा। इन हालात में जब कि सूखा पडा, हमने कर्जा माफी की, वृद्धो को

पैन् ान दी गयी और कर्मचारियो को बढी हुई तनख्वाह दी, इन सब के बावजूद भी जिस घाटे का अन्दाजा लगाया गया था, अध्यक्ष महोदय, हमने साल के अन्दर उस घाटे को 34 करोड से घटाकर 3 करोड रुपये पर ला दिया। 31 करोड रुपए का घाटाजो अन्दाजा लगाते थे उसको हमने पूरा किया है। वर्श 1988–89 के अन्दर हमारा अनुमान है कि 36.32 करोड रुपए का घाटा होगा। मैने अपने बजट भाशण में भी यह दिया है। सदन को भी याद होगा और जनता को भी याद होगा कि हम जो गैर योजना खर्च होगे उनमें कमी करेगे, किफायत करेंगे और अपनी वसूलियां बढाएंगे। अध्यक्ष महोदय, जो चारी पिछली सरकार के वक्त में हुआ करती थी, तरह–तरह के घोटाले हुआ करते थे, उन सब को हम बन्द करेंगे। हमने 9 महीने के अंदर ही ये बन्द कर कर दिखा दिये है। हमारे कराधान ंमत्री जी यहां बैठे हुए हैं, वे ही सब फिगर्ज इस बारे में बता सकते है कि हमने कितनी ज्यादा रकम सेल्ज टैक्स की वसूल की है, दर बढाने से नही बल्कि जो लीकेज होती थी, जो पहले चोरी होती थी, उसको बन्द करके बढाई है। अध्यक्ष महोदय, 18:00 बजे, अगर आप किसी दूसरे प्रदे ा की सरकार के बजट से हमारे बजट का मुकाबला करना चाहेगे तो पंजाब के निकट और कोई दूसरा प्रदे ा नही है। चण्डीगढ मे हम दोनो एक छत के नीचे बैठते है और इसी विधान सभा की छत के नीचे दोनो सदन चलते है। अध्यक्ष महोदय, आप देखें कि हमारा घाटा 36.32 करोड का है और पंजाब में 239 करोड का घाटा है जबकि उनको 650 करोड रुपये की वि ोश केन्द्रीय सहायता प्राप्त

हुई है। अध्यक्ष महोदय, जब हमारी सरकार ने बागडोर सम्भाली थी तो चौधरी देवी लाल ने प्रदे ा की आर्थिक स्थिती को देखते हुए अपनी लायबिलिटीज (देनदारियों) का देखते हुए केन्द्रीय सरकार को पत्र लिखा और उनसे प्रार्थना की कि हमें सौ करोड रुपए योजनागत खर्च के लिए और पचास करोड रुपए गैर योजनागत खर्च के लिए दिए जाएं। अध्यक्ष महोदय, आपको जानकर दुख होगा कि उसका आज तक कोई जवाब नही आया है।

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): परसो जवाब आ गया है।

श्री बनारसी दास गुप्ता: मुझे नही मालूम कि जवाब आ गया है। अध्यक्ष महोदय जब तक मैने बजट प्रस्तुत किया तब तक कोई जवाब नही आया था। अध्यक्ष महोदय, पंजाब हमसे बहुत आगे है। पंजाब के साधान हमसे बहुत ज्यादा है। यह ठीक है कि पिछले तीन चार साल से वहां हालात खराब रहे है। ला एण्ड आर्डर की स्थिती खराब है लेकिन कृशि उत्पादन में, नहरो के वाटर अलाउंस में, बिजली उत्पादन में और टैक्सो से आमदनी में वह हमसे आगे है। हमारे पास उतने साध नही है जितने उसके पास है। आज हम उनका मुकाबला नही कर सकते। अध्यक्ष महोदय, आपको जानकर खु ाी होगी कि मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हमारी टीम दिल्ली गई और केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित जो योजना आयोग है उसके अध्यक्ष और अधिकारियों से बातचीत की।

बातचीत करके जो योजना हमने मंजूर करवाई वह छः सौ करोड रुपए की है। पिछले साल की योजना 430 करोड रुपए की थी। अध्यक्ष महोदय, पंजाब की केवल सात सौ करोड की योजना मंजूर की गई है। पहले पंजाब की योजना 850 करोड रुपए की मंजूर की गई थी लेकन उस पर पुनर्विचार हुआ और पुनर्विचार होने के बाद 150 करोड रुपए काट दिए क्योंकि पंजाब वालो ने कहा कि हम रिसोर्सिज नही जुटा पाएंगे। अध्यक्ष महोदय, बजट योजना में किसानो को, छोटे व्यापारियों को और विधार्थियो को मतलब यह कि सभी लोगो को राहत दी गई है। बजट योजना मे मैने सब कुछ विस्तार से बता दिया हैं। मै उन सब बातों को अब नही दोहराउंगा। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस सरकार से विरासत में हमें जो घाटा मिला उसके लिए हमने केन्द्र से सहायता की प्रार्थना की लेकिन उन्होने कोई सुनवाई नही की। इसके बावजूद भी आप सब को खु ाी होगी कि चुनाव से पहले हमारे नेता चौधरी देवी लाल ने जनता से जो वायदे किए थे, अगर मै अति ायाक्ति से काम न लूं तो 80–85 प्रति ात वायदे पिछले नौ महीनो में पूरे कर दिए है। अध्यक्ष महोदय, यह बजट की मोटी झलक है। मुझे बडे अफसोस के साथ कहना पड रहा है कि हरियाणा प्रदे ा के कांग्रेस अध्यक्ष, चौधरी वीरेन्द्र सिंह तो उनका कुछ और ही नाम लेते है लेकिन उनहे बलबीर पाल भााह कहते हैं, ने बजट के बारे में अपनी प्रतिक्रीया पे ा करते हुए कहा कि यह बजट कलरलैस है। महेन्द्र सिंह प्रताप ने कहा कि यह बजट नीरस है। अध्यक्ष महोदय, मुझे ये माफ करे, पिछले काफी अरसे से इन लोगो को

रस चखने और हर चीज में रंगीनी देखने की आदत पड गई है। ये हर चीज में रस और रंग तला ा करते है। मै इनसे पूछना चाहता हूं कि अगर हम इसमें और टैक्स लगा देते तो क्या इसमे ंरस आ जाता, रंगीनी नजर आती? अगर हम पुराने ढंग से चलते और हर चीज पर टैक्स लगा देते तो क्या इसमें रस आ जाता और महेन्द्र प्रताप सिंह को रस का घूंट मिल जाता। (ाोर एवं व्यवधान)। अध्यक्ष महोदय, आप इन भाईयो ंसे कहे कि जरा दिल पर हाथ रख कर बैठै और सब्र से सुने, इतने उतावले न हों। मै कह रहा था कि हमारे हरियाणा प्रदे ा में एक कहावत है ''अवसर चूकी डूमनी गाव आल पाताल'' (हंसी) वास्तव में ये अवसर चूक गये है और आल पाताल गाते फिरते है कि 'मुहं बाया राग आया' यह कहावत इन पर पूरी तरह से चरितार्थ हो रही है। वास्तव में इस बजट के अन्दर कोई बात ऐसी नही है जिसकी ये लोग आलोचना कर सकें। एक बात इन्होने कही कि बजट आने से पहले ही टैक्स लगा दिया तो फिर बजट में लगाने की क्या आव यकता थी? मेरे आदरणीय मित्र श्री राम विलास भार्मा जी ने बोलते हुए कहा कि जब भी कोई केन्द्र की चर्चा होती है तो ये लोग ये लोग अपने आप को केन्द्र सरकार का रिप्रंजैन्टेटिव मानते हैं और हरियाणा प्रदे ा की नही, हरियाणा विधान सभा का नही, बल्कि केन्द्र सरकार के प्रतिनिधी के तौर पर अपनी भुमिका अदा करते है। इस सदन के अन्दर वे रक्षा करते है, डिफैन्स करते हैं, अगर वे अपने केन्द्र सरकार के बजट की तरफ देखें तो इनको पता चलेगा कि हमने तो कुछ दिन पहले ही बढाया है और आज

नही आज से कई महीने पहले ही बढाया था और यह भी इसलिए कि यह लोग जो कुएं और गढढे खोद गए थे, खजाना खाली कर गये थे, उसकी पूर्ती करने के लिए हमने बजट में कुछ बढोतरी की है। लेकिन केन्द्र सरकार की कांग्रेस सरकार ने बजट आने से थोडे समय पहले ही चीजो के दाम जैसे पैट्रोल, चीनी, कोयले, वगैरह के रेट्स बढा दिये और जब बजट आया तो फिर और टैक्स भी लगा दिये। डाक व तार का भार भी लोगो पर डाल दिया, टेलीफोन के रेट्स भी बढा दिये जो आज किसी साधारण व्यक्ति के बस की बात नही रही कि वह अपने घर में इस को मैनटेन कर सके। हमे तो इसलिए रिसोर्सिज पैदा करने पडे कि जब इनके नेता ने, प्लानिंग कमी ान के साथ बातचीत की, पता नही चौधरी भजन लाल थे, या चौधरी बंसी लाल जी थे, उन्होने 584 करोड रुपये की वार्शिक योजना मंजूर करवाई और साथ में यह वायदा किया कि हम अन्य रिसोर्सिज से, अपने संसाधनो से 45 करोड रुपये के साधन जुटा देंगै। लेकिन इन्होने एक पैसे का भी साधन नही जुटाया। अगर, अध्यक्ष महोदय, हम 92 करोड रुपए के रिर्सोसिज न जुटाते तो आज हमें 600 करोड रुपए की योजना आयोग से मंजूरी न मिलती। अगर 600 करोड रुपया मंजूर न हुआ होता तो आज हम अपने विकास की गति को तेज नही कर सकते थे। हम प्रदे ा की समस्याओ को हल नही कर सकते थे। पानी और बिजली लोगो को नही दे सकते थे।यह सब काम हम नही कर सकते थे इसलिए हमें यह सारे रिर्सोसिज जुटाने पडे।

अध्यक्ष महोदय, एक बात और तैयब साहब ने यहां पर कही और साथ मे मुहम्मद तुगलक की एक मिसाल भी दे दी। कही इतिहास में पढी होगी या इन्होने कहीं से सुनी होगी। चौधरी साहब ने फरमाया कि यह सरकार बार बार बदलती रहती है अगर एक बार टैक्स लगा तो दूसरी ओर लोग आ गये तो विदड्रा कर लिया। मै आपके द्वारा इनको बताना चाहता हूं कि इसी का नाम तो लोकराज है। हमारे नेता रोज कहा करते है कि लोक राज लोक लाज से चलता है। यह सरकार आपकी कांग्रैस की सरकार की तरह अडीयल सरकार नही है कि एक छोटे से अधिकारी को लेकर आज सारे हिनदुस्तान का जुडीि ायल ऐडमिनिस्ट्रे ान पैरालाईज हो जाए। आज महीनो से सुप्रीम कोर्ट से लेकर लोअर कोर्टस तक तमाम वकील हडताल किए बैठे है लेकिन मेरे कांग्रेसी भाईयो की सरकार किरण बेदी के बारे में प्रतिश्ठा का प्र न बनाए बैठी हैं। वकीलो की हडताल के कारण करोडो लोग परे ाान है। गावों से क्लाइंट आते है, देहातो से भोले भाले लोग आते है खर्चा करते है वकीलो का फीस देते हैं। अध्यक्ष महोदय, आप तो वकील है, मै तो कलाईंट भी नही रहा। देहात से जब कोई गरीब क्लाईंट आता है तो और उसके वकील न मिले तो उसको अंधेरा नजर आता है। मै कहना चाहता हूं कि जहां तक जनता की भालाई का प्र न है वह आज सारे दे ा के अंदर ठप्प पडा है लेकिन हमारी सरकार ऐसी नही है। यह जनता की चुनी हुई सरकार है। हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी जो भी फैसला करते है यदि उसमें कोई कमी रह जाती है तो उस कमी के बारे में

जनता के प्रतिनिधि आ कर समझाते है कि हमारे उपर टैक्स लगाने से प्रदे ा के व्यापार पर फर्क पडेगा। प्रदे ा का व्यापार ि ाफ्ट हो कर प्रदे ा के बाहर चला जाएगा। रेट आफ टैक्स ज्यादा होने से टैक्स की चोरी होगी या गुंजाइ ा होगी। इसलिए आप रेट आफ टैक्स न बढाएं। एक बात डाक्टर साहब ने बताई थी और एक मै बता देता हूं। पिछले दिनो सैन्टर गवर्नमैंट ने आयकर में सं ाोधन किया है कि पार्टनरि ाप पर भी उतना ही टैक्स लगेगा जितना की टाटा, बिडला, डालमिया जैसी बडी बडी फर्मज पर लगता है। अध्यक्ष महोदय, किसी व्यापार को चलाना किसी एक आदमी के बस की बात नही है उसको 3 या 4 आदमी आपस में मिल कर चला सकते है। यदि तीन या चार आदमि मिलकर किसी व्यापार को चलाते है और साल में एक लाख रुपया कमा लेते है जो आजकल इस महंगाई के जमाने में कोई ज्यादा नही है तो उनके 50 हजार रुपए टैक्स में देने पडेगे और उनके पास 50 हजार रुपये बचेंगे। इस सं ाोधन से सारे दे ा के अंदर होहल्ला मचा हुआ है। मै यह बात गारंटी के साथ कहता हूं कि इस सं ाोधन से सरकार का कोई रैवेन्यू नही बढेगा। ऐसा करने से लोग टैक्स की ज्यादा चोरी करेंगे। मै तो यह कहूंगा ि कइस तरह से करके जो कांग्रेसी सरकार सैंटर में बैठी हुई है वह खुद तो भ्रश्ट है ही लेकिन साथ साथ लोगो को भ्रश्ट बना रही हैं। यह सरकार लोगो को टैक्स की चोरी करने पर मजबूर कर रही है। अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनो टिम्बर पर टैक्स लगाया गया लेकिन लोग चलकर हमारे मुख्य मंत्री जी के पास आए और उन्होने

समझाया, जब उनकी बात चौधरी साहब की समझ में आ गई तो इन्होने फौरन कहा कि इसको विदड्रा कर लिया जाए। हमने उसी समय विदड्रा कर लिया। यह सरकार जनता की बात मानती है और जनता की बात पर फैसला करती है। चौधरी तैयब हुसैन ने तुगलक की मिसाल दे दी। अब यह बात इन पर लागू होती है या हम पर लागू होती है ये अपने आप सोच लें। अध्यक्ष महोदय, इन्होने कहा कि मैने सदन में गलत कहा है कि पिछली सरकार झाडू देकर गई है। लेकिन इन्होने कहा कि हम तो 45 करोड रुपए छोड कर गए है। इनसे कोई पुछने वाला हो कि ये हमारे उपर लायबिलिटी कितनी छोड कर गए है। इन्होने तो बैलेंस बताया है कि इतना छोड कर गए है बैलेंस तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया की तरफ से आता है। हमें भी नही पता कि कितना बैलंस है। ये भोखी किस बात की मारते है। इसके अलावा चौधरी तैयब हुसैन और महेन्द्र प्रताप सिंह ने यह भी कहा कि इस सरकार ने चूंकि सिंचाई और बिजली पर कम खर्च किया है इसलिए यह सरकार किसानो कि हितैशी नही है। अध्यक्ष महोदय, मै आपकी मारफत इनको समझाना चाहता हूं कि मेरे पास पिछली सरकार के बजट की भी फिगर है कि इस पर उस सरकार का कितना प्रावधान था और हमारा कितना है। अध्यक्ष महोदय, महोदय खेती के अंदर पिछली सरकार ने 4363 लाख 60 हजार रुपये का प्रावधान किया था जबकि हमने 4661 लाख रुपये का प्रावधान किया है। रुरल डिवलैपमैंट के अंदर जरुर हमारी फिगर पिछली सरकार से कम रही है। इस काम के लिए इन्होने 2589 लाख

रुपये रखे थे और हमने 1343 लाख रुपये रखे है। इसका कारण यह है कि ड्राउट रिलीफ का 1600 लाख रुपया मिलना था वह इस हैड से निकाल लिया है। इसलिए यह अमाउंट निकल जाने से इस हैड में हमारी कमी हुई है। कोओप्रे ान के लिए इन्होने 661 लाख रुपये का प्रावधान किया था और हमने 685लाख रुपये का प्रावधान किया है। इरीगे ान एण्ड फलड कंट्रोल के लिए इन्होने 12341 लाख रुपये रखे थे जबकि हमने 10225 लाख रुपये रखे है। इस बारे में मै यह स्पश्ट करना चाहूंगा कि वर्श 1987–88 के बजट में एस0 वाई0 एल0 नहर को पूरा करने के लिए 70 करोड रुपये रखे गए थे। इस नहर का काफी काम हो चुका है। इसलिए हमने इस काम के लिए 36 करोड रुपये रखे है क्योंकि 70 करोड रुपये में से 34 करोड के लगभग काम पूरा हो चुका है। क्योकि जो काम पूरा हो चुका है उसके लिए रुपये की अब आव यकता नही है। पावर के लिए इन्होने 12200 लाख रुपये रखे थे और हमने 18283 लाख रुपये रखे है। नौन कन्जम्प ान सोर्स आफ पावर के लिए इन्होने 30 लाख रुपये रखे थे और हमने 40 लाख रुपये रखे है। इण्डस्ट्रीज के लिए इन्होने 800 लाख रुपये रखे थे और हमने 1050 करोड रुपये रखे है। ट्रांसपोर्ट के लिए हमने 3395 लाख रुपये रखे है जबकि इन्होने 2362 लाख रुपये रखे थे। साइन्टीफिक कम्युनिटी के लिए इन्होने 10585 करोड लाख रुपये रखे थे जबकि हमने इनसे डबल पैसे रखे है। (विघ्न्) इकोनोमिक सर्विसिज के लिए इन्होने 9 लाख रुपये रखे थे जबकि हमने 33 लाख रुपये रखे है। स्पीकर साहब, इसी प्रकार से जनरल

सर्विसिज के लिए इन्होने 340 लाख रुपये रखे थे और हमने 470 लाख रुपये रखे है। (विघ्न्) अध्यक्ष महोदय, फिगर्ज बढने के अन्दर भी ये जरुर गलती कर गये है। (विघ्न्) इन्होने कहा कि हमने चौथा वेतन आयोग लागू कर दिय। मै इनसे पूछना चाहता हूं कि इसे लागू करके इन्होने कौन सा तीर मार दिया? ये तो जबानी बात करके गये थे। इन्होने घोशणा की थी लेकिन लागू हमने किया है। 135 करोड का बर्डन हमने उठाया है।

स्पीकर साहब, हुडडा की बात के उपर ये बहुत बोलते है। उस पर नाचते कुदते है। इन से पूछना चाहता हूं कि वह क्या घोटाला है, क्या कोई प्लाटस बेचकर खा गये या किसी कालोनाइजर से पैसे खा गए, उस बात का पता तो लगे कि वह घोटाला क्या है? दो चार मिनट बोलते है कि घोटाला हो गया लेकिन आगे कुछ नही बताते कि क्या घोटाला हुआ है। चौधरी देवी लाल ने उस घोटाले को बन्द किया है। अगर इस बारे में आप मुझसे बहस करना चाहते है तो कर लें (विघ्न् एवं भाोर)

चौधरी तैयब हुसैनः इस बहस को तो हरियाणा की जनता सुनेगी और हमें घोटाला बताने की क्या जरुरत है, सारी जनता जानती है।(विघ्न्)

श्री बनारसी दास गुप्ताः मै एक बार फिर कह देता हूं कि पिछले साल 70 करोड रुपया एस0 वाई0 एल0 के लिए रखा गया था। अब इस आने वाले साल में 36 करोड रखा है। इतने

पैसे की ही आव यकता एस0 वाई0 एल0 के लिए महसूस की गई है। अब मै हुडडा की बात बतलाना चाहता हूं। सन् 1982–83 में ऐक्सटरनल डवैल्पमैंट चार्जिज 167000 रुपये प्रति एकड के हिसाब से रखे गये। उसके बाद पता नही क्या हुआ कि सन् 1985 में इन्हे घटा कर 131500 रुपये कर दिये गये। ऐसा क्यों किया गया इस बारे में हम में से ज्यादातर जानते होगें। उसके बाद सन् 1985 में ही फिर रिवाईज किए गए। उन्हे फिर रिवाईज करके 142000 रुपए प्रति एकड कर दिया गया। जब यह मौजुदा सरकार आई तो इसने सोचा कि कालोनाइजर्ज बहुत ज्यादा कम कर रहे है। इसलिए चौधरी देवी लाल की सरकार आते ही हमारे इस विभाग के संबंधित मंत्री ओर अधिकारियों ने सोचा कि ये डिवलपमैट चार्जिज बहुत कम है। उन्होने इसे बढा कर 241000 रुपये कर दिया। अध्यक्ष महोदय, इसी अर्से में हमारे मुख्य मंत्री महोदय जी के कानो में यह बात आई कि चौधरी बंसी लाल तो इसे तीन लाख रुपये कर गए थे, यह कम कैसे हो गया। मुख्य मंत्री जी ने वह फाईल मांगी लेकिन फाईल गायब थी। फाईल को गुम करने मे किस की भारारत थी या इसके पीछे किन लोगोका हाथ था मै इसकी डिटेल मे नही जाना चाहता। जब फाईल सामने आई तो पता लगा कि तीन लाख रुपये का तो उन्होने सोचा था। यह प्रपोजल बनाकर मंत्री जी के पास भेजी गई थी कि तीन लाख रुपये प्रति एकड ऐक्सटर्नल चार्जिज बढाए जाएंगे। इस प्रपोजल को न तो पास किया गया और न ही इसे लागू किया गया। इस

प्रपोजल का इस्तेमाल तो केवल कौलोनाईजर को डराने के लिए किया गया।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आपको अपनी बात कहने में अभी कितना समय और लगेगा ताकि उसी हिसाब से हाऊस का समय बढा दिया जाए।

श्री बनारसी दास गुप्ताः हाऊस की कार्यवाही आधा घण्टा और बढाने की कृपा करें।

Mr. Speaker: The sitting of the House is extended by half an hour.

वर्श 1988–89 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, तीन लाख का हौवा दिखाकर इन्होने क्या कुछ किया और क्या कुछ नही किया मुझे इस बात का ज्ञान नही (विघ्न्) वह फाईन मंत्री जी के पास रखी हुई थी और दफ्तर मे नही आई। जो मंत्री इसके इन्चार्ज थे वे इसको दबा कर बैठै रहे। इस अर्से में सरकार बदल गई। तीन लाख रुपए के इस हौवे की आड में क्या घोटाला हुआ? (विघ्न्) श्री तैयब हुसैन जी उस समय गृह मंत्री थे। उस समय तीन लाख का जो फैसला हुआ था वह लागू क्यों नही हुआ यह श्री तैयब हुसैन जी को देखना चाहिए था। अध्यक्ष महोदय, जब फाईन के बारे में इधर उधर बात चली और इस बारे में सरकार का पक्का

इरादा नजर आया कि सरकार उस फाईल को ढुंढवाने पर तुली हुई है तथा इस के लिए बढे से बडा कदम उठा सकती है। उसके बाद वह फाईल मिल गई और पता लगा कि तीन लाख की तो सिर्फ प्रपोजल ही थी। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद हमारी सरकार ने 3.72 लाख रुपये ऐक्सटर्नल चार्जिज के किए। (व्यवधान) अखबारो मे तो पता नही क्या क्या निकलता है। यह बात उस समय तक अखबार में नही छपी थी। (विघ्न्)

श्री अध्यक्षः तैयब हुसैन जी आप बैठिए।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, जब तक यह फाईल नोटिस मे नही आई तब तक यह पता नही लगा कि बंसी लाल के समय में कोई प्रपेाजल बनी थी। फिर भी हमने आते ही इसके बढा दिया। जैसे मैने बताया था कि1.42 लाख से बढाकर 2. 41 लाख कर दिया। तब तक यह खबर अखबार मे नही छपी थी (विघ्न्)

Mr. Speaker: Tayyab Sahib, do not give him instructions. let him proceed. (interruption) No interruption, please.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै एक बात यह कहना चाहता हूं। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इस सदन के संचालन के लिए और बिजनैस कन्डक्ट करने के लिए रुल्ज बने हुए है। मै आपके माध्यम से कांग्रेसी भाईयो से कहना चाहता हूं कि ये सदन में आपने से पहले जरा उन रुल्ज पर भी नजर डाल लिया करें।

अध्यक्ष महोदय, ये एण्टी करप् ान कमेटी का जिक्र करते है कि सैक्रेटरी ने त्याग पत्र दे दिया। त्याग पत्र देने में कौन सी बडी बात हो गई क्योंकि त्याग पत्र तो दिए भी जाते है और वापिस भी लिए जाते है। इन्हे चाहिए था कि इस बोर्ड के बनाए जाने की भी सराहना करते क्योंकि चौधरी देवी लाल ने नारा दिया था 'बिजली पानी का प्रबन्ध, भ्रश्टाचार बन्द' उस भ्रश्टाचार को बंद करने के लिए चौधरी देवी लाल ने चारो तरफ नजर दौडाई कि कौन सा ऐसा व्यक्ति है, जो इस काम मे अच्छी भूमिका निभा सकता है। चारो तरफ से पता चला कि एक सत्य देव सिंह हुआ करते थे और निहायत ही ईमानदार आदमी के नाते उनकी भौहरत थी। उनकी यह भौहरत आज भी बरकरार है। किसी व्यक्ति का करोडो रुपया भी उसे खरीद नही सकता। सभी आदमी इस बात को मानते है विपक्ष वाले भी और पक्ष वाले भी मानते है, सभी मानते है कि उससे ज्यादा ईमानदार आदमी हो ही नही सकता। चौधरी साहब ने उसको घर से बुलाया कि आप एक ईमानदार आदमी है और मै प्रदे ा से भ्रश्टाचार मिटाना चाहता हूं। आप यह चार्ज सम्भालो।उन्होने अपनी भार्त रखी कि मेरी टर्म यह होगी वह होगी, मुझे इतना स्टाफ चाहिए ओर स्टाफ के अन्दर जितने मैम्बर होगे उन सब को मै चुनूंगा ताकि कोई करप्ट आदमी न आ जाए। उन्होने यह भी भार्त रखी कि मुझ को कोई सिफारि ा न करे। तो जो टर्म्ज उन्होने बताई वे सौ परसैंट स्वीकार की गई। इससे साफ जाहिर है कि यह सरकार और इनके नेता प्रदे ा से भ्रश्टाचार को खत्म करना चाहते है। किसी समय काम काज की

प्रकीया में कोई बात उनहो अखर गई होगी इसलिए उन्होने इस्तीफा दे दिया होगा। जब उनको कन्वैंस करवाया गया तो वे काम पर आ गए और काम कर रहे है। तो इसलिए अध्यक्ष महोदय, यह सरकार और इस सरकार के नेता ईमानदारी के साथ सच्चाई के साथ चाहते है कि भ्रश्टाचार प्रदे ा से खत्म किया जाए। अध्यक्ष महोदय, मै यह बताना चाहता हूं कि मुझे दुख होता है, भार्म आती है, कि जिस सरकार की ये लोग हिमायत करते है, जिसका यहां बैठ कर ये प्रतिनिधित्व करते है वह सरकार रक्षा सौदो के अंदर भी पैसे खा जाए। बोफोर्स कांड से तो हमारा सिर भार्म से झुक जाता है। हमारे नौजवान सिपाी सरहदो के उपर दु मनो से लडते है और ये कमी न खाते है। (विघ्न्) अध्यक्ष महोदय, आज हमारे जवानो की जिन्दगी खतरे में है क्योकि उनको घटिया हथियार दिए गये थे। कमि ान तो ये लोग खा गए और जान खतरे में उस जवान की है जो सरहद पर खडा है। आज सरहद पर खडे जवान की जिन्दगी को ही खतरा नही बल्कि दे ा की आजादी और अखंडता भी खतरे में पड गई है। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, फेयर फैक्स का मामला आपने सुना होगा ओर अखबारो में भी पढा होगा कि क्या कुछ गडबड हुइ। अध्यक्ष महोदय, जो व्यक्ति, जो भ्रासक और उनके दोस्त हजारो करोड रुपया इस दे ा का लूट कर स्विस बैंको में जाकर जमा करवाएं वे क्प ान की बात करते है, वे हम पर इल्जाम लगाते है। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, आपको भी याद होगी कि यहां भजन लाल की सरकार थी और बाद में बंसी लाल की सरकार आई। मै केन्द्र की बात नही

करता यहां की बात करता हू। आपको पता है कि बदलियो के उपर फिस लगी हुई है। पांच हजार इसके, दस हजार इसके और दो हजार इसके। अध्यक्ष महोदय, नौकरियों में एच0 सी0 एस0 के लिए दो लाख रुपए, तहसीलदार के लिए एक लाख रुपया और नायब तहसीलदार के लिए 50 हजार रुपए लिए जाते थे। हरियाणा का एक एक व्यक्ति इस बात का गवाह है कि यहां नौकरियां पैसा देने से मिलती थी। (विघ्न्) अध्यक्ष महोदय, ये बेकाइदगी करते है आप जरा इनको लगात लगाइयें। अध्यक्ष महोदय, आज मै यह चैलेनज करता हूं कि चौधरी देवी लाल की सरकार बनने के बाद यह साबित कर दें कि एक भी पैसा किसी ने नौकरी लगाने का या बदली करवाने का लिया हो। क्या उपलब्धि नही मानते है? हम भ्रश्टाचार को खत्म करने जा रहे है। मै यह तो दावे के साथ नही कहता कि बिल्कुल ही खत्म हो जाएगा लेकिन चौधरी देवी लाल के नेतृत्व में हम बहुत हद तक इसको बन्द कर देंगे।

यह कर्जे माफी की बात की बाबत कहते है कि कुछ हुआ ही नही है। अब यह तो हो नही सकता कि हम बलबीर पाल भााह का लाखो रुपये का कर्जा माफ कर दें। चौधरी देवी लाल जी ने यह घोशणा की थी कि गरीब आदमी का या वीकर सैक ान का कर्जा माफ किया जायेगा। जो कर्जे के बोझ से दब चुका है और सांस भी नही ले पा रहा है, उसका कर्जा माफ किया जायेगा। (व्यवधान एवं भाोर)

Mr. Speaker: Please be silent. Let him proceed. (Interruption)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, तैयब हुसैन यह कहते है कि कर्जा तो माफ हुआ ही नही है। यह कहते है कि हम झूठ बोल रहे है। यह कहते है कि बजट में प्रोवीजन ही नही है। मै इनको यह बताना चाहता हूं कि जो सप्लीमैंटरी ग्रांटस थी, उसके अन्दर 10 करोड रुपए का इसके लिए प्रोवीजन था।

Chaudhri Tayyab Hussain: Sir, he should have replied to this point.We are not here to listen irrelevant things. (Interruption)

Mr. Speaker: Please have your seat. You have also talked about it. Now let him clarify.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै पूरी जिम्मेवारी के साथ यह कहता हूं कि 10 करोड रुपया कर्जे माफी के अगेन्स्ट हमने बैंकस को दिया था।

चौधरी तैयब हुसैनः आप जरा किताब पढिये। उसमें कही पर कर्जे माफी वाली बात नही है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अगर कर्जे का नाम नही आया तो क्या हुआ, मै आपको अब जो बता रहा हूं।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैने यह सवाल उठाया था कि जहां पर सूखा पडा हुआ है, वहां पर सरकार क्या राहत देने जा रही है, इसका वह जरा जवाब दे दें।

Mr. Speaker: Arya Sahib, please have your seat. Are you Finance Minister or he is the Finance Minister? Let him proceed further. You have been given enough time to speak.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, आप जरा ये फिगर्ज भी सुन लीजिए। हमने जो किसान है उनके 23मार्च, 1986 तक का जितना बकाया था, चाहे वह लोंग टर्म का था या भाार्ट टर्म का था, 10 हजार रुपये तक का सारा कर्जा माफ कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, 544716 लोगो केा इससे फायदा हुआ और 32717 करोड रुपये का बोझ सरकार के ऊपर पडा है। इसी तरह से बैकवर्ड क्लासिज, हरिजन, भूमिहीन या मजदूर है उनकी भी हमने कर्जा माफी की है। 108952 लोगो को इससे फायदा हुआ और 1 करोड 52 लाख 73 हजार रुपये का बोझ सरकार के ऊपर पडा है। ग्रामीण दस्तकारो का भी हमने कर्जा माफ किया है इस में 4153 लोगो के कर्जे माफ किये गये है इससे 1 करोड 11 लाख 86 हजार रुपये का बोझ पडा है। छोटै दुकानदार के भी हमने कर्जे माफ किये है। हमने 68260 ऐसे लोगो के कर्जे माफ किये है जिससे 1 करोड 82 लाख 42 हजार रुपये का बोझ पडा है। एसे टोटल 46 करोड 6 लाख 50 हजार रुपये हमने सहकारी बैंको को दिया है। जब इनकी सरकार गई और हमारी सरकार ने कार्यभार सम्भाला तो सारी सहकारी कार्य प्रणाली ठप्प पडी हुई थीं। उस समय किसी गरीब को लोन नही दिया जा रहा था। पिछली सरकार ने कर्जे की प्रकिया बिल्कुल बन्द कर दी थी। इसके फलस्वरुप न तो कर्जे की वसूली हो रही थी और न ही किसान

को दुबारा कर्जा दिया जा रहा था। स्पीकर साहब, कर्जा माफी की योजना मे जो पुराने डिफाल्टर्ज है, जो क्रोनिक डिफाल्टर्ज है उनको यह माफी की रियायत नही दी जाएगी। हमने कर्जा प्रणाली को फिर से भ्रुरु किया है और अब किसान का कज्र दिया जा रहा है। उदाहरण के लिए इस रबी में जब कि सूखे की स्थिती थी लगभग नब्बे करोड की रा ि ा बतौर कर्जे के दी गई है जबकि 1987 में 88 करोड दी गई थी और यह कहते है कि लेानिंग की प्रकिया बिल्कल बंद है। अध्यक्ष महोदय, यह कहते है कि कर्जा माफी के लिए इस बजट में कोई प्रावधान नही है। इसके बारे में मै यह कहना चाहता हूं कि हमने सप्लीमैंटरी ग्रांटस में दस करोड रुपये रखे है लेकिन मेन बजट में नही रखे। वह इसलिए कि आहिस्ता आहिस्ता जो कर्जे माफ कर रहे है वह बैंक अपने रिर्सोसिज से कर रहे है। इस वक्त हरको बैंक की पूंजी 250 करोड रुपए की है ओर अध्यक्ष महोदय, इस कर्जा माफी से बैंको को जो घाटा पडेगा उसको सरकार पूरा करेगी। यह गारंटी सरकार ने दी है इसलिए बजट में प्रावीजन नही किया है।

ि ाक्षा मंत्री (श्री खुर ीद अहमद): सारा काम अक्ल से होता है।

चौधरी तैयब हुसैनः हाई कोर्ट ने ऐजूके ान मिनिस्टर ने जो ऐफीडेविट दिया है वह भी तो अक्ल से ही दिया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मै एक और बा कहना चाहता हूं। ये लोग कमर्ियल बैंकस की बडी बातें करते है कि कमर्ियल बैंक का कर्जा माफ नही होगा। अध्यक्ष महोदय, हमारी सहकारी बैंको का 59.68 करोड 3पये का कर्जा माफ किया है, निगमो के 8.36 करोड के कर्जे माफ किए है ओर व्यवसायिक बैंको के कर्जे माफ नही किए। अध्यक्ष महोदय, 1971 मे जब श्रीमती इंदिरा गांधी प्रधान मंत्री थी तो उन्होने व्यावसायिक बैंको से कहा कि वीकर सैक ान को कर्जा दिया जाए। सारे बैंकस इंकलूडिंग रिजर्व बैंक प्राईम मिनिस्टर के सामने पे ा हुए और उन्होने कहा कि अगर आप वीकर सैक ान को कर्जा दिलाएंगे तो कर्जा वसूल नही होगा और बैंक बैठ जाएंगे। उस समय एक कार्पोरे ान बनाई गई जिसका नाम था डिपोजिट एंड केडिट इं ोरैंस स्कीम गारंटी कार्पोरे ान। यह कार्पोरे ान इसलिए बनाई गई कि अगर कोई लोनी कमजोर हो, गरीब हो, और वह कर्जा न दे पाए तो 85 प्रति ात कर्जा बैंको को वह कार्पारे ान देगी और पन्द्रह प्रति ात बैंक खुद देंगे। इसका मतलब यह हुआ कि बैंक की रकम गारंटी हो गई। यह कार्पोरे ान वैसे ही नही है। बैंक इस कार्पोरे ान को प्रीमियम देते है और अगर कोई गडबड हो जाए तो क्लेम कर लेते है। वह क्लेम हमें कारपोरे ान देती है। इस तरह से इन बैंको की रकम की सुरक्षा के लिए यह कारपोरे ान बनाई गई है। अध्यक्ष महोदय, हमने कमर्ियल बैंको से यह कहा कि जो कई सालो से 162 करोड रुपये के कर्जे पडे हुए है, आप इनको सेटल नही कर पा

रहे है। आपकी रकम ब्लाक हुई है और लोनीज भी डिफाल्टर्ज बने बैठे है। उनका काम बन्द पडा है और आगे उनको कर्जे नही मिल रहे है। आप मेहरबानी करे और कारपोरे ान से अपना क्लेम मांगे और उनका कर्जा माफ कर दें। (ाोर एवं व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हू कि जितने बैंक वे कारपोरे ान को प्रीमियम देते है और कारपोरे ान का यह फर्ज है कि अगर कोई लोनी बैंक के पैसे नही लौटाता तो कारपोरे ान उनको क्लेम दे। हमने कमर्ि ायल बैंको की मीटिंग बुलाई और सारी योजनाएं उनके सामने रखी कि तुम्हारी लोनिंग भाुरु हो जाएगी और जो रकम ब्लाक पडी है वह आपके पास वापिस आ जाएगी। जो लोनिज है उनको राहत की सांस भी मिलेगा और वह उस रार्ि ा से अपना काम धंधा चला सकेंगे। साथ में हमने यह कहा कि आपकी मदद के लिए हर जिला लैवल पर हमने एक कमेटी बना दी है। ए0 डी0 सी0 उसका चेयरमैन होगा और उसमें बी0 डी0 होगा। इनके अलावा उस क्षेत्र में जो बैंक काम करते है उनको दो प्रतिनिधी भी होगें। आप एक एक की स्क्रीनिंग करके जो चीफ कायदे के मूताबिक ठीक बैठती हो उसको आप कर दें। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मै इन कांग्रेस के भाईयो की क्या बात बतलाऊ? चाहिए तो यह था कि ये लोग हमारा साथ देते, हमारी मदद करते और अपनी केन्द्र सरकार को कहते या वित्त मंत्री से कहते कि यह तो बैक के भले की बात है। प्रदे ा व दे ा के भले की बात है लेकिन इस के साथ ही मै आपको एक रहस्य की बात

बतलाता हूं कि प्रधान मंत्री तक को यह खतरा हो गयाकि अगर यह कर्जा माफी वाली बात में हरियाणा सरकार सफल हो गई तो इसका सारा केडिट चौधरी देवी लाल जी को जाएगा, हरियाणा सरकार को जाएगा और फिर यह बात दूसरे प्रदे ाो में भी जाएगी। अध्यक्ष महोदय, अभी पिछले दिनो मै चोधरी देवी लाल जी के साथ दूसरे प्रदे ाो में गया था। वहां हजारो लाखो किसान चौधरी साहब से मिले और कहने लगे कि साहब हमारे प्रदे ा के मुख्यमंत्री को भी इस बारे में कुछ कहे कि हमारे कर्जे भी माफ कर के हमें भी कुछ राहत दें। इस बात से डरते हुए इनके बडे बडे नेताओ ने कमि र्यिल बैंक को यह हिदायत दी कि इनकी बात मानना नही हालांकि ये बातें बिल्कुल सही है और कायदे के अंदर ही आती है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, यह बिल्कुल गलत बात कह रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः महेन्द्र प्रताप सिंह जी आप बैठे।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, यह गलतबयानी कह रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, यह गलतब्यानी नही है। मै चैलेन्ज करता हूं कि अगर ये एक भाब्द भी गलत साबित कर दे ंतो मै यहां से इस्तीफा दे दूंगा। (ाोर एवं विघ्न्)

श्री अध्यक्षः महेन्द्र प्रताप जी आप बैठिए। आप किस प्रोवीजन के तहत बोल रहे है?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै बैठ जाता हूं आप इन से पूछिये कि कौन सी बात मैन गलत कही है। एक भी गलत बात बताएं।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै तो यह कहना चाहता हूं कि इसमें सरकार का क्या क्रेडिट है? इसमें इनका क्या योगदान है?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, ये सरकार के क्रेडिट की बात करते है। आज बैंको मे ंजो धन है, केन्द्र सरकार के खजाने में जो धन है, प्रदे ा सरकार के खजाने में जो धन है, वह सारा धन जनता का ही है अगर बैंक या कोई दूसर अदायरा या सरकार जनता के पैसे का उपयोग न करे और लापरवाही करे तो उसको रास्ता दिखाना, रास्ता सुझाना सरकार का भी काम हो जाता है ओर जनता का भी काम हो जाता है। हमने उनको सुझाया कि यह जनता का पैसा है अगर यह वसूली होगी तो और लोगो को कर्जा दिया जा सकेगा। लोगो के काम हो जाएंगे और लोगो को राहत मिलेगी। यह कायदे और कानून की बात है। उन्होने मेरी बात को माना ओर मेरी बात से कंविंसहुए लेकिन उन्होने मुझे कांफिडैंस म`ले कर के एक बात बताई और कहाकि अपकी बात सही है लेकिन हम मजबूर है। यह बात उन्होने मुझ से

कही। अध्यक्ष महोदय, ये मेरे कांग्रेसी भाई जो नुक्ताचीनी की बात करते है यह खामख्वाह करते है इसके सिवाय इनके पास और कोई बात नही है।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी तैयब हुसैन और महेन्द्र प्रताप सिंह राबी व्यास के पानी की बात करते है और उसकी बात करके मगरमच्छ के आंसू बहाते है। (ाोर) यह भी कहते है कि हम प्रदे ा के हित के लिए कोई भी बात कहने को तैयार है। इन्होने भााह कमि ान के बारे में भी बात कही, उसके फैसले के बारे में भी बात कही ओर यह कहा कि भााह कमि ान का फैसला इम्पलीमैंट नही किया गया। अध्यक्ष महोदय, भााह कमि ान का फैसला किने इम्पलीमैंट करना था? उसको केन्द्रीय सरकार ने इम्पलीमैंट करना था केन्द्रीय सरकार ने इम्पलीमैंट क्यों नही किया? तैयब साहब की सरकार ने उसको इम्पलीमैंट क्यों नही किया, इनके किसने हाथ पकडे थे और इनको किसने रोका था? मुझे यह बात कहते हुए बडा अफसोस हो रहा है कि उसको इम्पलीमैट क्यां नही किया? इसके बावजूद भी तैयब साहब सारा दोश पंजाब के लोगो पर डाले और कहे कि पंजाब के लोग मानते नही। मै कहता हूं कि पंजाब के लोग क्यों मानेंगे? पंजाब के लोग तो यह चाहेंगे कि चण्डीगढ भी उनके पास रहे, फज्लिका अबोहर भी उनके पास रहे। राबी व्यास का पानी भी उनके पास रहे? जो वे इन्साफी का ि ाकार हो उसकी मदद करनी चाहिए लेकिन उनकी हिम्मत नही पडी कि भााह कमि ान के फैसले को

इम्पलीमैंट करें। मै इन कांग्रेसी भाईयो से यह जानना चाहता हूं कि 1972 मे जो प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अवार्ड दिया था उसका क्या बना?

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः अगर हाउस की सैंस हो तो हाउस का टाईम 15 मिनट बढा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी, बढा दिया जाए।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय 15 मिनट और बढाया जाता है।

वर्श 1988–89 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बनारसी दास गुप्ताः उस अवार्ड पर पंजाब के अन्दर दिवाली मनाई गई थी ओर हरियाणा के अंदर ऐजीटें ान हुए थे। उस समय हरियाणा के मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल हुआ करते थे वे दो अढाई लाख लोगों को लेकर दिल्ली गए थे। लोगो की जो आ ाएं चण्डीगढ के लिए बनी हुई थी वे खत्म हो गई थी। जब चण्डीगढ पंजाब को दे दिया गया तो यहां पर ऐजिटे ान हो गए। फिर हमने लोगो को समझाया कि चण्डीगढ सफेद हाथी है इसको लेकर क्या करेंगे? अबोहर–फज्लिका का एरिया हमें मिलेगा और साथ में 110 के करीब गांव मिलेंगे वहां पर सारे मुल्क से सबसे ज्यादा कपास पैदा होती है। जो फज्लिका अबोहर का इलाका है

वह बहुत उपजाऊ है। तो लोग बाद में हमारी बात से सहमत हो गए थे। अध्यक्ष महोदय, श्रीमती इंदिरा गांधी 1984 तक जीवित रही। यह मै मानता हू कि वे बडी मजबूत नेता थी। वे भी इस समझौते को लागू नही कर पाई थी। रावी ब्यास के पानी के बारे में भी पंजाब वाले कहते थे कि इसमें हरियाणा का कोई हिस्सा नही है। यह झगडा भी हमारा पंजाब के साथ चलता रहा। 1976 में मै हरियाणा का ओर ज्ञानी जैल सिंह पंजाब के मुख्य मंत्री थे। 1976 मे प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने दोनो मुख्य मंत्रीयो केा बुला कर इस पानी का बंटवारा कर दिया। यह पानी था तो 72 लाख एकड फीट लेकिन 2 लाख एकड फीट पानी दिल्ली को ड्रिंकिंग वाटर के लिए दे दिया और 35–35 लाख फीट पानी पंजाब और हरियाणा को दे दिया। इस बंटवारे के बाद हमने कहा कि यह तो हमारे साथ ज्यादती है। प्रधान मंत्री कहने लगी कि ज्यादती कैसे है? पानी तो दोनो स्टेटस को आधा आधा दिया है।(विघ्न्) अध्यक्ष महोदय, मै क्लीयर कर देता हूं कि टोटल पानी था 15.85 मिलियन एकड फीट। इस पानी में से आठ मिलियन एकड फीट से ज्यादा पानी को राजस्थान के सूखे इलाके के लिए दे दिया गया हमने कहा कि हमारे पानी को राजस्थान को देकर एक गलत सिद्धांत काम कर दिया है। साथ ही हमने यह भी कहा कि पंजाब में तो वाटर अलाउंस ज्यादा है, हमारे यहां पर कम है, हमें पंजाब के मुकाबले पानी की ज्यादा जरुरत है। इस पर इंदिरा जी ने उस समझौते में एक लाईन और लिख दी कि जब कभी भी दरियाओ में पानी बढेगा तो बढा हुआ पानी हरियाणा को दिया

जाएगा। पंजाब को 35 मिलियन एकड फीट से ज्यादा एक बून्द भी पानी नही दी जाएगी। मार्च, 1976में भारत सरकार के गजट में यह छपा है। लेकिन यह फैसला भी लागू नही हुआ। यह नहर बननी थी। एक करोड रुपया हमने मुख्यमंत्री (पंजाब) को नहर बनाने के लिए दे दिया और हमने कहा कि चलो आप नहर का प्रीलिमनरी काम भाुरु करवा दो। लेकिन काम भाुरु नही हुआ। बाद में सरकारें बदल गई तो दो अढाई साल के लिए बीच में जनता पार्टी की सरकार भी सत्ता मे आई। सरकारें आती रही ओर बदलती रही। 1981 के अंदर फिर प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने तीनो मुख्य मंत्रीयो के बैठक बुला कर इस पानी का फिर बंटवारा किया। उसमें हरियाणा को घाटा तो रहा लेकिन हरियाणा के लोागे ने और नेताओ ने सोचा चलो कोई बात नही। दो साल के अंदर अंदर नहर की खुदाई तो हो जाएगी और यह नहर तैयार हो जाएगी।हरियाणा के लोगो ने यही सोचा चलो कम पानी सही, पानी तो मिला। लोगो ने यही सोचा कि जल्दी से पानी इस नहर के जरिये मिलना भाुरु हो जाएगा। लेकिन मुझे दुख होता है कि श्री राजीव गांधी जी ने गददी पर बैठते ही हरियाणा के हितो पर कुठाराघात किया। राजीव लोंगोवाल समझौते में जो धारा 7 और 9 जोडी गई थी वह तो हरियाणा के हितो के बिल्कुल ही खिलाफ थी। दूसरे इंदिरा जी ने जो फैसला किया था उसको फाड कर एक तरफ डाल दिया। उन्होने इस समझौते के तहत ऐसी टर्म्ज एण्ड रैफरेंसिज डाल दी कि अबोहर फाजिलका भी हरियाणा से जाता रहा ओर चण्डीगढ भी हरियाणा से छिन गया। उसके बाद

मैथ्यु आयोग और दूसरे कई आयोग बने उनके नतीजे क्या निकले वह सब के सामने है। लेकिन हरियाणा को न अबोहर–फजिलका मिला, न चण्डीगढ मिला और न ही आज तक पानी मिल पाया है। उल्टा बढा हुआ पानी भी पंजाब को मिल गया। बडी बेइंसाफी की बात हरियाणा के लिए हो रही थी। हरियाणा की कांग्रेस पार्टी की सरकार ने या किसी और ने कोई आवाज नही उठाई। सैंटर में चौधरी बंसी लाल राजीव गांधी जी की बगल में बैठते थे और राव वीरेन्द्र सिंह भी केन्द्र में मंत्री थे लेकिन उन्होने हरियाणा के हितो के लिए कोई काम नही किया। उनको चाहिए था कि वे प्रधान मंत्री के पास जाते और पंधान मंत्री जी को कहते कि अकालियों को खु ा करने के लिए हरियाणा के हितो पर छुरी क्यो चला रहे हो लेकिन इस तरु किसी ने ध्यान नही दिया। मै आपके यह भी बताना चाहूंगा कि उस फैसले की पुश्टी करने के लिए कांग्रेस पार्टी तथा विधायक दल की कार्यकारिणी ने अपनी अपनी बैठको में इस समझौते के समर्थन में प्रस्ताव पास किये। महेन्द्र प्रताप सिंह जी कह रहे थे कि हमने राश्ट्र हित में इसका समर्थन किया है। अगर ये दे ा भक्ति की बात करते है तो ये मेरे से ज्यादा दे ाभक्त नहीहै।(विध्न्) 19:00 बजे

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरा एक प्वायंट आफ आर्डर है। मै आपकी रुलिंग चाहूंगा कि अब आनरेबल फाइनैंस मिनिस्टर साहब बोल रहे है तो ये अपोजी ान के मैम्बर बिना आपकी इजाजत के कैसे बोल रहे है? उन्हे बोलने की इजाजत न

दी जाये। दूसरे जो वे बाले उसे रिकार्ड न करने दिया जाये ताकि कल सुबह प्रैस में न आ जाये।

श्री अध्यक्षः जो, मैम्बर बिना इजाजत के बोले वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, मेरा कहने का अभिप्राय यह है कि अगर यह समझौता राश्ट्र हित में होता तो क्या इस समझौते के बाद पंजाब में हत्यायें बन्द हो गई? इस समझौते को हुए कितने दिन हो गयो है लेकिन हत्यायें बंद नही हुई।

चौधरी तैयब हुसैनः स्पीकर साहब, मै कलेरीफिके ान के तौर पर एक बात बताना चाहता हूं कि चुनाव के बाद इस सरकार ने जो गवर्नर ऐड्रैस पढा उसमे सरकार ने यह माना है कि पानी हमें ठीक मिला है। पहली सरकार ने सही पैरवी की और सही फैसला हुआ है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः श्री तैयब हुसैन जी ने जो कहा है, वह ठीक ह। हमने यह कहा था कि इंदिरा ट्रिब्यूनल ने जो अवार्ड दिया है उसको हम मानते है लेकिन हमने यह भी कहा था कि पानी कम दिया गया है, हमें ज्यादा पानी की जरुरत थी। हमने यह नही माना कि पूरा पानी दिया गया है हमने कहा कि हम ज्यादा पानी की आव यकता है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै इस बात को मानता हूं कि गवर्नर ऐड्रैस में जो बात लिखी थी वह ठीक थी।

इराडी ट्रिब्यूनल का फैसला हरियाणा के हित में है। पहले पंजाब सरकार तो हमारा क्लेम ही नही मानती थी। कम से कम इराडी ट्रिब्यूनल ने हमारा हक तो ऐस्टेब्लि ा कर दिया कि हरियाणा का राइट है। जहां तक पानी के क्वांटम का सवाल है उके बारे में हमने पहले ही कहा है कि पानी कम मिला है। इराडी ट्रिब्यूनल मे मामला अभी चल रहा है। हमने फिर से अपील की है कि पानी का कवांटम बढाया जाये। मै अभी समझौते की बात कर रहा था। अगर समझौता राश्ट्र के हित में हो जाता तो पंजाब में कत्लेआम बन्द हो जाता। पंजाब में यदि भाांती हो जाती तो सारे दे ा में भाांती हो जाती तो भाायद हम इस घाटे को बर्दा त भी कर लेते । वह समझौता तो अपनी मौत आप मर गया। जब हरियाणा के साथ अन्याय हुआ तो एक माई का लाल नही बोला कि हरियाणा के साथ ज्यादती हुई है, उस समय चौधरी देवी लाल जी ने खडे हो कर कहा कि जब तक मेरे भारीर में प्राण है मै हरियाणा के साथ बे–इंसाफी नही होने दूंगा। डाक्टर मंगल सैन जी बैठे हुए है, इन्होने चौधरी साहब की आवज में आवाज मिला कर कहा कि मै आपके साथ हूं। उस समय चौधरी देवी लाल जी ने इस्तीफा दिया, डाक्टर मंगल सैन ने दिया और जो दूसरे साथी श्री वीरेन्द्र सिंह, श्री हीरा नन्द आर्य, श्री हुक्म सिंह, श्री नर सिंह ढांडा, श्री भागी राम, श्री सम्पत सिंह, श्री लछमन सिंह कम्बोज, श्री मनफूल सिंह और डिप्टी स्पीकर श्री कुलबीर सिंह ने भी इस्तीफे दिये। सब ने गददी को ठोकर मार दी और अढाई साल तक संघर्श किया। कांग्रेसी लोगो ने समझौते का समर्थन किया। आज कहते है कि

हम पानी के लिए लडेंगे। अध्यक्ष महोदय, मै इन भाइयों का स्वागत करता हूं, जो इन्होने कहा है कि हम इस बात मं आपका साथ देंगे। देर आए दुरुस्त आये। अध्यक्ष महोदय, जहां हमने सूखा पीडितो के लिए चार सौ करोड रुपया सरकार से मांगा था उसमें भी ये हमारी मदद करते। दूसरी किस्त मांगी है उसमें मदद करें। ओलावृश्टी के लिए 57 लाखा मांगा है उसमें साथ दें और पानी के मामले में साथ दे तो बडी अच्छी बात है। इस प्रदे ा के सांझे हित की जो बातें है यदि उनमे ंये हमारा साथ दे तो इससे बडी खु ाी की बात और क्या हो सकती है?

अध्यक्ष महोदय, इन्होने कर्मचारियो की बात की और पैं ानरो के बारे में भी यह कहा कि उन्हे पैं ान 1 जनवरी, 1986 से दी जानी चाहिए थी। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के अतिरिक्त हमारे पक्ष के लोगो मे से हीरा नन्द आर्य जी ने भी इस बारे मुददा उठाया और डा मंगल सेन जीने तो पहले दि नही यह आवाज उठाई थी कि फोर्थ पे कमी ान की रिकमैण्डे ान पर रिवाईज्ड स्केल जब से लागू हुए है तभी से यानी 1–1–1986 से ही मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह जी ने कहा था अगर यह सरकार इसी मांग को मान ले तो हम यह मान लेंगे कि सरकार की उपलब्धियां बहुत ज्यादा हैं। इनकी दस बात को मैने उसी समय नोट कर लिया था और चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह जी स्वयं मान लेगें कि इस सरकार की उपलब्धियां वास्तव में बहुत ज्यादा है ओर इस मेें कोई भाक की बात नही है। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, हमारे मैम्बर साहेबान ने जो जो मांगे रखी है, अब मै उनके बारे में चर्चा करना चाहूंगा श्री हीरा नन्द आर्य ने कहा कि प्राइमरी स्कूलो के लिए एक अलग से निदे ाालय बनाया जाए। हम इनकी मांग पर विचार करेंगे। श्री आर्य इस बात को लिख कर हमें भिजवा दें। जहां तक स्कूलो को अपग्रेड करने की बात है, वर्श 1988–89 के लिए हमने यह प्रोविजन नही रखा है क्योंकि अभी विकास के काफी काम हमारे सामने है और आर्थिक स्थिती इतनी अधिक सरल और आसान नही हुई है। श्री वेद सिंह मलिक ने गन्नौर में नया कालेज खोलने के लिए कहा है, हम इस बारे में विचार करेंगे। श्री हीरा नन्द आर्य एम एल ए ने सुखाग्रस्त क्षेत्रो के छात्रो की फीस माफ करने के लिए कहा है। यह बात हमारे अंडर कंसिड्रे ान है। इस समय यह मामला फाईनैंस विभाग के पास है और थोडे ही दिनो में इस बारे में घोशणा कर दी जाएगी। (विघ्न्)

मास्टर ि ाव प्रसाद, एम0 एल0 ए0 ने गांव मलिकपुर से गांव डडीना के बीच पुल बनाने की मांग की है। यह गांव पहले ही पुल से कनैक्टिड है। इसके अलावा इन्होने गावं दुरलाना को सडक से जोडने की भी मांग की है। यह गांव पहले ही सडक से जुड चुका हैं। अम्बाला छावनी के लिए दोहरी सडक धनाभाव के कारण अभी नही बनाई जा सकती। श्री बूटा सिह, एम0 एल0 ए0 ने घग्गर नदी पर पूल बनाने की मांग की है। पैसा उपलब्ध हो जाने पर यह पुल बनाया जाएगा। श्री सरदूल सिंह, एम0 एल0 ए0

ने सफीदो में 5 कमरो के स्कूल की मुरम्मत की मांग की है। इस मुरम्मत पर 1.52 लाख रुपये का खर्चा होगा। पैसा उपलब्ध होने पर यह काम कर दिया जाएगा। भवन सुरक्षित है। इन्होने ओटू ब्रिज के मुरम्मत की बात भी की। ब्रिज की मुरम्मत का काम चालू है। ओटू के निकट सडका का काम भी चालू है और प्र्याप्त धन मिलने पर पूरा कर दिया जाएगा। सिरसा से हनुमानगढ तक सडक का कार्य सडक पर पडे मलबे को उठाने से भाुरु कर दिया गया है और अतिरिक्त रा ि ा मिलने पर इसको पूरा कर दिया जाएगा। श्री जय नारायण खुण्डिया, एम0 एल0 ए0 ने जिला रोहतक की सडको के निर्माण एवं मुरम्मत के लिए कहा है। इस काम को हंम प्राथमिकता देंगे। इसके अलावा वर्कचार्जड कर्मचारियो को रेगुलर करने की बात कही गई है। जिन वर्कचार्जड कर्मचारियो की चार–पांच या साढे चार वर्श की सेवा हो चुकी है उन्हे वित्तीय स्थिती सुधरने पर रैगुलर कर दिया जाएगा। तो ये सी जितनी भी हमारे मैंबर साहेबान की मांगे है हमने सब नोट की हुई है। मै सदन के माननीय सदस्यो को आ वासन देता हूं कि उनकी प्रत्येक मांग पर बडी हमदर्दी के साथ गौर किया जाएगा और उनको पूरा करने की को ि ा ा की जाएगी। इन भाब्दो के साथ, अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा सदन के सभी सदस्यों को प्रार्थना करुंगा और आ ाा करता हूं कि इस भाानदान बजट को सर्वसम्मति से पास किया जाएगा। धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः अब सदन कल प्रातः 9:30 बजे तक के लिए ऐडजर्न किया जाता है।

19:10 बजे

(तत्प चात् वीरवार, दिनांक 29–3–1988 को प्रातः 9:30 बजे तक के लिए *स्थगित हुआ।)